प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD



Annual Report 2011-2012 वार्षिक रिपोर्ट 2011-2012

16वीं वार्षिक रिपोर्ट SIXTEENTH ANNUAL REPORT

2011-2012

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Technology Development Board

भारत सरकार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग विंग—ए, भू—तल, विश्वकर्मा भवन शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली—110016



GOVERNMENT OF INDIA

DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

WING-A, GROUND FLOOR, VISHWAKARMA BHAWAN,

SHAEED JEET SINGH MARG,

NEW DELHI-110016

विषय सूची

पूर्वावलोकन	12
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का गठन	28
प्रस्तावना	32
वर्ष 2011-12 में परियोजनाएं और उत्पाद	40
परियोजना प्रस्तावों को संशोधित करना	64
सकारात्मक – सिक्वय भूमिका	76
प्रोन्नति संबंधी गतिविधियां	84
अनुसंधान एवं विकास उपकर	92
प्रशासन	94
प्रारंभिक जांच समिति के सदस्य	96
परियोजना मूल्यांकन एवं परियोजना अनुविक्षण समितियों के विशेषज्ञों के नाम	98
उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति (एच एल ई सी) के विशेषज्ञों के नाम	104
वर्ष 2011-12 के लिए प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की लेखाओं का लेखा परीक्षित वार्षिक विवरण	106
वर्ष 2011-12 का पृथक लेखा रिपोर्ट	160

CONTENTS

An Overview	13
Composition of the Technology Development Board	29.
Introduction	33
Projects and Products	41
Processing of Project Proposals	65
Pro-active Role	77
Promotional Activities	85
Research and Development Cess	93
Administration	95
Members of theInitial Screening Committees	97
Experts for the Project Evaluation Committees and Project Monitoring Committees	99
Experts for the High Level Expert Committees	105
Annual Statement of Accounts for the year	107
Separate Audit Report for the year 2011-12	161

एक यादगार वर्ष

वर्ष 2011-12 के दौरान, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टी डी बी) ने विभिन्न औद्योगिक संगठनों और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमि पार्को (एस टी ई पी) / प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई) के साथ वित्तीय सहायता हेतू 26 करारों को सम्पन्न किया और 1568.67 करोड़ रु. के कुल परियोजना परिव्यय में से 139.99 करोड़ रु. की प्रतिबद्धता दी। टी डी बी की सहायता में स्वास्थ्य देख रेख, इंजीनियरिंग, कृषि, उर्जा एवं अपशिष्ट उपयोगिता, दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी आदि जैसे विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं। यह परियोजनाएं 7 राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों में फैली है।

चालू नई परियोजनाओं और स्कीमों के लिए 48.48 करोड़ रु. की राशि का संवितरण किया गया है। इस राशि में ऋण के रुप में 32.27 करोड़ रु., औद्योगिक संगठन और प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स को अनुदान के रुप में 10.40 करोड़ रु. इक्विटी भागीदारी हेतु 2.94 करोड़ रु. तथा निवेश के लिए उद्यम पूंजी निधि (वी सी एफ) हेतू 2.87 करोड़ रु. शामिल हैं।

उद्यम पूंजी निधि में भागीदारी

स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यीकरण हेतू उद्योगों के लिए प्रत्यक्ष सहायता के अतिरिक्त, टी डी बी ने प्रौद्योगिकीय रूप से नवोन्मो व्यवहार्य उद्यमों को सहायता प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी केन्द्रित उद्यम पूंजी निधि (वी सी एफ) के साथ नेटविर्कंग करना जारी रखा है। नवोन्मो और नवोन्मेषी उत्पाद/सेवाएं रखने वाले एस एम ई कि लिए आरंभिक स्तर के उद्यमों को सहायता प्रदान करके स्वयं के कार्य क्षेत्र का विस्तार करना इसका मुख्य उद्देश्य रहा है। टी डी बी की इस पहल ने भारतीय अर्थव्यवस्था की संवृद्धि को प्रेरित करने वाले क्षेत्रों में मुख्य बल के साथ प्रौद्योगिकी आधारित परियोजनाओं को व्यापक रूप से सहायता प्रदान करने हेतू आगे आने के लिए वेन्चर कैपिटलिस्ट / निजी इक्विटी फंड्स का आत्मविश्वास बढ़ाया है।

अब तक टी डी बी ने 6 (छ:) वी सी एफ नामत: ए पी आई डी सी, यू टी आई-ए आई एफ, यू टी आई-आई टी वी यू एस, वेंचर ईस्ट, जी वी एफ एल और आर वी सी एफ में भागीदारी की है और 175.00 करोड़ रु. के निवेश की प्रतिबद्धता/भागीदारी की है तथा इसमें से दो वी सी एफ में निवेश से लाभ पहले ही शुरु हो गया है।

उपरोक्त के अतिरिक्त, इस वर्ष टी डी बी ने 4 नये वेंचर कैपिटल फंड्स के साथ बांकी इन्वेस्टर्स की कुल मिलाकर 1450.00 करोड़ रु. की सहभागिता के साथ 85.00 करोड़ रु. के किमटमेंट /सहभागिता के करार पर हस्ताक्षर किए है।

इस वर्ष, टी डी बी को यू टी आई-एसेंट इंडिया फंड (ए आई एफ) की यूनिटों के मोचन से 3.30 करोड़ रु. प्राप्त हुए।

इन्क्यूबेटर्स में शुरुआतकर्ताओं के लिए सीड सहायता स्कीम

वर्ष 2005 में, टी डी बी ने डी एस टी के राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड (एन एस टी ई डी बी) द्वारा प्रशासित इन्क्यूबेटरों (एस टी ई पी - टी बी आई) को आरंभिक स्तर पर वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सीड सहायता स्कीम शुरु करके संवृद्धि - उन्मुखी अग्रसिक्य पहल अपनाई है और वर्ष 2010-11 तक टी डी बी की 2400 लाख रु. की की प्रतिबद्धता के साथ 24 प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई एस) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एस टी ई पी एस) को सहायता प्रदान की है।

इस स्कीम ने अच्छी प्रगित की है और विभिन्न क्षेत्रों में बहुत से उद्यमियों को लाभान्वित किया है। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने वर्ष 2011–12 के दौरान भी इस स्कीम को विस्तारित किया है और अन्य 12 एस टी ई पी एस / टी बी आई एस की पहचान की गई है और अनुदान के रुप में उनमें से प्रत्येक को 100 लाख रु. का अनुमोदन किया गया है। इन्क्यूबेटीज के लिए जारी की गई वित्तीय सहायता विकास, स्तरोन्नयन और संबंधित कार्य की की आवश्यकता रखने वाली प्रौद्योगिकियों के लिए आरंभिक स्तर सहायता में मदद करेगी। यह इन्क्यूबेटर्स द्वारा इन्क्यूबेसन निधि का सृजन करने में भी सुविधा प्रदान करेगी।

The Year That Was

During the year 2011-12, Technology Development Board (TDB) concluded 26 agreements for financial assistance with various industrial concerns and Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEPs)/Technology Business Incubators (TBIs) and committed Rs. 139.99 crore out of total project outlay of Rs. 1568.67 crore. TDB's support covers various sectors such as Healthcare, Engineering, Agriculture, Energy & Waste Utilization, Telecommunication and Information Technology etc. The projects are spread over 7 States/Union Territories.

An amount of Rs. 48.48 crore has been disbursed towards on-going, new projects and schemes. This included Rs. 32.27 crore as loan, Rs. 10.40 crore as grant to industrial concerns and Technology Business Incubators, Rs. 2.94 crore as equity participation and Rs. 2.87 crore to Venture Capital Fund (VCF) for investment

Participation in Venture Capital Funds

In addition to the direct support to industries for commercialization of indigenous technologies, TDB continued networking with technology focused Venture Capital Fund (VCF) to support technologically innovative viable ventures. The objective behind this exercise is to spread itself by providing support to early stage ventures for SMEs having innovation and innovative products /services. This initiative of TDB has given confidence to Venture Capitalist/Private equity funds to come up in big way to support the technology based projects with a pronounced emphasis on sectors which are the growth drivers of Indian economy.

So far TDB has participated in 6 (six) VCFs namely APIDC, UTI-AIF, UTI-ITVUS, Ventureast, GVFL and RCVF and committed investment of Rs. 175.00 crore, and out of which the return on investment in two VCFs has already started.

Besides above, this year TDB signed agreements with 4 new Venture Capital Funds with a commitment/participation of Rs. 85.00 crores leveraging total fund aggregating to Rs. 1450.00 crores from other investors.

This year, TDB has received Rs. 3.30 crores towards redemption of units of UTI-Ascent India Fund (AIF).

Seed Support Scheme for Start-ups in Incubators

In 2005, Technology Development Board (TDB) took a growth-oriented proactive initiative by starting the Seed Support System for providing financial assistance for Start-ups in Incubators (STEP/TBI) administered by the National Science & Technology Entrepreneurship Development Board (NSTEDB) of DST and has supported 24 Technology Business Incubators (TBIs) and Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) involving TDB's commitment of Rs. 2400 lakhs till 2010-11.

This scheme has progressed well and benefited a number of entrepreneurs in various fields. T D B has extended this scheme during the current year 2011-12 also and another 12(twelve) STEPs/ TBIs have been identified and sanctioned Rs. 100 lakhs each as grant. The financial assistance released to the incubatees would cater to early stage support for technologies requiring development, up-scaling and related work. It will also facilitate in the building up of an Incubation Fund by the Incubators.

विदेशी संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने 'सेंटर फॉर इ डेवलपमेंट ऑफ इंडस्ट्रीयल टेक्नोलॉजी (सी डी टी आई), स्पेन के साथ पूर्व में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार अपना तकनीकी सहयोग जारी रखा। 31 मार्च, 2012 तक (वित्तीय वर्ष 2011–12) सी डी टी आई, स्पेन और टी डी बी के बीच इंडिया स्पेन इनोवेशन प्रोग्राम (आई एस आई पी) के तहत कुल 8 (आठ) द्विपक्षीय परियोजनाओं नामत: 'एफ एक्स आई एन टी ई आर ए सी टी आई वी ई', 'इन्टीग्रेसन सिक्यूरीटि सिस्टम', 'एस सी यू टी यू एम', 'सी ओ डब्ल्यू बी यू एल एल', 'बी टी ई एन एस आई ओ एन', 'बी ई एन जी ए एल ए', 'एस के आई डी एस' एवं 'एस ए ई सी एल आई एम बी ई आर इंडिया' को अनुमोदित किया गया।

प्रौद्योगिकी दिवस

11 मई, 2011 को नई दिल्ली में प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया और भारत के पूर्व राष्ट्रपित डा. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान पद्म श्री प्रो. अशोक झुनझुनवाला, सुश्री छवि राजावत एवं श्री सुहास गोपीनाथ के द्वारा दिया गया।

पुरस्कारों की श्रेणी में, श्री पवन कुमार बंसल, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्री की उपस्थिति में मुख्य अतिथि ने 10 लाख रु. एवं ट्राफी का राष्ट्रीय पुरस्कार मैसर्स रिलायन्स इन्डस्ट्रीज लिमिटेड, हजिरा मैनुफेक्चिरिंग इकाई, सुरत, गुजरात को 'एडवान्स्ट डोनर आर ई एल डी1000 टेक्नोलॉजी फॉर हाई परफॉरमेंस राफिया ग्रेड पोलिप्रोपाईलिन प्रोडक्सन' के विकास एवं वाणिज्यीकरण के लिए प्रदान किया।

उन्होनें, मैसर्स टॉप गियर ट्रांसमिसन प्राईवेट लिमिटेड, ए. डी. डी. एल. एम आई डी सी, सतारा, महाराष्ट्र को टॉप गियर ट्रांसिमशन गियर बॉक्सेस' एवं मैसर्स एन. यू. एम. ए. सी., एम. आई. डी. सी., नागपुर, महाराष्ट्र को 'रॉटरी वेन एसेम्बली एंड बॉडी लाईनर्स फॉर एक्स. आर. पी. टाईप कोल मिल्स' के विकास एवं वाणिज्यीकरण के लिए दोनो एस. एस. आई. इकाईयों को 5 लाख रु. एवं ट्राफी का पुरस्कार भी प्रदान किया।

पारस्परिक अन्तरिकवा पद्धति

प्रदर्शनियां / संगोष्ठियां

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के पास उपलब्ध वित्तीय सहायता के बारे में उद्योग, उद्यमियों एवं आर एंड डी संस्थानों के बीच जागरुकता का सृजन करने के लिए अन्य संगठनों के सहयोग से विचार – विमर्शी बैठकें /प्रदर्शनियों में भागीदारी जैसे विभिन्न कार्यकलापों को संचालित किया गया।

वर्ष के दौरान, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने भुवनेश्वर एवं नई दिल्ली में प्रदर्शनियों में भाग लेकर अपनी स्कीमों के बारे में जागरुकता पैदा की है। टी डी बी ने 17 से 20 अक्टूबर, 2011 के दौरान टोरन्टो, कनाडा में एक विदेशी प्रदर्शनी में भी भाग लिया।

भुवनेश्वर में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का 99वां सत्र

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने भुवनेश्वर में 3-7 जनवरी, 2012 के दौरान 99वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस (आई एस सी) 'भारत का गौरव एक्सपो' में भाग लिया। भारत के माननीय प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह द्वारा 'भारत का भविष्य बनाने के लिए विज्ञान' के मुख्य विषय के साथ आई एस सी का उद्घाटन किया गया।

विज्ञान कांग्रेस एक ही मंच पर अपने अनुभवों को आपस में बताने वाले विश्व भर के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, नोबेल पुरस्कार विजेताओं, नीति निर्माताओं, प्रशासकों, प्रोफेसरों और विद्यार्थियों की उपस्थिति की गवाह रही। टी डी बी ने अपने कार्यकलापों के बारे में जानकारियां दी और अपने स्कीमों के बारे में आगन्तुकों को अवगत कराया। विज्ञान कांग्रेस में बड़ी संख्या में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

MoUs with Foreign Institutions

TDB continued its technical collaboration with "Centre for the Development of Industrial Technology" (CDTI), Spain as per the MoU signed with it earlier. Upto 31st March, 2012 (FY 2011-12), total eight (8) bilateral projects namely 'FXINTERACTIVE, Integration Security System, SCUTUM, COWBULL, BTENSION, BENGALA, SKIDS and SAECLIMBER INDIA were approved under India Spain Innovating Program (ISIP) between CDTI, Spain and TDB.

Technology Day

Technology day was celebrated on 11th May, 2011 in New Delhi and the Former President of India, Dr. A.P.J. Abdul Kalam, was the Chief Guest on this occasion. The Technology Day Lecture was delivered by Padma Shree Prof. Ashok Jhunjhunwala, IIT Madras, Ms. Chhavi Rajawat and Shri Suhas Gopinath.

In the awards category, the Chief Guest in the presence of Shri Pawan Kumar Bansal, Minister of Science and Technology and Earth Sciences presented the National Award of Rs. 10 lakhs and a trophy to M/s Reliance Industries Ltd., Hazira Manufacturing Unit, Surat, Gujrat for Developing and Commercializing Advanced Donor RELD1000 Technology for High Performance Raffia Grade Polypropylene Production.

He also presented Rs. 5 lakh and a trophy each to two SSI units, M/s Top Gear Transmission Pvt. Ltd., Addl. MIDC, Satara, Maharashtra for Developing and Commercializing Top Gear Transmission gear boxes and M/s NUMAC, MICD, Nagpur, Maharashtra for Developing and Commercializing Rotary Vane Assembly and Body Liners for XRP Type Coal Mill.

Interactive Mode

Exhibitions/ Seminars

To create awareness in the industry, entrepreneurs and R&D institutions about the available financial support from TDB, various activities were undertaken such as interactive meetings / participation inexhibitions in collaboration with other organizations.

During the year, TDB created awareness about its scheme by participating in exhibitions at Bhuwneshwar and New Delhi. TDB also participated in an exhibition abroad during 17th - 20th October, 2011 at Toronto, Canada.

99th session of Indian Science Congress at Bhuwneshwar

TDB participated in the 99th Indian Science Congress (ISC) 'Pride of IndiaExpo' during **January 3-7, 2012** at Bhuwneshwar. The ISC with the focal theme "Science for shaping the future of India" was inaugurated by Dr. Manmohan Singh, Hon'ble Prime Minister of India.

The Science Congress witnessed the presence of eminent scientists, Nobel laureates, policy makers, administrators, professors and students from across the nation sharing their experiences and views over a common platform. TDB displayed information about its activities and the visitors were appraised about the schemes of TDB. A large number of national and international delegates participated in the Science Congress.

वर्ष 2011-12 में नए उत्पाद एवं सेवाएं

वर्ष के दौरान, टी डी बी ने नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियों के विकास और वाणिज्यीकरण हेतू निम्नलिखित परियोजनाओं को सहायता प्रदान करने के लिए नये करारों पर हस्ताक्षर किए:-

- मैसर्स एम ई डी आर सी एजुटेक लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा 'एम ई डी आर सी का स्मारटेक® हेल्थकेयर ई लर्निंग सोल्यूसन्स का विकास और वाणिज्यीकरण'
- मैसर्स मोबमी वायरलेस सोल्यूसन्स (प्राईवेट) लिमिटेड, कोच्ची द्वारा 'प्रबंधित मोबाईल सेवाओं के लिए कोर मोबाईल नेटवर्क तत्वों का विकास एवं वाणिज्यीकरण'
- मैसर्स रिलायन्स सेल्लूलोज प्रोडक्टस लिमिटेड, सिकन्दराबाद द्वारा कोल्लोईडल माईक्रोक्रीस्टालीन सेल्लूलोज का विकास और वाणिज्यीकरण
- मैसर्स इन्टेलिजोन इनर्जी प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा सोलर वाईड वोल्टेज ग्रीड बेस्ड रुरल होम ईनर्जी सिस्टम का विकास और वाणिज्यीकरण
- मैसर्स धमा ईन्नोवेशन्स प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा क्लिमावेयर हिटिंग/कूलिंग प्रोडक्ट्स एवं सिस्टम्स का विकास और वाणिज्यीकरण
- मैसर्स एक्यूस्टर टेक्नोलॉजीज प्राईवेट लिमिटेड, गुड़गांव द्वारा स्वदेशी इको स्मार्ट ब्लड केमिस्ट्री एनालाईजर के लिए स्वदेशी तकनीक का वाणिज्यीकरण
- मैसर्स बायो-जेनेक्स लाईफ साईन्सेज प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा हाईली स्पेसिफीक एंड सेन्सिटिव मोलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स सिस्टम का विकास और वाणिज्यीकरण
- मैसर्स ग्लैंड केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा रेकूरोनियम ब्रोमाईड का निर्माण
- मैसर्स ट्राईडाइगोनल सोल्यूसन्स प्राईवेट लिमिटेड, पुने द्वारा ए मल्टी-स्केल मोडलिंग प्लेटफॉर्म का का विकास और वाणिज्यीकरण
- मैसर्स आर ए एस लाईफ साईन्सेज प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा इन्फेक्सन्स, जेनेटिक डिसिजेज एंड कैंसर के क्लिनिकल इवैल्यूशन के लिए मोलिक्यूलर डायग्नोस्टिक किट्स का उत्पादन

सीड सहायता स्कीम के अन्तर्गत निम्नलिखित 12 नए एस टी ई पी / टी बी आई एस में से प्रत्येक को 1.00 करोड़ रु. की अनुदान सहायता भी प्रदान की गई

- 1. टी आर ई सी एस टी ई पी, तीरुचिरापल्ली
- 2. बी आई टी एस, पिलानी, राजस्थान
- 3. ई-हेल्थ प्रौद्योगिको व्यवसाय इन्क्यूबेटर, बेंगलोर
- 4. ई के टी ए ईन्क्यूबेसन केन्द्र, कोलकाता
- 5. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पार्क, पूने
- 6. कृष्णा सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, भूवनेश्वर
- 7. सी आई आई ई ईनीसिएटिव, आई आई एम, अहमदाबाद

New Products and Services in 2011-12

During the year, TDB signed new agreements for financial assistance to support the following projects for development and commercialization of innovative technologies:-

- Development and commercialization of MEdRC'sSmarTeach® Healthcare E-Learning Solution by M/s. MEdRC Edu. Tech. Ltd., Hyderabad
- Development & commercialization of core mobile network elements for Managed Mobile Services by M/s. Mobme Wireless Solutions (P) Ltd., Kerala
- Development and commercialization of Colloidal Micro Crystallin Cellulose by M/s. Reliance Cellulose Products Ltd., Secunderabad
- Solar wide voltage grid based rural home energy system by M/s. Intelizon Energy Private Limited, Hyderabad
- Development and commercialization of climaware Heating / cooling products and systems by M/s Dhama Innovations Pvt. Ltd., Hyderabad
- Commercialization of indigenous technology for Eco Smart Blood Chemistry Analyzer by M/s Accuster Technologies Pvt. Ltd, Gurgaon
- Development and commercialization of Highly specific and sensitive molecular diagnostics systems by M/s. Bio-Genex Life Sciences Pvt. Ltd., Hyderabad
- Manufacture of Recuronium Bromideby M/s Gland Chemicals Pvt. Ltd., Hyderabad
- Development and commercialization of a multi-scale modeling platform by M/s. Tridiagonal Solutions Pvt. Ltd., Pune
- Manufacturing of Molecular Diagnostic kits for clinical evaluation of infections, genetic diseases and cancers by M/s. RAS Life Sciences Pvt. Ltd., Hyderabad

The following 12 new STEP/TBIs are also supported with grant assistance of Rs. 1.00 crore each under Seed Support Scheme.

- 1. TREC-STEP, Tiruchirappalli
- 2. BITS, Pilani, Rajasthan
- 3. e-Health Technology Business Incubator, Bangalore
- 4. EKTA Incubation Centre, Kolkata
- 5. Science & Technology Park, Pune
- 6. Krishna Institute of Information Technology, Bhuwneshwar
- 7. CIIE Initiatives, IIM Ahmedabad

- 8. एम आई टी सी ओ एन कन्सलटेन्सी एंड इन्जीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड, पूने
- 9. आई ए एन मेन्टरिंग एंड इन्क्यूबेसन सर्विसेज, नई दिल्ली
- 10. आई आई टी, गुवाहाटी
- 11. आई आई टी, खरगपुर
- 12. आई आई आई टी, हैदराबाइ, आन्ध्र प्रदेश

वर्ष के दौरान टी डी बी ने निम्नलिखित 4 (चार) नये वेन्चर कैपिटल फण्डस (वी सी एफ एस) में भी भाग लिया।

- 1. सी आई आई ई, आई आई एम अहमदाबाद का इंडियन फंड फॉर ससटैनेबल इनर्जी
- 2. इंडियन ईन्नोवेशन होल्डिंग एम एस एम ई प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली का इनिफिनिटी इन्नोवेशन फंड
- 3. एस आई डी बी आई वेन्चन केपिटल लिमिटेड, मुम्बई का इंडिया अपरचुनिटिज फंड
- 4. एस ई ए एफ इंडिया इनवेस्टमेंट एडवाईजर्स प्राईवेट लिमिटेड, मुम्बई का एस ई ए एफ इंडिया एग्रीबिजनेस फंड

वर्ष 2011-12 में जारी उत्पाद / पूरी की गई परियोजनाएं

वर्ष के दौरान टी डी बी से सहायता के साथ जारी उत्पादों / पूरी की गई परियोजनाओं में निम्नलिखत शामिल है:-

- मैसर्स सोनिक बायोकेम एक्सट्रैक्सन्स लिमिटेड, इंदौर (एस. पी.) द्वारा सोया लेसिथिन पाउडर/ग्रेन्युल्स एंड फोस्फाटिडाईलकोलिन-35 द्वारा लिक्विड एक्सट्रैक्सन का विकास और वाणिज्यीकरण
- मैसर्स रिलायन्स सेल्लूलोज प्रोडक्टस लिमिटेड, सिकन्दराबाद द्वारा कोल्लोईडल माईक्रोक्रीस्टालीन सेल्लूलोज का विकास और वाणिज्यीकरण

ऋण चुकौती का निपटान

इस वर्ष, टी डी बी द्वारा सहायता प्राप्त 18 (अठारह) कम्पनियों ने अपनी ऋण राशि का भुगतान कर दिया है और टी डी बी के द्वारा सन्तोषप्रद पाए जाने पर करार के अनुसार अपनी ऋण लेखाओं का निपटान कर दिया है।

वर्ष 2011-12 में प्राप्त आवेदन

वर्ष के दौरान टी डी बी ने विभिन्न औद्योगिक संस्थानों से वित्तीय सहायता के लिए कुल 82 आवेदन प्राप्त किए जिसमें 2464.55 करोड़ रु. की कुल परियोजना लागत और 500.62 रु. करोड़ की टी डी बी से मांगी गई सहायता शामिल है। इनमें से टी डी बी के द्वारा वित्तीय सहायता के लिए 63 आवेदनों को उचित पाया गया। कई वेन्चर कैंपिटल फण्ड्स ने भी अपने फंड में भागीदारी के लिए टी डी बी को संपर्क किया।

- 8. MITCON Consultancy & Engineering Services Ltd., Pune
- 9. IAN Mentoring & Incubation Services, New Delhi
- 10. IIT Guwahati
- 11. IIT Kharagpur
- 12. IIIT Hyderabad

TDB also participated in following 4 (four) new Venture Capital Funds (VCFs) during this year i.e. 2011-12.

- 1. Indian Fund for Sustainable Energy by CIIE, IIM Ahmedabad
- 2. Infinity Innovation Fund by Indian Innovation Holding MSME Pvt. Ltd., New Delhi
- 3. India Opportunities Fund by SIDBI Venture Capital Ltd., Mumbai
- 4. SEAF India Agribusiness Fund by SEAF India Investment Advisors Pvt. Ltd., Mumbai

Product Released/Projects completed in 2011-12

The products released / projects completed with assistance from TDB during the year include:-

- Development & Commercialization of Soya Lecithin Powder/Granules and Phosphatidylcholine-35 by Liquid Extraction by M/s Sonic Biochem Extractions Limited, Indore (MP)
- Development & Commercialization of Colloidal Microcrystalline Cellulose by M/s Reliance Cellulose Products Limited (RCPL). Secunderabad (AP)

Settlement of Repayment of Loan

This year, Eighteen (18) companies assisted by TDB have repaid their loan amount and settled their loan account as per the agreement to the satisfaction of TDB.

Applications received in 2011-12

During the year, TDB received total 82 applications for financial assistance from various industrial concerns with total project cost of Rs. 2464.55crore and TDB's assistance of Rs. 500.62 crore. Out of that, 63 applications were found suitable for further processing for financial assistance by TDB. Several Venture Capital Funds also approached TDB for participation in their fund.

पूर्वावलोकन

भारत सरकार द्वारा प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 के प्रावधानों के अंतर्गत सितम्बर, 1996 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का गठन किया गया।

इस अधिनियम में टी डी बी द्वारा संचालित प्रौद्योगिकी विकास तथा अनुप्रयोग के लिए फंड सृजन का प्रावधान है। इस फंड द्वारा सरकार से अनुसंधान एवं विकास उपकर अधिनियम, 1986 यथा संशोधित 1995 के प्रावधानों के तहत औघोगिक इकाइयों से एकत्रित उपकर में से भारत सरकार से अनुदान प्राप्त किया जाता है। फंड की राशि के निवेश से प्राप्त आय और फंड द्वारा दिए गए अनुदानों की वसूली को फंड में जमा कर दिया जाता है। वित्त अधिनियम, 1999 द्वारा आयकर संबंधी उद्देश्यों के लिए फंड को दिए गए अनुदानों में पूर्ण कटौती करने हेतू सक्षम बनाया गया।

वर्ष 1996-97 से 2011-12 की अवधि के दौरान आर एंड डी उपकर से सरकार द्वारा कुल 3542.33 करोड़ रु. एकत्र किए गए। इसमें से टी डी बी को 16 वर्षों की अवधि में 506.42 करोड़ रु. की संचित राशि उपलब्ध कराई गई।

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टी डी बी) का दायित्व स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास एवं वाणिज्यिक अनुप्रयोग का प्रयास करना अथवा व्यापक घरेलु अनुप्रयोग हेतू आयातित प्रौद्योगिकी को अपनानें वाली औद्योगिक इकाईयों तथा एजेंसियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है।

टी डी बी द्वारा वित्तीय सहायता ऋण या इक्विटी के रुप में तथा आपवादिक मामलों में अनुदान के रुप में उपलब्ध है। ऋण सहायता अनुमोदित परियोजना लागत के 50 प्रतिशत तक दी जाती है और इस पर प्रतिवर्ष 5 प्रतिशत साधारण ब्याज लिया जाता है। ऋण अविध के दौरान टी डी बी की सहायता से उत्पादित उत्पाद की बिकी पर रॉयल्टी भी देय है। विकल्प के रुप में टी डी बी किसी कंपनी को इक्विटी पूंजी भी प्रदान कर सकता है बशर्ते यह अनुमोदित परियोजना लागत का अधिकतम 25 प्रतिशत तक हो। वित्तीय सहायता किसी औद्योगिक इकाई के शुरुआत, स्टार्ट अप अथवा विकास के चरणों में उपलब्ध कराई जा सकती है।

टी डी बी को अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों सें वित्तीय सहायता हेतू आवेदन वर्ष भर प्राप्त होते रहते हैं। टी डी बी से वित्तीय सहायता प्राप्त करने हेतू इच्छुक औद्योगिक इकाई को विहित पत्र में आवेदन करना होता है। परियोजना वित्त पोषण संबंधी दिशानिर्देशों सिहत आवेदन के प्रारुप की प्रति टी डी बी से नि:शुल्क या टी डी बी की बेबसाईट (www.tdb.gov.in) से प्राप्त किया जा सकती है।

टी डी बी ने अपनी योजनाओं को प्रौद्योगिकी अभिमुखी परियोजनाओं तक और अधिक विस्तारित करने के लिए उद्यम पूंजी निधि में भी भाग लिया है। इसके अतिरिक्त, यह इन्क्यूबेटर्स को सीड सहायता स्कीम के माध्यम से सहायता भी प्रदान करता है और इसने अपनी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए चयनित विदेशी संस्थानों के साथ पारस्परिक विचार-विमर्श भी किया है।

31 मार्च, 2012 की स्थिति के अनुसार, टी डी बी द्वारा (1996 में इसके अस्तित्व में आने के बाद से) 5092.79 करोड़ रु. की कुल परियोजना लागत युक्त कुल 274 करारों पर हस्ताक्षर किया है जिसमें से टी डी बी की बचनबद्धता 1223.21 करोड़ रु. की है जिसके विरुद्ध टी डी बी ने सरकार द्वारा दिए गए फंड और आंतरिक प्राप्तियों में से 1003.12 करोड़ रु. का संवितरण किया है।

टी डी बी ने अन्य निवेशकों से कुल 2653.00 करोड़ रु. के निधियों तक पहुंच बनाते हुए 260.00 करोड़ रु. की प्रतिबद्धता/भागीदारी के साथ अब तक कुल 10 उद्यम पूंजी निधियों को सहायता प्रदान किया है। टी डी बी ने सीड सहायता स्कीम के अंतर्गत छत्तीस इन्क्यूबेटर्स को 1 - 1 करोड़ की अनुदान सहायता अनुमोदित की है।

AN OVERVIEW

The Government of India constituted the Technology Development Board (TDB) in September 1996, as per the provisions of the Technology Development Board Act, 1995.

The Act enabled the creation of a Fund for Technology Development and Application to be administered by TDB. The Fund receives grants from the Government of India out of the Cess collected by the Government from the industrial concerns under the provisions of the Research and Development Cess Act, 1986, as amended in 1995. Any income from investment of the amount of the Fund and the recoveries made of the amounts granted from the Fund are credited to the Fund. The Finance Act, 1999, enabled full deductions to donations made to the Fund for income tax purposes.

During the period of 1996-97 to 2011-12, a total amount of Rs.3542.33 crore R&D cess has been collected by the Government. Out of this, TDB has received a cumulative sum of Rs. 506.42 crore over the period of 16 years.

The mandate of the TDB is to provide financial assistance to the industrial concerns and other agencies attempting development and commercial application of indigenous technology or adapting imported technology for wider domestic application.

The financial assistance from TDB is available in the form of loan or equity and/or in exceptional cases, grant. The loan assistance is provided up to 50 percent of the approved project cost and carries 5 percent simple rate of interest per annum. Royalty is also payable on sales of products under TDB's project during currency of loan. In exceptional cases, TDB may also subscribe by way of equity capital in a company, subject to maximum of 25 percent of the approved project cost. The financial assistance is provided during the commencement, start-up or growth stages of industrial concerns.

TDB accepts applications for financial assistance from all sectors of economy throughout the year. An industrial concern desirous of seeking financial assistance from TDB applies in a prescribed format. A copy of the Project Funding Guidelines including the format of application can be obtained free of cost from TDB or by accessing TDB website (www.tdb.gov.in).

TDB has also participated in Venture Capital Funds for spreading its support to technology oriented projects. Further, it also provides support to incubators through its Seed Support Scheme and has also interacted with select foreign institutions to promote its activities.

As on 31st March 2012, TDB has signed a total of 274 agreements (since its inception in 1996) with a total project cost of Rs. 5092.79 crore involving TDB's commitment of Rs. 1223.21 crore against which TDB has disbursed Rs. 1003.12 crore from the grants provided by the government and through internal accruals.

TDB has so far supported 10 Venture Capital funds with a commitment / participation of Rs.260.00 crores leveraging total funds aggregating to Rs. 2653.00 crores from other investors. TDB has approved grant assistance of Rs. 1.00 crore each to the thirty six Incubators under the Seed Support Scheme.

वित्तीय सहायता का तरीका

टी डी बी द्वारा 31 मार्च, 2012 तक दी गई वित्तीय सहायता के तरीकों को निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है :-

(करोड रु. में)

साधन	टीडीबी द्वारा स्वीकृत राशि*	टीडीबी द्वारा वितरीत राशि
लोन	824.49	730.58
इक्विटी	25.71	**27.30
ग्रांट	113.01	99.98
वेन्चर फंड	260.00	145.26
कुल	1223,21	1003,12

- 31 मार्च, 2012 तक टी डी बी द्वारा वास्तविक रुप से अनुमोदित राशि वित्तीय सहायता की मात्रा में संशोधन, पिरसमापन और निरसन के कारण पश्चातवर्ती वर्षों में पिरवर्तित हो सकती है।
- ** इसमें मार्च, 2004 में एन आई सी सी ओ को संवितरित रु. 18.46 करोड़ (वर्ष 1999-2000 में 12.46 करोड़ रु. और वर्ष 2001-02 में 06.00 करोड़ रु.) के लोन के ऋण का संचित मोचन योग्य वरीयता शेयरों में परिवर्तन (तथापि ऋण में कमी), मैसर्स फंटियर लाईफलाईन प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई को संवितरित 5.00 करोड़ रु. के लोन के ऋण का संचित मोचन में परिवर्तन एवं टी डी बी की ग्लोबल इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी एलायन्स (जी आई टी ए) में 0.49 करोड़ रु. की भागीदारी शामिल है।

क्षेत्रवार कवरेज

टी डी बी की वित्तीय सहायता ने अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों को कवर कर लिया है। निम्नलिखित तालिका में टी डी बी द्वारा 1997-98 में इसके गठन से 31 मार्च, 2012 तक क्षेत्रवार स्वीकृत की गई परियोजनाओं को दिखाया गया है:-

क्षेत्रवार कवरेज 1997-2012

(करोड़ रु. में)

	सेक्टर	करारों की संख्या	कुल लागत	टीडीबी द्वारा स्वीकृत राशि
1	स्वास्थ एवं चिकित्सा	66	936.91	292.47
2	इंजीनियरिंग	53	483.11	165.8
3	इलेक्ट्रोनिक्स	2	35.51	9.75
4	केमिकल	20	164.29	55.88
5	कृषि	19	125.18	40.52
6	ऊर्जा और अपशिष्ट उपयोगिता	8	132.36	55.98
7	दूरसंचार	11	90.04	33.85
8	रक्षा एवं नागर विमानन	1	8.00	2.20
9	सड्क यातायात	10	527.04	81.2
10	हवाई यातायात	2	142.1	67.8
11	सूचना प्रौद्योगिकी	35	303.59	121.26
12	अन्य			
	(क) वेन्चर फंड सहित	10	210.8	260.00
	(ख) एसटीईपी – टीबीआई	36	36.00	36.00
	(ग) सीआईआई	1	0.83	0.5
	कुल	274	5092,96	1223,21

(टी डी बी द्वारा बिना राशि जारी वाले 13 रद्द किए गए करारों को शामिल नही किया गया है)

Modes of Financial Assistance

The following table indicates the modes of financial assistance provided by TDB till 31st March 2012.

Rs. In Crore

Instrument	Sanctioned by TDB*	Disbursement by TDB
Loan	824.49	730.58
Equity	25.71	**27.30
Grant	113.01	99.98
Venture Funds	260	145.26
Total	1223.21	1003.12

- * The actual sanctioned amount by TDB as on 31st March 2012 may vary in subsequent years due to revision in the quantum of financial assistance, foreclosure and cancellations.
- ** Includes conversion of loan of Rs. 18.46 crore (Rs. 12.46 crore in 1999-2000 and Rs. 6 crore in 2001-2002) disbursed to NICCO Corporation into Cumulative Redeemable Preference Shares in March 2004 (thereby reducing the loan), conversion of loan of Rs. 5.00crore disbursed to M/s Frontier Lifeline Pvt. Ltd., Chennai into equity and Rs. 0.49 crore disbursed towards equity participation of TDB in Global Innovation and Technology Alliance (GITA) a Section 25 company.

Sector-wise Coverage

TDB's financial assistance has covered almost all sectors of the economy. The following table gives sector-wise projects sanctioned by TDB upto 31st March, 2012, since inception in 1997-98.

Sector-wise Coverage 1997-2012

(Rs. in Crore)

	Sector	Number of	Estimated	Assistance
		Agreements	cost	Sought from TDB
1	Health& Medical	66	936.91	292.47
2	Engineering	53	483.11	165.80
3	Electronics	2	35.51	9.75
4	Chemical	20	164.29	55.88
5	Agriculture	19	125.18	40.52
6	Energy & Waste Utilization	8	132.36	55.98
7	Tele-communications	11	90.04	33.85
8	Defence and Civil Aviation	1	8.00	2.20
9	Road Transport	10	527.04	81.20
10	Air Transport	2	142.10	67.80
11	Information Technology	35	303.59	121.26
12	Others			
	a) Venture Funds	10	2108.00	260.00
	b) STEP-TBI	36	36.00	36.00
	c) CII	1	0.83	0.50
Tota	al	274	5092.96	1223.21

^{*(}Excludes 13 agreements cancelled by TDB without any release)

इसमें अन्य क्षेत्रों की तुलना में हेल्थकेयर एवं इंजीनियरिंग क्षेत्रों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। टी डी बी द्वारा दी गई सहायता विस्तृत रुप से नए वेन्चरों और विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में बाजार संचालित और प्रौद्योगिकी उन्मुखी है।

वर्ष 1997-2012 के दौरान हस्ताक्षर किए गए करारों का राज्यवार वितरण

वर्ष 1997-2012 के दौरान हस्ताक्षर किए गए करारों (कम्पनी के रजिस्टर्ड कार्यालय के आधार पर) का राज्यवार वितरण :-

(करोड़ रु. में)

क्र.सं.	राज्य, केन्द्र शासित	करारों की संख्या	उद्यमों की संख्या	कुल	टीडीबे द्वारा स्वीकृत की गई ऋण, अनुदान/इक्किटी
1	आन्ध्र प्रदेश	70	56	988.35	323.82
4	चंडीगढ़	4	4	42.75	16.5
5	दिल्ली	15	14	142.98	54.51
6	गुजरात	11	10	119.04	37.79
7	हरियाणा	6	5	44.15	18.00
8	हिमाचल प्रदेश	1	1	6.24	1.9
10	कर्नाटक	27	25	393.37	158.39
11	केरल	3	3	19.03	7.15
12	मध्य प्रदेश	6	5	154.23	41.5
13	महाराष्ट्र	31	28	525.23	91.75
14	मणिपुर	1	1	7.94	2.7
16	पांडीचेरी	1	1	5.83	1.9
17	पंजाब	5	5	52.2	14.46
18	राजस्थान	1	1	35.77	3.00
19	तमिलनाडु	31	31	250.83	73.66
20	उत्तर प्रदेश	6	5	50.86	33.42
21	पश्चिम बंगाल	8	6	105.33	46.26
22	अन्य सहित				
	वेन्चर फंड	10	10	2108.00	260.00
	एसटीईपी – टीबीआई	36	40	40.00	36.00
	सीआईआई	1	1	0.83	0.5
	कुल योग	274	252	5092,96	1223,21

Healthcare and Engineering sectors have a significant share in comparison to other sectors. The support by TDB is largely market driven and technology oriented in new ventures and also in various industrial sectors.

State-wise Distribution of Agreements 1997-2012

The State-wise distribution (based on registered office of the company) of agreements signed during the years 1997-2012 is given below:

(Rs. in Crore)

Sl No.	State, Union Territory	Number of Agreements	Number of Enterprises	Total cost	Loan/Grant / Equity Sanctioned by TDB
1	Andhra Pradesh	70	56	988.35	323.82
4	Chandigarh	4	4	42.75	16.50
5	Delhi	15	14	142.98	54.51
6	Gujrat	11	10	119.04	37.79
7	Haryana	6	5	44.15	18.00
8	Himachal Pradesh	1	1	6.24	1.90
10	Karnataka	27	25	393.37	158.39
11	Kerala	3	3	19.03	7.15
12	Madhya Pradesh	6	5	154.23	41.50
13	Maharashtra	31	28	525.23	91.75
14	Manipur	1	1	7.94	2.70
16	Pondicherry	1	1	5.83	1.90
17	Punjab	5	5	52.20	14.46
18	Rajasthan	1	1	35.77	3.00
19	Tamil Nadu	31	31	250.83	73.66
20	Uttar Pradesh	6	5	50.86	33.42
21	West Bengal	8	6	105.33	46.26
22	Others - Including				
	Venture Funds	10	10	2108.00	260.00
	STEP-TBIs	36	40	40.00	36.00
	CII	1	1	0.83	0.50
	Grand Total	274	252	5092.96	1223.21

टी डी बी द्वारा वित्तीय भागीदारी बाजार की परिस्थितियों पर निर्भर करती है और एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में भिन्न होती है। इसकी वित्तीय सहायता में हेल्थकेयर एवं इंजीनियरिंग क्षेत्रों की महत्वपूर्ण भागीदारी होती है। Financial participation by TDB depends largely on market driven conditions and varies considerably from one sector to another. Healthcare along with the engineering sector have a significant share in its financial assistance.

सकारात्मक सक्रिय भूमिका

पिछले कुछ समय से टी डी बी ने विभिन्न वेंचर कैपिटल फंड्स के साथ भागीदारी की है तािक विभिन्न नवीन परियोजनाओं के उत्तोलन निवेश की संभावनाओं का विस्तृत किया जा सके और सीड सहायता स्कीम के माध्यम से इन्क्यूबेटर्स द्वारा आर एंड डी पहलों को सहायता दी है। टी डी बी देश में प्रौद्योगिकी उन्मुख पहलों को एक प्लेटफॉर्म प्रदान करने के लिए विदेशी संस्थानों के साथ जुड़ा है।

उद्यम पूंजी निधि में भागीदारी

टी डी बी ने 31 मार्च, 2012 तक अन्य निवेशकों से 2108.00 करोड़ रु. की कुल जमा निधियों के साथ 260.00 करोड़ रु. की कुल प्रतिबद्धता / भागीदारी के साथ 10 वेंचर फंड्स नामत: यू टी आई – आई टी वी यू एस, यू टी आई-ए आई एफ, ए पी आई डी सी, वेंचरईस्ट, जी वी एफ एल, आर वी सी एफ, सी आई आई ई, एस आई डी बी आई, आई आई एच-एम एस एम ई एवं एस ई ए एफ ग्रुप जैसे प्रतिष्ठित और बेहतर अनुभव रखने वाले उद्यम पूंजी निधि कम्पनियों के साथ भागीदारी की है। नवोन्मेषी परियोजनाओं में निवेश को बढ़ाने के अपने उद्देश्य के साथ इस निधि का उद्देश्य आई टी/आई टी ई एस, जैव प्रौद्यागिकी, स्वास्थय, दूरसंचार, नैनो प्रौद्योगिकी आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी उन्मुख उद्यमों को सहायता प्रदान करने पर लक्षित है।

एस टी ई पी / टी बी आई एस के लिए सीड सहायता

टी डी बी ने नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी उद्यम विचारों का प्रोत्साहित करने के लिए युवा उद्यमियों हेतू प्रारंभिक वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सीड सहायता स्कीम शुरु की है। टी डी बी इस बात को मान्यता देता है कि इन्क्यूबेशन स्तर पर प्रौद्योगिकीय नवोन्मो और विकास अत्यंत महत्वपूर्ण घटक हैं जिसके फलस्वरुप प्रौद्योगिकी वाणिज्यीकरण होता है। विगत वर्षों में इन्क्यूबेटर्स में शुरुआतकर्ताओं के लिए सीड सहायता में भागीदारी करने का निर्णय लेकर टी डी बी ने एक संवृद्धि-उन्मुखी पहल की है।

वर्ष 2005-06 के दौरान प्रौद्योगिकीय विचारों का संवर्धन करने के लिए इन्क्यूबेटर्स में शुरुआतकर्ताओं के लिए सीड सहायता प्रणाली के अन्तर्गत टी डी बी ने पांच प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई एस) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एस टी ई पी एस) को वित्तीय सहायता प्रदान की है। इस स्कीम ने अच्छी प्रगति की है। टी डी बी ने इस स्कीम का विस्तार किया और 2007-08 में दूसरे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सिहत अन्य 5 (पांच) इन्क्यूबेटर्स, 2009-10 में तीसरे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सिहत 5 (पांच) इन्क्यूबेटर्स, 2010-11 में चौथे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सिहत 9 (नौ) इन्क्यूबेटर्स को सहायता प्रदान की है। इसके पश्चात् मौजूदा वित्तीय वर्ष 2011-12 में पांचवे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक के साथ 12 (बारह) इन्क्यूबेटर्स को सहायता प्रदान की है।

अत: टी डी बी ने अब तक 36 प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई एस) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एस टी ई पी एस) को सहायता प्रदान की है। इन इन्क्यूबेटर्स ने बहुत सी इन्क्यूबेटीज कम्पनियों को उनकी दूरसंचार, सॉफ्टवेयर, रोबोटिक्स, कृषि, यंत्रीकरण, इंजीनियरिंग, पर्यावरण, फार्मा, खाद्य, सौर, वस्त्र एवं जैव प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्रों से जूड़ी परियोजनाओं के लिए सहायता प्रदान की है।

विदेशी संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन

संयुक्त प्रौद्योगिकी सहयोग / हस्तांतरण परियोजनाओं को प्रोत्साहित, सहायित एवं वित्त पोषित करने तथा आर्थिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, औद्योगि अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और नवोन्मो के द्वारा एस एम ई संवृद्धि को सहायता प्रदान करने के लिए टी डी बी ने चुनिंदा विदेशी संस्थानों नामत: एजेंस नेशनले डी वेलोराइजेशन डी ला रेकरेक (ए एन वी ए आर), फांस, सेंटर फॉर दी डेवलपमेंट ऑफ इन्डस्ट्रीयल टेक्नोलॉजी (सी डी टी आई), स्पेन और कॉमनवेल्थ बिजनेस काउंसिल (सी बी सी), यू. के. के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

Pro-active Role

In the recent past, TDB has partnered with various Venture Capital Funds to widen its scope with a view to leverage investment in innovative projects. TDB has also supported R&D initiatives by incubators through its Seed Support Scheme. TDB has also associated with select foreign institutions with the aim of providing a platform for developing technology oriented enterprises in the country.

Participation in Venture Capital Funds

As on 31st March, 2012, TDB has participated in 10 Venture Funds, with reputed and well experienced Venture Capital Fund companies mainly UTI-ITVUS, UTI-AIF, APIDC, Ventureast, GVFL, RCVF, CIIE, SIDBI, IIH MSME and SEAF group with a total commitment/participation of Rs. 260.00 crore leveraging total funds aggregating to Rs. 2108.00 crore from other investors. These funds are targeted to support technology oriented ventures in various sectors such as IT / ITES, Biotechnology, Health, Telecommunications, Nano-technology, Cleantech Energy and Agribusiness etc. to widen its scope with a view to leverage investment in innovative projects.

Seed Support for STEP/TBIs

TDB has instituted the Seed Support Scheme to provide early stage financial assistance to young entrepreneurs for innovative technology venture ideas to fruition. TDB recognizes that technological innovation and development at incubation stage are critical components resulting in the commercialization of technology. TDB has taken a growth-oriented initiative by deciding to participate in the Seed Support Scheme for Start-ups in Incubators in previous years.

TDB provided financial assistance to five Technology Business Incubators (TBI's) and Science & Technology Entrepreneurs Parks (STEP's) under Seed Support System for Start-ups in Incubators to incubate technological ideas during 2005-06. This scheme has progressed well. TDB extended the scheme and supported another five incubators for Rs.100 lakh each in the second round in 2007-08, five incubators for Rs.100 lakh each in the third round in the year 2009-10, nine incubators for Rs.100 lakh each in the fourth round in the year 2010-11 followed by twelve incubators for Rs.100 lakh each in the current financial year 2011-12.

Thus, TDB has so far supported 36 Technology Business Incubators (TBIs) and STEPs. These Incubators have provided assistance to several Incubatee companies for their projects which are in the areas of telecom, software, robotics, agriculture, instrumentation, engineering, environment, pharma, food, solar, textile and biotechnology etc.

MoUs with Foreign Institutions

TDB has signed MoUs with select foreign institutions, namely, AgenceNationale De Valorisation de la Recherche (ANVAR), France, Centre for the Development of Industrial Technology (CDTI), Spain and Commonwealth Business Council (CBC), UK to promote, assist and fund the development of joint technology cooperation / transfer projects and for supporting SME growth via technology transfer, industrial research, technology development and innovation for the purpose of generating economic benefits.

रोजगार के अवसर

टी डी बी ने नए उद्यमों द्वारा परियोजनाओं के कार्यान्वयन तथा मौजूदा उद्यमों द्वारा नई परियोजनाओं के कार्यान्वयन के माध्यम से रोजगार के नए अवसर का सृजन करके मृल्यवर्धन किया है।

प्रौद्योगिकी दिवस एवं राष्ट्रीय पुरस्कारों का वितरण

11 मई, 2011 को प्रौद्योगिकी दिवस समारोह-2011 मनाया गया और मुख्य अतिथि के रुप में भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान पद्म श्री प्रो. अशोक झुनझुनवाला, मिस. छवि राजावत एवं श्री सुहास गोपीनाथ के द्वारा दिया गया।

स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल वाणिज्यीकरण हेतू राष्ट्रीय पुरस्कार-2011

i. 'रािफया ग्रेड पोिलप्रोपाईलिन उत्पादन' में उच्च प्रदर्शन के लिए उन्नत डोनर आर ई एल डी1000 प्रौद्योगिकी' के स्वदेशी विकास एवं वािणज्यीकरण के लिए मैसर्स रिलायन्स इन्डस्ट्रीज लििमटेड, हिजरा मैनुफेक्चिरिंग इकाई, सुरत, गुजरात ने 10 लाख रु. एवं ट्राफी का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया।



11 मई, 2011 को मैसर्स रिलायन्स इन्डस्ट्रीज लिमिटेड, हजिरा मैनुफेक्चरिंग इकाई, सूरत, गुजरात को 10 लाख रु. एवं ट्राफी का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करते हुए डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

स्वदेशी प्रौद्योगिकी आधारित उत्पादों के सफल वाणिज्यीकरण हेतू एस एस आई यूनिट पुरस्कार-2011

i. 'गीयर टीथ प्रोफाईल के लिए रेखागणितीय शुद्धता के सुधार के लिए आधुनिकतम प्रौद्योगिकियों और इष्टतम डिजाइन रुपों वाले टॉप गियर बॉक्सेस; प्लेनेटरी गियर बॉक्सेस एवं बड़ी संख्या में कस्टम बिल्ट गीयर बॉक्सेस' के विकास एवं वाणिज्यीकरण के लिए मैसर्स टॉप गियर ट्रांसिमसन प्राईवेट लिमिटेड, ए. डी. डी. एल. एम आई डी सी, सतारा, महाराष्ट्र ने एस. एस. आई. यूनिट 2011 के रुप में 5 लाख रु. एवं ट्राफी का पुरस्कार प्राप्त किया।

Job Opportunity

TDB has added value by creating new job opportunities through implementation of projects by new enterprises as well as through new projects implemented by ongoing enterprises.

Technology Day and Presentation of National Awards

The Technology Day Function 2011 celebrated on 11th May 2011 was presided over by former President of India Dr. A.P.J. Abdul Kalam as the Chief Guest. The technology Day Lecture was delivered by Padma Shree Prof. Ashok Jhunjhunwala, IIT Madras, Ms. Chhavi Rajawat and Shri Suhas Gopinath.

National Award-2011 for successful commercialization of Indigenous Technology

(i) M/s Reliance Industries Limited, Hazira Manufacturing Unit, Surat, Gujrat for Developing and Commercializing Advanced Donor RELD1000 Technology for High Performance Raffia Grade Polypropylane Production received a cash Award of Rs. 10.00 Lakh and a Trophy.



Dr. A.P.J. Abdul Kalam presenting the trophy for the National Award 2011 to M/s Reliance Industries Limited, Hazira Manufacturing Unit, Surat, Gujrat on 11th May 2011.

Awards for SSI Unit -2011 for successful commercialization of indigenous technology based product to:

(i) M/s Top Gear Transmissions Pvt. Ltd., Addl. MIDC, Satara, Maharashtra for "Developing and Commercializing Top Gear Boxes; Planetary Gear Boxes and a number of Custom Built Gear Boxes with optimum design features and using latest technology for improving the geometrical accuracy of the Gear Teeth Profile "received a cash Award of Rs. 5.00 lakh and a Trophy.



11 मई, 2011 को मैसर्स टॉप गियर ट्रांसिमसन प्राईवेट लिमिटेड, ए. डी. डी. एल. एम. आई. डी. सी. सतारा, महाराष्ट्र को एस एस आई यूनिट 2011 की ट्राफी प्रदान करते हुए डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

ii. 'एसेम्बली में बार बार होने वाले नुकसान को रोकने और मिलों के समय और श्रम को कम करने के लिए एक्स. आर. पी. टाईप कोयला मिलों के लिए रॉटरी वैन एसेम्बली और बॉडी लाईनर्स' के विकास एवं वाणिज्यीकरण के लिए मैसर्स एन. यू. एम. ए. सी., एम. आई. डी. सी., नागपुर, महाराष्ट्र ने एस. एस. आई. यूनिट 2011 के रुप में 5 लाख रु. एवं ट्राफी का पुरस्कार प्राप्त किया।



11 मई, 2011 को मैसर्स एन. यू. एम. ए. सी., एम. आई. डी. सी., नागपुर, महाराष्ट्र को एस एस आई यूनिट 2011 का ट्राफी प्रदान करते हुए डा. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम



Dr. A.P.J. Abdul Kalam presenting the trophy for the SSI unit 2011 to M/s Top Gear Transmissions Pvt. Ltd., Addl. MIDC, Satara, Maharashtra on 11th May 2011.

(ii) M/s NUMAC, MIDC, Nagpur, Maharashtra for "Developing and Commercializing Rotary Vane Assembly and Body Liners for XRP type Coal Mill to prevent frequent damages of the Assembly and to avoid outages and downtime of mills thereby saving huge amount of power "received a cash Award of Rs. 5.00 lakh and a Trophy.



Dr. A.P.J. Abdul Kalam presenting the trophy for the SSI unit 2011 to M/NUMAC, MIDC, Nagpur, Maharashtra on 11th May 2011.

बोर्ड के सदस्य

श्री पी. के. चौधरी ने 1 नवम्बर, 2011 से सचिव, औद्योगिक नीति एवं प्रोन्नयन विभाग, वाणिज्य मंत्रालय का कार्यभार, श्री आर. पी. सिंह के स्थान पर संभाला जो कि 31 अक्टूबर, 2011 को सेवानिवृत हो गए एवं श्री एस. विजय कुमार ने 1 फरवरी, 2012 से सचिव, ग्रामीण विकास विभाग का कार्यभार, श्री बी. के. सिन्हा के स्थान पर संभाला जो कि 31 जनवरी, 2012 को सेवानिवृत हो गए।

आभार

बोर्ड, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को टी डी बी के लिए उनके अधिकारियों की सेवाएं प्रदान करने के लिए अपना आभार प्रकट करता है।

स्थान: नई दिल्ली दिनांक: (डॉ. टी. रामासामी) अध्यक्ष प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Board Members

Shri P. K. Chaudhery has taken charge as Secretary, Department of Industrial Policy and Promotion, Ministry of Commerce with effect from 1st November, 2011 in place of Shri R. P. Singh who superannuated on 31st October, 2011 and Shri S. Vijay Kumar has taken charge as Secretary, Department of Rural Development with effect from 1st February, 2012 in place of Shri B. K. Sinha who superannuated on 31st January, 2012.

Acknowledgement

The Board is grateful to the Department of Science and Technology for sparing the services of their officers for TDB.

Place: New Delhi

Date:

(Dr. T. Ramasami) Chairperson Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का गठन

(31 मार्च, 2012)

1.	डॉ. टी. रामासामी सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	पदेन अध्यक्ष
2.	डॉ. समीर के. ब्रह्मचारी सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग	पदेन सदस्य
3.	श्री वी. के. सारस्वत सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग	पदेन सदस्य
4.	श्रीमती सुषमा नाथ सचिव, व्यय विभाग	पदेन सदस्य
5.	श्री पी. के. चौधरी सचिव, औद्योगिक नीति एवं प्रोन्नयन विभाग	पदेन सदस्य
6.	श्री एस. विजय कुमार सचिव, ग्रामीण विकास विभाग	पदेन सदस्य
7.	श्री सुबोध भार्गव अध्यक्ष, विदेश संचार निगम लिमिटेड (वीएसएनएल)	सदस्य
8.	डॉ. वेणु श्रीनिवासन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मैसर्स टी वी एस मोटर कम्पनी लिमिटेड	सदस्य
9.	श्री रिव पंडित अध्यक्ष, मैसर्स के पी आई टी क्यूमिंस इन्फोसिस्टम लिमिटेड	सदस्य
10.	डॉ. साइरस एस. पूनावाला अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मैसर्स सिरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया लिमिटेड	सदस्य
11.	श्री हरकेश मित्तल सचिव, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड	पदेन सदस्य (सदस्य सचिव)

COMPOSITION OF THE TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

(31st March 2012)

1.	Dr. T. Ramasami Secretary, Department of Science & Technology	ex-officio Chairperson
2.	Dr. Samir Brahmachari Secretary, Department of Scientific & Industrial Research	ex-officio Member
3.	Shri V.K. Saraswat Secretary, Department of Defence Research & Development	ex-officioMember
4.	Smt. Sushama Nath Secretary, Department of Expenditure	ex-officio Member
5.	Shri P. K. Chaudhery Secretary, Department of Industrial Policy and Promotion	ex-officio Member
6.	Sh. S. Vijay Kumar Secretary, Department of Rural Development	ex-officio Member
7.	Shri Subodh Bhargava Chairman, Videsh Sanchar Nigam Limited (VSNL)	Member
8	Dr. Venu Srinivasan Chairman & Managing Director, M/s TVS Motor Company Ltd.	Member
9.	Sh. Ravi Pandit Chairman, M/s KPIT Cummins Infosystems Ltd.	Member
10.	Dr. Cyrus S. Poonawalla Chairman & Managing Director, M/s Serum Institute of India Ltd.	Member
11.	Shri Harkesh Mittal Secretary, Technology Development Board	ex-officio Member (Member Secretary)

बोर्ड के सदस्यों की फोटोग्राफ

(31 मार्च, 2012)



डॉ. टी रामासामी अध्यक्ष



डॉ. समीर के. ब्रह्मचारी



श्री वी. के. सारस्वत



श्रीमती सुषमा नाथ



श्री पी. के. चौधरी



श्री एस. विजय कुमार



श्री सुबोध भार्गव



डॉ. वेणु श्रीनिवासन



श्री रवि पंडित



डॉ. साइरस एस. पूनावाला



श्री हरकेश मित्तल

Photographs of the Board Members

(As on 31st March, 2012)



Dr. T. Ramasami Chairperson



Dr. Samir Brahmachari



Shri V.K. Saraswat



Smt. Sushama Nath



Shri P. K. Chaudhery



Sh. S. Vijay Kumar



Shri Subodh Bhargava



Dr. Venu Srinivasan



Sh. Ravi Pandit



Dr. Cyrus S. Poonawalla



Shri Harkesh Mittal

प्रस्तावना

व्यापक घरेलू अनुप्रयोग के लिए विकास को प्रोन्नत करने और सभी स्वदेशी प्रौद्योगिकी के वाणिज्यीकरण तथा आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए भारत सरकार ने सितम्बर, 1996 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टी डी बी) का गठन किया।

टी डी बी, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 के तहत सृजित प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग के लिए कोष को शासित करता है, कोष भारत सरकार से अनुदान प्राप्त करता है। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम भी टी डी बी को किसी अन्य स्त्रोत से टी डी बी द्वारा प्राप्त सभी धनराशियों को कोष के खाते में डालते हुए कोष के प्रदान धनराशियों से की गयी वसूलियों और कोष की धनराशि के निवेश से किसी आय द्वारा निधि बनाने का अधिकार देता है वित्त अधिनियम, 1999 आयकर के प्रयोजनार्थ कोष के लिए दिये गये दोनों हेतू पूर्ण कटौतियों का अधिकार देता है।

भारत सरकार टी डी बी को अनुसंधान और विकास उपकर अधिनियम, 1986 (1995 में यथा संशोधित) के प्रावधानों के तहत औद्योगिक कंपनियों से किये गये उपकर समाहरणों में से निधियां मुहैया कराती है। वर्ष 1996-97 से 2011-12 की अविध के दौरान सरकार द्वारा 3542.33 करोड़ रु. का अनुसंधान एवं विकास उपकर एकत्रित किया गया। इसमें से, टी डी बी ने 16 वर्ष के भीतर 506.42 करोड़ रु. की संचयी प्राप्त की।

टी डी बी वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए पूरे वर्ष आवेदन प्राप्त करता रहता है। टी डी बी को औद्योगिक कंपनियों के लिए ऋण सहायता मुहैया कराने का अधिदेश प्राप्त है। ऋण के लिए 5 प्रतिशत प्रति वर्ष का साधारण ब्याज होता है (13 मई, 2002 से प्रभावी)। ऋण अविध के दौरान टी डी बी की परियोजनाओं के तहत उत्पादन की बिक्की होने पर राजस्व का भी भुगतान करना होता है। टी डी बी आवेदकों से प्रशासनिक, संसाधन अथवा वचनबद्धता प्रभार वसूल नहीं करता। टी डी बी किशतों में धनराशि मुहैया कराती है जो ऋण करार की शातों और निबन्धनों के अनुसार सम्बद्ध मानकों से जुड़े होते हैं। कुछ मामलों में टी डी बी सहायता प्रदत्त औद्योगिक कंपनियों के निदेशक बोर्ड में निदेशक (कों) को नामित कर सकता है। किसी परियोजना की कार्यान्वयन अविध साधारणतया तीन वर्षों से अधिक नहीं होती है।

ऋण की मात्रा सामान्यत: स्वीकृत परियोजना लागत के 50 प्रतिशत तक सीमित है। ऋण और ब्याज को ऋणाधारों और गार्रिटयों के माध्यम से सुरक्षित किया जाता है।

सामान्यत: ऋण वापसी और ब्याज भुगतान परियोजना पूरी होने के पश्चात आरंभ होता है और अधिस्थगन काल एक वर्ष से अधिक नहीं होता। तत्पश्चात् ऋण धनराशि नौ अर्धवार्षिक किश्तों में वसूलीयोग्य होती है। पहली किश्त के पुन: भुगतान (वापसी) तक ही संचयी ब्याज की धनराशि को तीन वर्ष की अविध में बांट दिया जाना चाहिए।

टी डी बी स्वदेशी रुप से प्रौद्योगिकी को विकसित करने में लगे औद्योगिक कंपनियों और आर एंड डी संस्थानों को अनुदानों और / अथवा ऋण के रुप में भी वित्तीय सहायता मुहैया कराता है। अनुदानों की स्वीकृति का निर्णय टी डी बी बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे विशेष मामलों में ही मुहैया किया जाता है। प्राप्तकर्ताओं को इनके द्वारा प्राप्त रॉयल्टी में से टी डी बी को (अनुदान के समतुल्य) अथवा सहभागी एजेंसियों द्वारा किये गये निवेशों के लाभांस में से आनुपातिक रुप से टी डी बी को भुगतान करना अपेक्षित होता है।

टी डी बी किसी औद्योगिक कंपनी (कंपनी अधिनियम 1956 के अधीन) में इसके आरंभ होने, चलाने और / अथवा टी डी बी द्वारा अपेक्षाओं के यथा मूल्यांकित किये गये जरुरतों अनुसार और संवृद्धि स्तरों पर ऋण - इक्विटी अनुपात को ध्यान में रखते हुए इक्विटी पूंजी के रुप में अंशदान कर सकता है।

INTRODUCTION

To promote development and commercialization of indigenous technology and adaptation of imported technology for wider domestic applications, the Government of India constituted the Technology Development Board (TDB) in September 1996.

TDB administers the Fund for Technology Development and Application, created under the Technology Development Board Act, 1995. The Fund has been receiving grants from the Government of India. The Technology Development Board Act also enables TDB to build up Fund by crediting all sums received by TDB from any other source, recoveries made of the amounts granted from the Fund, and any income from investment of the amount of the Fund. The Finance Act, 1999, enabled full deductions to donations to the Fund for income tax purposes.

The Government of India provides funds to TDB out of the Cess collections made from the industrial concerns under the provisions of the Research and Development Cess Act, 1986 (as amended in 1995). During the period of 1996-97 to 2011-12, a total amount ofRs. 3542.33 crore R&D cess has been collected by the Government. Out of this, TDB has received a cumulative sum of Rs. 506.42 crore over the period of 16 years.

TDB receives applications seeking financial assistance throughout the year. The TDB mandate provides for loan assistance to the industrial concerns. The loan carries a simple interest of five percent per annum (w.e.f. 13th May 2002). Royalty would also be payable on sale of products under TDB project during the concurrency of loan. TDB does not collect administrative, processing or commitment charges from the applicants. TDB provides the loan amount in instalments that are linked to implementation associated milestones in accordance with the terms and conditions of the loan agreement. In some cases, TDB may have nominee director(s) on the Board of Directors of the assisted industrial concern. The implementation period of a project should generally not exceed three years.

The quantum of loan is, normally, limited upto 50 percent of the approved project cost for the expenditure to be incurred for completion of project. The loan and interest is secured through collaterals and guarantees.

Normally, the repayment of the loan and payment of interest commences after the project is completed and moratorium period not exceeding one year. The loan amount is generally recoverable in nine, half yearly instalments thereafter. The accumulated interest up to the repayment of the first instalment may be distributed over a period of three years.

TDB may also provide financial assistance by way of grants and/or loans to industrial concerns and R&D institutions engaged in developing indigenous technologies. The sanction of grants is decided by the Board of TDB and is provided in exceptional cases having importance towards fulfilling national interest. The recipient may be required to pay TDB (equivalent to grant) royalty received by it or share the profit with TDB proportionate to the investments made by participating agencies.

TDB may subscribe by way of equity capital in an industrial concern (incorporated under the Companies Act, 1956), on its commencement, start-up and/or growth stages according to the requirements as assessed by TDB and keeping in view the debt-equity ratio.

इक्विटी अंशदान टी डी बी के पूरे बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाता है। यह स्वीकृत परियोजना लागत का 25 प्रतिशत तक होता है बशर्ते यह प्रोत्साहकों द्वारा चुकता पूंजी से अधिक न हो। औद्योगिक कंपनी को टी डी बी द्वारा अंशदान की धनराशि के समतुल्य अपने शेयर प्रमाण पत्र टी डी बी को जारी करने होंगे। अंशदान पूर्व स्थितियों में यह शामिल होगा कि प्रोत्साहकों का अंशदान होना चाहिए और अपने हिस्से की शेयर पूंजी को पूर्ण रुप से चुकता किया जाना चाहिए। प्रोत्साहकों को टी डी बी के अंशदान के बराबर अपने शेयर टी डी बी के पास गिरबी रखना चाहिए। टी डी बी को ऐसी कंपनियों के निदेशक मंडल में नामित निदेशक (को) को रखने का अधिकार है। टी डी बी का यह विवेकाधिकार है कि वह (इक्विटी पूंजी) विनियमनों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार परियोजना पूरी हो जाने के तीन वर्षों के पश्चात् अथवा अंशदान की तिथि से पांच वर्षों के पश्चात् कंपनी में अपनी शेयर होल्डिंगस को समाप्त कर सकती है। तथािप, शेयरों को वापस खरीदने का पहला विकल्प प्रोत्साहकों के पास होगा।

टी डी बी औद्योगिक कंपनियों के विद्यमान ऋण अथवा इक्विटी के प्रतिस्थापन पर विचार नहीं करता जिन्होंने इस प्रकार का ऋण अन्य संस्थानों से लिया है।

वर्ष 2011-12 के दौरान बोर्ड ने दो बैठकों अर्थात् 3 सितम्बर, 2011 (48वीं) एवं 18 फरवरी, 2012 (49वीं) को सम्पन्न किया।

प्रौद्योगिकी विवस और राष्ट्रीय पुरस्कारों का वितरण

11 मई, 2011 को मनाए गए प्रौद्योगिकी दिवस समारोह 2011 की अध्यक्षता मुख्य अतिथि के रुप में भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने की।

वैज्ञानिक समुदाय को सम्बोधित करते हुए डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा कि ''मैं विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित प्रौद्योगिकी दिवस समारोह में भाग लेकर बहुत खुश हूं। इसमें भारत की प्रौद्योगिकीय उपलब्धियों का उत्सव मनाया जा रहा है और उन प्रौद्योगिकियों को प्रोत्साहित तथा उपयोग में लाया जा रहा है जिन्होने सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने में भूमिका निभाई है। मैं विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को बधाई देता हूं कि जिसने बदलते भारत पर संगोष्ठी आयोजित की जो कि बदलते प्रवर्तन (इनोवेशन), बदलती उद्यमिता और बदलते नेतृत्व प्रोफाईल के माध्म से देश में त्वरित विकास के लिए महत्वपूर्ण है। मेरा सुझाव है कि अगले वर्ष की प्रौद्योगिकी दिवस पर डी एस टी एक संगोष्ठी का आयोजन करे। इसमें वर्ष (2010) में विकसित सभी नई प्रौद्योगिकियों



और उन प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया जाये जो 2010 में व्यवसायिक अनुप्रयोगों हेतू तैयार हो चुकी है। ऐसा नियमित रुप से किया जा सकता है।

परिवर्तनशील भारत के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए यह प्रत्येक वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीविद् और सामाजिक सुधारकर्ताओं विशेषकर उन युवा वैज्ञानिकों के लिए महत्वपूर्ण है जो प्रवर्तक और अनूठे हैं। यही आर्थिक विकास, समृद्धि, सिन्निहत मूल्यों सिहत शान्ति के लिए, भारत के बदलते स्वरुप को गित देने का रास्ता है।

आज मै 'बदलते भारत के लिए अनूठे आप (यूनिक यू) विषय पर अपने विचारों को आपके सामने रखना चाहूंगा।

अनूठे आप (यूनिक यू)

प्रिय मित्रों, देखों, आप क्या देखते हो, प्रकाश, बिजली के बल्ब? तुरंत हमारा ध्यान उनके आविष्कारक थॉमस एल्वा एडिसन पर उनके अविष्कार बिजली के बल्ब और बिजली के प्रकाश की प्रणाली में उनके अनूठे योगदान पर जाता है। The equity subscription is decided by the full Board of TDB. It is up to 25 percent of the approved project cost, provided such investment does not exceed the capital paid-up by the promoters. The industrial concern is to issue, at par, its share certificates to TDB equivalent to the amount subscribed by TDB. The pre-subscription conditions include that the promoters should have subscribed and fully paid up their portion of the share capital. The promoters shall pledge their shares to TDB of a value equal to the equity subscription by TDB. TDB has a right to have nominee director(s) on the Board of Directors of such companies. TDB, in its discretion, may divest its shareholdings in the company after three years of completion of the project or after five years from the date of subscription in accordance with the procedure prescribed in the TDB (equity capital) Regulations. However, the first option to buy back the shares is given to the promoters.

TDB does not consider substituting the existing loan or equity of the industrial concerns which have obtained such finances from other institutions.

During the year 2011-12, the Board held 2 meetings i.e. on 3rd September, 2011 (48th) and 18th February, 2012 (49th).

Technology Day and Presentation of National Awards

The Technology Day Function 2011 celebrated on 11th May 2011 was presided over by former President of India Dr. A.P.J. Abdul Kalam as the Chief Guest.

Addressing the Scientific community, Dr. A.P.J. Abdul Kalam said that "I am indeed delighted to participate in the Technology Day programme organized by the Department of Science and Technology to commemorate the technological accomplishments of India and promote and use the technologies that have been shaped for application in the societal needs. I congratulate the Dept of Science and Technology for having a symposium on Changing India which is vital for the accelerated development of the nation through changing innovation, changing entrepreneurship and the changing leadership profile. I would suggest, that every year on the Technology Day DST can organize a Seminar where, all the new technologies that have been developed during the year (2010) and the technologies which have matured



for commercial application in 2010. This can become a regular feature.

For realizing the goals of transforming India, it is vital for each scientist, technologist, educationist, and societal reformer particularly for the young scientists to individually innovative and be unique. That is the way to accelerate the changing pattern of India towards economic development, prosperity, peace with embedded values

Today I would like to share a few thoughts on the topic "Unique You" for transforming India.

Unique You

Dear friends, Look up, what do you see, the light, the electric bulbs. Immediately, our thoughts go to the inventor *Thomas Alva Edison*, for his unique contribution towards the invention of electric bulb and his electrical lighting system.

जब आप अपने घर के ऊपर गुजरते हवाई जहाज की आवाज सुनते हैं तो आप किसके बारे में सोचते हैं? राइट बंधुओं ने सिद्ध किया कि मनुष्य भारी खतरे और ऊंची कीमत पर ही सही, पर उड़ सकता है।

टेलीफोन आपको किसकी याद दिलाता है, जाहिर है अलेक्जेन्डर ग्राह्म बेल की। उसने 1905 में सुझाव दिया था :

''हमेशा उन्हीं सरकारी सड़कों पर मत चलो, जिन पर और लोग चल चूके हैं। कभी उस पुराने रास्ते को छोड़कर देखों और जंगल में कूद पड़ो। आपको निश्चित रुप से कुड ऐसा मिलेगा जो आपने पहले नहीं देखा होगा। हो सकता है यह कोई छोटी वस्तु हो, पर उसकी अवहेलना मत करो। उसके पीछे जाओ, उसके बारे में खोज करो, एक खोज आपको दूसरी खोज तक ले जायेगी और जब आप उसे जान लेंगे तब आपके पास उसके बारे में सोचने लायक जरुर कुछ होगा।''

????अलेक्जेन्डर ग्राह्म बेल

राष्ट्र हेतू दृष्टि

मित्रों, जब आप अपनी शिक्षा पूरी कर लेते हैं और उस दुनिया में प्रवेश करते हैं जो आपसे कुछ करने की अपेक्षा रखती है, मै सोच रहा था कि आपके सामने किस प्रकार के अवसर होंगे जिससे आप अपने और देश के विकास में योगदान दे सकते हो। आप मुझे भारत 2020 दृष्टि को प्रस्तुत करने दें जिसमें कि विकास के 10 स्तंभ हैं।

निष्कर्ष : 'मै क्या मिशन दे सकता हूं?'

मित्रों, अन्त मे मैं अब आपसे एक महत्वपूर्ण क्षेत्र की चर्चा करता हूं जो कि हमारे देश को 2020 तक एक आर्थिक रुप से विकसित देश बनाने की हमारी सोच के लिए महत्वपूर्ण है। निश्चित रुप से हम सभी दिशाओं में उल्लेखनीय प्रगित कर रहें हैं जिससे भारत की विकास दर 9% से अधिक हो गयी है। लेकिन अब भी हमारे सामने बहुत सी चुनौतियां हैं जिनका हमें सामना करना है। इनमें भ्रष्टाचार, देश मं नैतिक मूल्यों का पतन, पर्यावरण का प्रदूषित होना एवं एक करुणाशील समाज का निर्माण शामिल है। ये वो बुराईयां हैं जिन्हें युवाओं की भलाई के लिए पराजित करने की आवश्यकता है। ये बुराईयां आई कहां से? ये आती हैं कभी ना समाप्त होने वाले उस लालच से कि मैं और कितना ले सकता हूं? भ्रष्टाचारमुक्त, आचारयुक्त समाज, अच्छे पर्यावरण के लिए एक लड़ाई उस लालच के खिलाफ लड़ी जानी है और 'मैं क्या ले सकता हूं?' की जगह 'मैं क्या दे सकता हूं?' की भावना को लाना है। यदि हम 'मैं क्या दे सकता हूं?' की भावना पर जमे रहें तो यह नैतिक मूल्यों के पतन पर विजय पाने में ना केवल हमारी शक्ति होगा बिल्क उस समाज के गठन को भी सुनिश्चित करेगा जो करुणाशील, पर्यावरण के प्रति जागरुक और एक-दूसरे का ध्यान रखने वाला होगा। विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों और पेशेवरों, हमें अपने आप से एक सवाल पूछने की जरुरत है – 'मैं क्या दे सकता हूं?'

इसलिए, यहां उपस्थित प्यारे विद्यार्थियों और युवाओं, क्या आप इस आन्दोलन में भाग लेना चाहेंगे। इसमें भाग लेने के लिए आप अपने विचार मुझे लिखकर भेज सकते हैं या <u>www.whatcanigive.info</u> पर जा सकते हैं। मै इस मिशन 'मैं क्या दे सकता हूं?' पर आपके विचारों और समर्पणों को पढ़कर ख़ुशी अनुभव करुंगा।

देश और विश्व को बेहतर बनाने में आपके विचारों और मेधा शक्ति के लिए मेरी शुभकामनाएं आपके साथ हैं।

प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान पद्म श्री प्रो. अशोक झुनझुनवाला, सुश्री छवि राजावत एवं श्री सुहास गोपीनाथ के द्वारा दिया गया। When you hear the sound of aeroplane going over your house, whom do you think of? *Wright Brothers* proved that man could fly of course at heavy risk and cost.

Whom does the telephone remind you of? Of course, *Alexander Graham Bell*. He suggested in 1905:

"Don't keep forever on the public road, going only where others have gone. Leave the beaten track occasionally and dive into the woods. You will be certain to find something you have never seen before. It will be a little thing, but do not ignore it. Follow it up, explore all around it; one discovery will lead to another, and before you know it, you will have something worth thinking about."

???? Alexander Graham Bell

Vision for the nation

Friends, when you complete your education and enter into world which needs action from you, I was thinking what type of opportunities will be in front of you, so that you can contribute for your growth and national growth. Let me present you my visualization of India 2020 vision that have 10 pillars of development.

Conclusion: The "What Can I Give Mission?"

Friends, finally let me now discuss about a very important area which is significant to our quest in evolving an economically developed nation by 2020. Of course, we are making significant progress in all directions which is propelling India at a growth rate in excess of 9%. But we also have many challenges to overcome. They include, corruption and moral turpitude in the nation, environmental degradation and the need to build a compassionate society. These are evils which need to be defeated by the goodness of the youth. Where do such evils arise from? It arises from the never ending greed of what can I take? The fight for corruption free, ethical society, good environment hence will have to be fought against this greed and replace "What can I take?" to the spirit of "What Can I Give"? And if we inculcate the spirit of What Can I Give, it would not only be our strength in overcoming moral degradation, but also ensure a society which is compassionate, environmentally conscious and caring towards each other. As students, scientists and professionals, we need to ask ourselves one question? What Can I Give?

So dear students and youth present here will you participate in this movement? To participate, you can write to me with your ideas or visit **www.whatcanigive.info**. I will be happy to read your ideas and commitments about the mission "What Can I Give?"

My best wishes to all of you for giving your ideas and mind power to evolve a better nation and a better world."

The Technology Day Lecture was delivered by Padma Shree Prof. Ashok Jhunjhunwala, IIT Madras, Ms. Chhavi Rajawat and Shri Suhas Gopinath.

प्रौद्योगिकी दिवस और राष्ट्रीय पुरस्कार

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने औद्योगिक संगठनों के लिए 'स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल वाणिज्यीकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार' को शुरु किया है। इस पुरस्कार के दो घटक हैं: (i) उन औद्योगिक संगठनों के लिए जिन्होंने स्वदेशी प्रौद्योगिकी का सफल वाणिज्यीकरण किया है और (ii) इन प्रौद्योगिकी के विकासकर्ताओं / प्रदाताओं के लिए। इसके प्रत्येक घटक में दस लाख रु.का नकद पुरस्कार और एक ट्राफी प्रदान की जाती है। पहली बार यह राष्ट्रीय पुरस्कार 11 मई, 1999 को प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर प्रदान किए गए थे।

एस एस आई इकाई के लिए पुरस्कार

अगस्त, 2000 में टी डी बी ने प्रौद्योगिकी आधारित उत्पाद को सफलतापूर्वक वाणिज्यीकृत करने वाली लघु उद्योग इकाई (एस एस आई यूनिट) के लिए एक ट्राफी और 2 लाख रु. (वर्ष 2011 में 5 लाख रु. में परिवर्तित) के नकद पुरस्कार को शुरु किया था। प्रथम एस एस आई यूनिट पुरस्कार 11 मई, 2001 को प्रदान किया गया।

National Awards on Technology Day

The Technology Development Board instituted a 'National Award for Successful Commercialization of Indigenous Technology' by an industrial concern. The National Award consists of two components: (i) to the industrial concern that has successfully commercialized the indigenous technology and (ii) to the developer/provider of such technology. Each component carries a cash award of Rs. 10 lakhs and a trophy. The National Award was given for the first time on the occasion of the Technology Day on 11th May 1999.

Award for SSI unit

In August 2000, TDB introduced a cash award of Rs. 2 lakh (Revised to Rs. 5 lakh in the year 2011) and a trophy to a SSI unit that has successfully commercialised a technology-based product. The first SSI award was given on 11th May, 2001.

वर्ष 2011-12 में परियोजनाएं और उत्पाद

वर्ष 2011-12 में स्वीकृति

वर्ष 2011-12 के दौरान टी डी बी ने 139.99 करोड़ रु. की प्रतिबद्धता और 1568.67 करोड़ रु. की कुल परियोजना परिव्यय के साथ विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के साथ 26 करारों पर हस्ताक्षर किए जिसमें कि सीड सहायता हेतू प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स के साथ 12 एवं औद्योगिक पूंजी निधि के साथ 4 करार भी शामिल हैं।

वर्ष 2011-12 में संवितरण

वर्ष 2011-12 के दौरान टी डी बी ने चालू और नई परियोजनाओं के लिए 48.48 करोड़ रु. का संवितरण किया है। इसमें औद्योगिक इकाइयों के लिए ऋण के रुप में 32.27 करोड़ रु.; औद्योगिक इकाई एवं प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स के लिए अनुदान के रुप में 10.40 करोड़ रु.; इिक्वटी भागीदारी के लिए 2.94 करोड़ रु. तथा निवेश हेतू उद्यम पूंजी निधि (वी सी एफ) के लिए 2.87 करोड़ रु. शामिल है।

क्षेत्रवार कवरेज

टी डी बी ने इस बात को पूरा अनुभव करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में परियोजनाओं को सहायता दी है कि सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण दक्षता के विकास के लिए प्रौद्योगिकी अति अनिवार्य है। निम्नलिखित सारणी टी डी बी द्वारा 2011-12 के दौरान संपन्न करारों के क्षेत्रवार कवरेज को दर्शाती है:-

क्षेत्रवार कवरेज

(करोड़ रु. में)

	सेक्टर	करारों की संख्या	कुल लागत	टीडीबी की बचनबद्धता
1	स्वास्थ एवं चिकित्सा	3	51.66	21.44
2	इंजिनियरिंग	3	16.55	7.4
3	केमिकल	1	9.85	4.9
4	सूचना प्रौद्योगिकी	3	28.61	9.25
5	अन्य			
	(क) एसटीईपी/टीबीआई	12	12.00	12.00
	(ख) वीसीएफ	4	1450.00	85.00
	कुल	26	1568,67	139.99

करारों का राज्य-वार वितरण

2011-12 के दौरान टी डी बी द्वारा सहायता का विस्तार सात राज्यों / केन्द्र शासित प्रदेशों में हुआ।

वर्ष 2011-12 के दौरान टी डी बी द्वारा हस्ताक्षर किए गए 26 करारों का राज्य-वार वितरण को निम्नलिखित सारणी में दर्शाया गया है :-

PROJECTS AND PRODUCTS IN 2011-12

Sanctions in 2011-12

During the year 2011-12, TDB signed 26 agreements with various industrial concerns including 12 agreements with Technology Business Incubators for Seed Support and 4 agreements with Venture Capital Funds with a commitment of Rs. 139.99 crore out of total project outlay of Rs. 1568.67 crore.

Disbursements in 2011-12

During the year 2011-12, TDB disbursed Rs. 48.48 crore towards on-going and new projects. This included Rs. 32.27 crore as loan to industrial concerns, Rs. 10.40 crore as grant to an industrial concern and Technology Business Incubators, Rs. 2.94 crore towards equity participation and Rs. 2.87 crore to Venture Capital Fund (VCF) for investment.

Sector-wise Coverage

TDB provides support to projects in various sectors fully recognizing that technology is the key to develop core competency in all sectors. The table below indicates sector-wise coverage of the agreements concluded by TDB during 2011-12.

Sector-wise Coverage

(Rs. in Crore)

	Sector	Number of Agreements	Total cost	TDB's Commitment
1	Health & Medical	3	51.66	21.44
2	Engineering	3	16.55	7.40
3	Chemical	1	9.85	4.90
4	Information Technology	3	28.61	9.25
5	Others			
	a) STEP/TBIs	12	12.00	12.00
	b)VCFs	4	1450.00	85.00
	Total	26	1568.67	139.99

State-wise Distribution of Agreements

During 2011-12, the assistance by TDB is spread over seven states/ union territories.

The table below indicates State-wise distribution of the 26 agreements signed by TDB during 2011-12.

करारो का राज्यवार वितरण

(करोड रु. में)

	सेक्टर	करारों की संख्या	कुल लागत	टीडीबी की बचनबद्धता
1	आन्ध्र प्रदेश	7	82.76	34.59
2	हरियाणा	1	8.00	4.00
3	केरल	1	8.12	2.00
4	महाराष्ट्र	1	7.79	2.40
5	अन्य सहित			
	(क) एसटीईपी/टीबीआई	12	12.00	12.00
	(ख) वीसीएफ	4	1450.00	85.00
	कुल	26	1568.67	139.99

प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता

टी डी बी औद्योगिक इकाइयों को प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यीकरण के लिए इस बात को नजरअंदाज करते हुए कि उद्योग की प्रौद्योगिकी, राष्ट्रीय संस्थान द्वारा अथवा स्वदेशी आर एंड डी यूनिट द्वारा विकसित की गई है, वित्तीय सहायता उपलब्ध कराता है। यदि परियोजना सूचना एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित होती है तो प्रौद्योगिकी सामान्यतया संबंधित उद्योग द्वारा ही विकसित की गई होती है। वर्ष 2011–12 में प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ताओं द्वारा हस्ताक्षर किए गए करारों को निम्नलिखित सारणी में दर्शाया गया है:-

(करोड़ रु. में)

प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता	संख्या	कुल लागत	टी डी बी द्वारा स्वीकृत
आन्तरिक आर एंड डी यूनिट	26	1568.67	139.99
कुल	26	1568.67	139.99

वर्ष 2011-12 में सम्पन्न करार

वर्ष 2011-12 के दौरान टी डी बी ने सीड सहायता के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एस टी ई पी) / प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई) के साथ 12 करारों एवं उद्यम पूंजी निधि (वी सी एफ) के साथ 4 सहभागिता करारों समेत विभिन्न औद्योगिक संगठनों के साथ 26 करारों पर हस्ताक्षर किए, जिनके ब्यौरे नीचे दिए गए हैं:-

१. मैसर्स एम. ई. डी. आर. सी. एजुटेक प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद

मैसर्स एम. ई. डी. आर. सी. एजुटेक प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद को टी डी बी के द्वारा उसकी घरेलु तौर पर विकसित प्रौद्योगिकी पर आधारित परियोजना 'एम ई डी आर सी का स्मारटेक® हेल्थकेयर ई लिर्निंग सोल्यूसन्स' परियोजना के लिए ऋण सहायता स्वीकृत की गई।

State-wise Distribution of Agreements

(Rs. in Crore)

S. No.	State / Union Territory	Number of Agreements	Total cost	TDB's Commitment
1	Andhra Pradesh	7	82.76	34.59
2	Haryana	1	8.00	4.00
3	Kerala	1	8.12	2.00
4	Maharashtra	1	7.79	2.40
5	Other Including			
	a) STEP-TBIs	12	12.00	12.00
	b) VCFs	4	1450.00	85.00
	Total	26	1568.67	139.99

Technology Providers

TDB provides financial assistance to industrial concerns for commercialization of technologies irrespective of the fact whether the technology has been developed by the national institution or in-house R&D unit of the industry. In the case of projects pertaining to Information Technology, the technology may generally be developed by the industrial concerns enterprises themselves. The technology providers in respect of agreements signed during the year 2011-12 are indicated in the following table:

(Rs. in crore)

Technology Providers	Number	Total Cost	Sanctioned by TDB
In-house R&D units	26	1568.67	139.99
Total	26	1568.67	139.99

Agreements concluded in 2011-12

During the year 2011-12, TDB signed 26 agreements with various industrial concerns including 12 agreements with Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) / Technology Business Incubators (TBIs) for Seed Support and 4 contribution agreements with Venture Capital Funds for participation in their funds; the details are given below:-

1. M/s MedRCEduTechPvt. Ltd., Hyderabad

M/s MedRCEduTechPvt. Ltd., Hyderabad has been provided Loan Assistance by TDB for its project on "MEdRC'sSmarTeach ® Healthcare E-Learning Solution" based on technology developed inhouse by the Company.

कम्पनी दावा करती है कि उसके द्वारा प्रस्तावित स्मारटेक® यूजी एम ई डी कार्यक्रम और अन्य उत्पादों की प्राप्ति एवं विकास घरेलू तौर पर किया गया है जिससे ऐसे सैंकड़ों मेडिकल अध्यापक जूड़े रहें हैं जो विभिन्न मेडिकल / डेन्टिस्ट्री कॉलेजों में सिक्किय रुप से पढ़ा रहें हैं। विषय विशेषज्ञों ने इसके प्रत्येक पाठ की समीक्षा की है। कार्यक्रम का डिजाइन भारतीय चिकित्सा परिषद/नियामक संस्थाओं द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार किया गया है और इसे भारत के सभी मेडिकल / डेन्टल कॉलेजों ने स्वीकार किया है।

बोर्ड ने दिनांक 18 मई, 2011 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 1270.28 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 485.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया।

२. मैसर्स मोबमी वायरलेस सोल्यूसन्स (प्राईवेट) लिमिटेड, कोच्ची

मैसर्स मोबमी वायरलेस सोल्यूसन्स (प्राईवेट) लिमिटेड, कोच्ची को टी डी बी के द्वारा उसकी परियोजना 'प्रबंधित मोबाईल सेवाओं के लिए कोर मोबाईल नेटवर्क तत्वों का विकास एवं वाणिज्यीकरण' के लिए ऋण सहायता स्वीकृत की गई।

वर्तमान परियोजना में कम्पनी मैसर्स मोबमी वायरलेस सोल्यूसन्स (प्राईवेट) लिमिटेड, कोच्ची उन एम एन ओ एस के लिए प्रबंधित सेवाओं हेतू कोर मोबाइल नेटवर्क तत्वों को वाणिज्यीकरण करना चाहती है जो विभिन्न मुक्त स्त्रोत टेलीफोन सॉफ्टवेयर के उपयोग द्वारा सफलतापूर्वक विकसित किये जा चुके हैं। कम्पनी द्वारा विकसित कोर नेटवर्क तत्व, बाजार में आजकल उपलब्ध सोल्यूशंस की तुलना में निश्चित रुप से सस्ते हैं जो विभिन्न एम एन ओ एस को ऐसे सोल्यूशंस अधिक सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने का अवसर देंगे जिससें अन्त में मोबाईल ग्राहक को लाभ मिलेगा।

बोर्ड ने दिनांक 24 मई, 2011 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 812.30 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 200.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 मई, 2012 को पूर्ण होगा।

३. मैसर्स रिलायन्स सेल्लूलोज प्रोडक्ट्स लिमिटेड, सिकन्दराबाद

मैसर्स रिलायन्स सेल्लूलोज प्रोडक्ट्स लिमिटेड, सिकन्दराबाद को टी डी बी के द्वारा उसकी परियोजना 'कोलाइडल माइक्रोकिस्टेलाइन सेल्यूसोज के विकास एवं वाणिज्यीकरण' के लिए ऋण सहायता स्वीकृत किया गया।

कम्पनी कोलाइडल माइक्रोकिस्टेलाइन सेल्यूसोज (कोलाइडल एम सी सी) के उत्पादन के लिए सी एम सी के साथ प्रसंस्कृत कोलाइडल एस सी सी ओर विकसित प्रसंस्कृत प्रौद्योगिकी जैसे माइक्रोकिस्टेलाइन सेल्यूसोज पी एच ग्रेड्स एवं डेरिवेटिव्य के लिए एक नई ऑटोमेटेड सी जी एम की उत्पादन सुविधा का सृजन करेगी। 'कोलाइडल एम सी सी परियोजना के लिए लगे कोलाइडल एम सी सी के निर्माण कि लिए, आर सी पी एल संशोधन कार्य कर रहा है और इसके अतिरिक्त अपेक्षित एम सी सी, एम सी सी (पी) और सी एम सी भी उपलब्ध करा रहा है।

इस प्रिक्किया का प्रवर्तन दो लोगों में है; क) सेल्यूलोज और जेल बेस के बीच क्रॉस लिंकिंग एस क्रिमक प्रिक्किया है ना कि तात्कालिक और ख) क्रॉस प्रितिक्किया (रीएक्शन) / लिंकिंग को रासायिनक प्रितिक्कियाओं की तुलना में भौतिक बलों द्वारा प्राप्त किया जाता है जो बल के अनुप्रयोग पर कोलाइडल अवस्था में वापसी की सुविधा प्रदान करती है। साथ ही उत्पाद; कोलाइडल एम सी सी जो जेल जैसा लगता है, की भी वापसी के बिना अवस्थित कणों के 24 घंटों के बाद भी सुविधा प्रदान करती है और केवल कम विस्कोसिटी का उत्पदन करती है जो कि विभिन्न खाद्य प्रसंस्करणों के लाभप्रद है।

The Company claims that the SmarTeach® UGMed program and other products proposed by the Company are conceived and developed indigenously involving hundreds of medical teachers who are actively teaching at various medical/dentistry colleges. Each lesson has been peer reviewed by subject matter experts. The program has been designed as per the curriculum prescribed by the Medical Council of India/ Regulatory bodies and adopted by medical / dental colleges all over India.

Board sanctioned a loan assistance of Rs. 485.00 lakh out of the total project cost of Rs. 1270.28 lakh under an agreement signed on 18th May, 2011.

2. M/s MobME Wireless Solutions (P) Ltd., Kerala

M/s MobME Wireless Solutions (P) Ltd., Kerala has been provided loan assistance by TDB for "Development and Commercialization of Core Mobile Network Elements for Managed Mobile Services". The company established in December 2006 and focused on the mobile domain and innovative application of technology and has a leading position in India for its flagship product Mobshare, a platform that enables mobile photo and video sharing.

In the present project the company M/s MobME Wireless Solutions Private Limited, Kochi wants to commercialize the Core Mobile Network Elements for Managed Mobile Services for different MNOs that have been successfully developed by it using various open source telephony software. The core network elements developed by the company are significantly cheaper than the solutions presently available in the market which will give it an edge to provide such solutions to various MNOs at a much cheaper price which will also benefit the end user i.e. mobile customer.

TDB sanctioned a loan assistance of Rs. 200.00 lakh out of the total project cost of Rs.812.30 lakh under an agreement signed on 24th May, 2011. The project is due for completion by 31st May, 2012.

3. M/sReliance Cellulose Products Ltd., Secunderabad

M/s Reliance Cellulose Products Ltd., Secunderabad approached TDB for loan assistance for implementation of the project 'Development and Commercialization of Colloidal Microcrystalline Cellulose'.

The company would Create a new State of the art Automated cGMP manufacturing facility for Microcrystalline Cellulose PH grades & Derivatives of MCC such as Colloidal MCC co-processed with CMC and developed the process technology for the manufacture of 'Colloidal Microcrystalline Cellulose (Colloidal MCC)'. RCPL is making modification and addition to provide the required MCC, MCC (P), and CMC, to manufacture the Colloidal MCC as engaged on the "Colloidal MCC Project".

The innovation of the process is of two folds i.e. a) the cross linking between cellulose and the gel base is gradual reaction and not instantaneous and b). the cross reaction/linking is achieved by physical forces rather than chemical reactions which facilitates the reversal of the colloidal state up on application of force (shear) and the product i.e. Colloidal MCC appears like gel even after 24 hours without any settled particles and produces only low viscosity which is advantageous for various food applications.



श्री श्याम सुन्दर झुनझुनवाला, प्रबंध निदेशक एवं श्री अशोक कुमार झुनझुनवाला, निदेशक, मैसर्स रिलायन्स सेल्यूलोज प्रोडक्ट्स लिमिटेड, सिकन्दराबाद के साथ ऋण करार का आदान प्रदान

बोर्ड ने दिनांक 15 जुलाई, 2011 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 985.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 490.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 मई, 2012 को पूर्ण हो जायेगी।

इन्क्यूबेसन सेंटर-बारह प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स को सीड सहायता

बोर्ड ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमवृत्ति विकास बोर्ड (एन एस टी ई डी बी) द्वारा प्रचालित विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एस टी ई पी) / प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई) में शुरुआतकर्ताओं के लिए सीड सहायता स्कीम में टी डी बी की भागीदारी को मंजूरी दी थी।

एस टी ई पी / टी बी आई, व्यक्तियों को बाजार तक पहुंच बनाने में सक्षम करने के लिए उनके विचारों का विकास करके प्रौद्योगिकी उद्यम वृत्ति को बढ़ावा देने और इसका विकास करने के लिए एक सुविधा प्रदान करता है। तथापि एस टी ई पी / टी बी आई टैक्नो – उद्यमियों द्वारा योग्य विचारों एवं प्रौद्योगिकियों को आरंभिक अवस्थाओं में सर्वाधिक आवश्यक वित्तीय सहायता देने के लिए सुसन्जित नहीं हैं। इसका समाधान करने के लिए टी डी बी ने युवा उद्यमियों को उनकी नवोन्मों प्रौद्योगिकी विचारों को फलीभूत करने के लिए आरंभिक स्तर पर वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सीड सहायता स्कीम शुरु की है। टी डी बी ने पिछले वर्षों में इन्क्यूबेटर्स में शुरुआतकर्ताओं हेतू सीड सहायता स्कीम में भाग लेने का निर्णय लेकर एक विकास उन्मुख पहल की है। टी डी बी ने 26 प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पाकों (एस टी ई पी) को सहायता दी (इनमें से 2 करारों पर हस्ताक्षर वर्ष 2011-12 में किए गए हैं।) जिसमें चार चरणों में टी डी बी की वचनबद्धता 2600 लाख रु. की है।

बोर्ड ने 03.09.2011 को हुई अपनी 48वीं बैठक में डी एस टी के एन एस टी ई डी बी द्वारा सहायता प्राप्त एस टी ई पी / टी बी आई को सहायता देने का निर्णय लिया। निम्नलिखित इन्क्यूबेटर्स को स्कीम के पांचवे चरण में सीड सहायता दी गई है :-



Exchanging the Loan Agreement with Mr. Shyam Sunder Jhunjhunwala, Managing Director & Mr. Ashok Kumar Jhunjhunwala, Director M/s Reliance Cellulose Products Limited, Secunderabad (AP)

TDB sanctioned a loan assistance of Rs. 490.00 lakh out of the total project cost of Rs.985.00 lakh under an agreement signed on 15th July, 2011. The project is due for completion by 31st March, 2012.

<u>Incubation Centres - Seed Support to Twelve Technology Business Incubators</u>

The Board had approved TDB's participation in the Seed Support Scheme for start-ups in Technology Business Incubators/ STEPs administered by the National Science & Technology Entrepreneurship Development Board (NSTEDB) of Department of Science & Technology.

The STEPs/TBIs are a facility to encourage and foster technological entrepreneurship by individuals by incubating their ideas to enable them to reach the market. However, STEPs /TBIs are not equipped with the most needed early stage financial assistance to deserving ideas / technologies by techno-entrepreneurs. In order to address this, TDB has instituted the Seed Support Scheme to provide early stage financial assistance to the young entrepreneurs for bringing their innovative technology venture ideas to fruition. TDB has taken a growth-oriented initiative by deciding to participate in the Seed Support Scheme for Startups in Incubators in previous years. TDB supported 26 Technology Business Incubators (TBIs) and Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) (2 agreements were signed in 2011-12) involving TDB's commitment ofRs. 2600 lakh in four phases.

The Board in its 48^{th} meeting held on 03.09.2011 decided to support 10 more STEPs/ TBIs from the list of STEPs/ TBIs supported by NSTEBD of DST. The following incubators have been provided seed support in the fifth round of the scheme.

४. टी आर ई सी - एस टी ई पी, तीरुचिरापल्ली

टी आर ई सी - एस टी ई पी, तीरुचिरापल्ली, तिमलनाडु ने 100 लाख रु. का सीड सहायता प्राप्त कर हेतू टी डी बी के साथ दिनांक 25.05.2011 को करार पर हस्ताक्षर किया।

५. बी आई टी एस, पिलानी, राजस्थान

बी आई टी एस, पिलानी, राजस्थान ने 100 लाख रु. का सीड सहायता प्राप्त कर हेतू टी डी बी के साथ दिनांक 25. 05.2011 को करार पर हस्ताक्षर किया।

६. ई-हेल्थ प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर, बेंगलोर

ई-हेल्थ प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर, बेंगलोर ने 100 लाख रु. का सीड सहायता प्राप्त कर हेतू टी डी बी के साथ दिनांक 16.12.2011 को करार पर हस्ताक्षर किया।

७. ई के टी ए ईन्क्यूबेसन केन्द्र, कोलकाता

ई के टी ए ईन्क्यूबेसन केन्द्र, कोलकाता ने 100 लाख रु. का सीड सहायता प्राप्त कर हेतू टी डी बी के साथ दिनांक 23.12.2011 को करार पर हस्ताक्षर किया।

८. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पार्क, पूने

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पार्क, पूने ने 100 लाख रु. का सीड सहायता प्राप्त कर हेतू टी डी बी के साथ दिनांक 23.12. 2011 को करार पर हस्ताक्षर किया।

९. कृष्णा सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, भूवनेश्वर

कृष्णा सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, भूवनेश्वर ने 100 लाख रु. का सीड सहायता प्राप्त कर हेतू टी डी बी के साथ दिनांक 23.12.2011 को करार पर हस्ताक्षर किया।

१०. सी आई आई ई ईनीसिएटिव, आई आई एम, अहमदाबाद

सी आई आई ई ईनीसिएटिव, आई आई एम, अहमदाबाद ने 100 लाख रु. का सीड सहायता प्राप्त कर हेतू टी डी बी के साथ दिनांक 23.12.2011 को करार पर हस्ताक्षर किया।

११. एम आई टी सी ओ एन कन्सलटेन्सी एंड इन्जीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड, पूने

एम आई टी सी ओ एन कन्सलटेन्सी एंड इन्जीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड, पूने ने 100 लाख रु. का सीड सहायता प्राप्त कर हेतू टी डी बी के साथ दिनांक 23.12.2011 को करार पर हस्ताक्षर किया।

१२. आई ए एन मेन्टरिंग एंड इन्क्यूबेसन सर्विसेज, नई दिल्ली

आई ए एन मेन्टरिंग एंड इन्क्यूबेसन सर्विसेज, नई दिल्ली ने 100 लाख रु. का सीड सहायता प्राप्त कर हेतू टी डी बी के साथ दिनांक 04.01.2012 को करार पर हस्ताक्षर किया।

१३. आई आई टी, गुवाहाटी

आई आई टी, गुवाहाटी ने 100 लाख रु. का सीड सहायता प्राप्त कर हेतू टी डी बी के साथ दिनांक 29.02.2012 को करार पर हस्ताक्षर किया।

4. TREC-STEP, Tiruchirappalli

TREC-STEP, Tiruchirappalli, Tamilnadu, signed an agreement with TDB on 25th May, 2011 for availing of seed support of Rs. 100 lakh as grant.

5. BITS, Pilani, Rajasthan

BITS, Pilani, Rajasthan signed an agreement with TDB on 25th May, 2011 for availing of seed support of Rs. 100 lakh as grant.

6. e-Health Technology Business Incubator, Bangalore

e-Health Technology Business Incubator, Bangalore signed an agreement with TDB on 16th December, 2011 for availing of seed support of Rs. 100 lakh as grant.

7. EKTA Incubation Centre, Kolkata

EKTA Incubation Centre, Kolkata signed an agreement with TDB on 23rd December, 2011 for availing of seed support of Rs. 100 lakh as grant.

8. Science & Technology Park, Pune

Science & Technology Park, Pune signed an agreement with TDB on 23rd December, 2011 for availing of seed support of Rs. 100 lakh as grant.

9. Krishna Institute of Information Technology, Bhubaneshwar

Krishna Institute of Information Technology, Bhuwaneshwar signed an agreement with TDB on 23rd December, 2011 for availing of seed support of Rs. 100 lakh as grant.

10. CIIE Initiative, IIM Ahmedabad

CIIE Initiative, IIM Ahmedabad signed an agreement with TDB on $23^{\rm rd}$ December, 2011 for availing of seed support of Rs. 100 lakh as grant.

11. MITCON Consultancy & Engineering Services Ltd., Pune

MITCON Consultancy & Engineering Services Ltd., Pune signed an agreement with TDB on 23rd December, 2011 for availing of seed support of Rs. 100 lakh as grant.

12. IAN Mentoring & Incubation Services, New Delhi

IAN Mentoring & Incubation Services, New Delhi signed an agreement with TDB on 4th January, 2012 for availing of seed support of Rs. 100 lakh as grant.

13. IIT, Guwahati

IIT Guwahati, Assam signed an agreement with TDB on 29th February, 2012 for availing of seed support of Rs. 100 lakh as grant.

१४. आई आई टी, खरगपुर

आई आई टी, खरगपुर ने 100 लाख रु. का सीड सहायता प्राप्त कर हेतू टी डी बी के साथ दिनांक 14.03.2012 को करार पर हस्ताक्षर किया।

१५. आई आई आई टी, हैदराबाइ, आन्ध्र प्रदेश

आई आई औई टी, हैदराबाइ, आन्ध्र प्रदेश ने 100 लाख रु. का सीड सहायता प्राप्त कर हेतू टी डी बी के साथ दिनांक 27.03.2012 को करार पर हस्ताक्षर किया।

उद्यम पूंजी निधि में भागीदारी

स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यीकरण हेतू उद्योगों के लिए प्रत्यक्ष सहायता के अतिरिक्त, टी डी बी ने प्रौद्योगिकीय रुप से नवोन्मो व्यवहार्य उद्यमों को सहायता प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी केन्द्रित उद्यम पूंजी निधि (वी सी एफ) के साथ नेटविकंग करना जारी रखा है। नवोन्मो और नवोन्मेषी उत्पाद/सेवाएं रखने वाले एस एम ई कि लिए आरंभिक स्तर के उद्यमों को सहायता प्रदान करके स्वयं के कार्य क्षेत्र का विस्तार करना इसका मुख्य उद्देश्य रहा है। टी डी बी की इस पहल ने भारतीय अर्थव्यवस्था की संवृद्धि को प्रेरित करने वाले क्षेत्रों में मुख्य बल के साथ प्रौद्योगिकी आधारित परियोजनाओं को व्यापक रुप से सहायता प्रदान करने हेतू आगे आने के लिए वेन्चर कैपिटिलस्ट / निजी इक्विटी फंड्स का आत्मिविश्वास बढ़ाया है। अब तक टी डी बी ने 6 (छ:) वी सी एफ नामत: ए पी आई डी सी, यू टी आई-ए आई एफ, यू टी आई-आई टी वी यू एस, वेंचर ईस्ट, जी वी एफ एल और आर वी सी एफ में भागीदारी की है और 175.00 करोड़ रु. के निवेश की प्रतिबद्धता/भागीदारी की है तथा इसमें से दो वी सी एफ में निवेश से लाभ पहले ही शुरु हो गया है।

बोर्ड ने 22.03.2011 को हुई अपनी 47वीं बैठक मे टी डी बी की 4 नए उद्यम पूंजी निधियों में भागीदारी को मंजूरी दी। इस वर्ष टी डी बी ने निम्नलिखित 4 नये उद्यम पूंजी निधियों के साथ 85.00 करोड़ रु. के वचन /सहभागिता के करार पर हस्ताक्षर किए है जिसमें कि अन्य निवेशकर्ताओं की कुल निधि 1450.00 करोड़ रु. है।

१६. सी आई आई ई, आई आई एम अहमदाबाद का इंडियन फंड फॉर सस्टैनेबल इनर्जी

टी डी बी ने सी आई आई ई, आई आई एम, अहमदाबाद के साथ 'इंडियन फंड फॉर सस्टेनेबल इनर्जी' में भागीदारी के लिए, 10.00 करोड़ रु. के वचन /सहभागिता, जिसमें कि अन्य निवेशकर्ताओं की कुल निधि 75.00 करोड रु. है, के साथ दिनांक 19 सितम्बर, 2011 को एक करार पर हस्ताक्षर किया।

१७. इंडियन ईन्नोवेशन होल्डिंग एम एस एम ई प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली का इनिफिनिटी इन्नोवेशन फंड

टी डी बी ने इंडियन ईन्नोवेशन होल्डिंग एम एस एम ई प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के साथ 'इनिफिनिटी इन्नोवेशन फंड' में भागीदारी के लिए, 25.00 करोड़ रु. के वचन /सहभागिता, जिसमें कि अन्य निवेशकर्ताओं की कुल निधि 250.00 करोड़ रु. है, के साथ दिनांक 30 जनवरी, 2012 को एक करार पर हस्ताक्षर किया।

१८. एस आई डी बी आई वेन्चर कैपिटल लिमिटेड, मुम्बई का इंडिया अपरचुनिटिज फंड

टी डी बी ने एस आई डी बी आई वेन्चर कैपिटल लिमिटेड, मुम्बई के साथ 'इंडिया अपरचुनिटिज फंड' में भागीदारी के लिए, 25.00 करोड़ रु. के वचन /सहभागिता, जिसमें कि अन्य निवेशकर्ताओं की कुल निधि 1000.00 करोड रु. है, के साथ दिनांक 31 जनवरी, 2012 को एक करार पर हस्ताक्षर किया।

१९. एस ई ए एफ इंडिया इनवेस्टमेंट एडवाईजर्स प्राईवेट लिमिटेड, मुम्बई का एस ई ए एफ इंडिया एग्रीबिजनेस फंड

टी डी बी ने एस ई ए एफ इंडिया इनवेस्टमेंट एडवाईजर्स प्राईवेट लिमिटेड, मुम्बई के साथ 'एस ई ए एफ इंडिया एग्रीबिजनेस फंड' में भागीदारी के लिए, 25.00 करोड़ रु. के वचन /सहभागिता, जिसमें कि अन्य निवेशकर्ताओं की कुल निधि 125.00 करोड़ रु. है, के साथ दिनांक 30 मार्च, 2012 को एक करार पर हस्ताक्षर किया।

14. IIT Kharagpur, West Bengal

IIT Kharagpur, West Bengal signed an agreement with TDB on 14th March, 2012 for availing of seed support of Rs. 100 lakh as grant.

15. IIIT Hyderabad, Andhra Pradesh

IIIT Hyderabad, Andhra Pradesh signed an agreement with TDB on 27th March, 2012 for availing of seed support of Rs. 100 lakh as grant.

Participation in Venture Capital Funds (VCFs)

In addition to the direct support to industries for commercialization of indigenous technologies, TDB continued networking with technology focused Venture Capital Fund (VCF) to support technologically innovative viable ventures. The objective behind this exercise is to spread itself by providing support to early stage ventures for SMEs having innovation and innovative products /services. This initiative of TDB has given confidence to Venture Capitalist/Private equity funds to come up in big way to support the technology based projects with a pronounced emphasis on sectors which are the growth drivers of Indian economy. So far TDB has participated in 6 (six) VCFs namely APIDC, UTI-AIF, UTI-ITVUS, Ventureast, GVFL and RCVF and committed investment of Rs. 175.00 crore and out of which the return on investment in two VCFs has already started.

The Board in its 47th meeting held on 22.03.2011recommended participation of TDB in 4 new Venture Capital Funds. This year TDB signed agreement with following 4 new Venture Capital Funds with a commitment / participation of Rs. 85.00 crores leveraging total funds aggregating to Rs. 1450.00 crores from other investors.

16. Indian Fund for Sustainable Energy by CIIE, IIM Ahmedabad

TDB signed an agreement with CIIE, IIM Ahmedabad on 19th September, 2011 to participate in the Indian Fund for Sustainable Energy with a commitment / participation of Rs. 10.00 crores leveraging total funds aggregating to Rs. 75.00 crores from other investors.

17. Infinity Innovation Fund by Indian Innovation Holding MSME Pvt. Ltd., New Delhi

TDB signed an agreement with Indian Innovation Holding MSME Pvt. Ltd., New Delhi on 30th January, 2012 to participate in the Infinity Innovation Fund with a commitment / participation of Rs. 25.00 crores leveraging total funds aggregating to Rs. 250.00 crores from other investors.

18. India Opportunities Fund by SIDBI Venture Capital Ltd., Mumbai

TDB signed an agreement with SIDBI Venture Capital Ltd., Mumbai on 31st January, 2012 to participate in the India Opportunity Fund with a commitment / participation of Rs. 25.00 crores leveraging total funds aggregating to Rs. 1000.00 crores from other investors.

19. SEAF India Agribusiness Fund by SEAF India Investment Advisors Pvt. Ltd., Mumbai

TDB signed an agreement with SEAF India Investment Advisors Pvt. Ltd., Mumbai on 30th March, 2012 to participate in the SEAF India Agribusiness Fund with a commitment / participation of Rs. 25.00 crores leveraging total funds aggregating to Rs. 125.00 crores from other investors.

२०. मैसर्स इन्टेलिजोन एनर्जी प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद

मैसर्स इन्टेलिजोन एनर्जी प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद को टी डी बी के द्वारा उसके द्वारा घरेलू तौर पर विकसित परियोजना 'सोलर एंड वाइड वोल्टेज ग्रीड बेस्ड रुरल होम इनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम' के लिए ऋण सहायता स्वीकृत किया गया।

इस परियोजना का उद्देश्य सौर एवं व्यापक वोल्टेज ग्रिड आधारित ग्रामीण आवास ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली (ग्रामीण ग्रिड स्थितियों हेतू आवश्यक रुप से एक उचित इनवर्टर) का देशी रुप से विकास एवं वाणिज्यीकरण है।

बोर्ड ने दिनांक 26 जुलाई, 2011 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 240.30 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 100.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 30 सितम्बर, 2013 को पूर्ण होगा।

२१. मैसर्स धमा ईनोवेशन प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद

मैसर्स धमा ईनोवेशन प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद को टी डी बी के द्वारा उसके द्वारा घरेलू तौर पर विकसित परियोजना 'क्लिमावेयर – हिटिंग / कूलिंग प्रोडक्ट्स एंड सिस्टम्स' के विकास एवं वाणिज्यीकरण के लिए ऋण सहायता स्वीकृत किया गया।

क्लाइमाकोन एक क्रान्तिकारी वीयरबेल हीटिंग/कूलिंग प्रौद्योगिकी है जो उपयोगकर्ता को अपने कपड़ों के अन्दर कहीं भी 4°C - 44°C (व्यापक तापमानों में -50°C से +50°C की रेंज तक) तक तापमान को नियंत्रित करने की शिक्त देता है। छाया की मुख्य विशेषता एक अनूठे पेटेंट - संरक्षित हीट सिंक का डिजाइन और विकास है जो पंखों और चलने वाले पुर्जों की आवश्यकता को समाप्त कर देता है। क्लाइमाकोन की प्रौद्योगिकीय उछाल अनूठे कस्टम-मेड पेटेंटेड हीट एक्सचेंजर में है जो सिक्कय रुप से मानवीय शरीर में गर्मी को बढ़ाने/घटाने का कार्य करके तापीय आराम प्रदान करता है। इसके कारण क्लाइमाकोन, क्लाइमावेयर पूरी दुनिया का सर्वाधिक सघन, सबसे कम भार का और पूरी तरह पोर्टेबल सर्वोच्च वैदर क्लोनिंग सिस्टम बनने में सक्षम हुआ है। क्लाइमाकोन का अधिकतम भार जीन्स के एक नियमित जोड़े के बराबर है। क्लाइमाकोन का यह साहसिक प्रयास उसके समकालीनों से कहीं बहुत बेहतर है।

बोर्ड ने दिनांक 14 नवम्बर, 2011 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 615.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 240.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 मार्च, 2014 को पूर्ण होगा।

२२. मैसर्स एक्यूस्टर टेक्नोलॉजीज प्राईवेट लिमिटेड, गुड़गांव

मैसर्स एक्यूस्टर टेक्नोलॉजीज प्राईवेट लिमिटेड, गुड़गांव को टी डी बी के द्वारा उसके द्वारा घरेलू तौर पर विकसित परियोजना 'इको स्मार्ट ब्लड केमिस्ट्री एनालाईजर के लिए स्वदेशी तकनीक' के लिए ऋण सहायता स्वीकृत किया गया है।

दो प्रमुख अस्पतालों द्वारा आयातित एनालाइजर्स के सम्बंध में इस उत्पाद का मूल्यांकन किया गया और पाया गया कि यह बायोराड कन्ट्रोल्स के साथ संतोषजनक कार्य कर रहा है। कम्पनी पहले ही 200 से अधिक उत्पाद बेच चुकी है और अनेक पैथोलॉजी प्रयोगशालाएं इसका प्रयोग कर रहीं हैं। एक्युस्टर की सर्वाधिक इनोवेटिव उत्पाद लाइन ''एक्यूरेट-ए प्ट'' आयातित एनालाइजर्स की तुलना में यह बेहतर क्वालिटी की निदान (डाइग्नोस्टिक) सुविधा उपलब्ध कराता है और उससे बहुत कम दाम का है। कम वोल्टेज डायरेक्टिव और इलेक्ट्रोमैंग्नेटिक कॉम्पेटेबिली डायरेक्टिव के अन्तर्गत सी ई मार्किंग के लिए उत्पाद अर्हता प्राप्त कर चुका है और यह पाया गया है कि ई यू हार्मोनाइज्ड मानकों के अनुरुप है। साथ ही

20. M/s Intelizon Energy Private Limited, Hyderabad

M/s Intelizon Energy Pvt. Ltd., Hyderabad has been sanctioned Loan Assistance by TDB for its project on "Solar and Wide Voltage Grid based Rural Home Energy Management System" based on technology developed in-house by the company.

The project aims to indigenously develop & commercialise solar and wide voltage grid based rural home energy management system (essentially an inverter suitable for rural grid conditions), namely ZonPower for the first time in the country.

Board sanctioned a loan assistance of Rs. 100.00 lakh out of the total project cost of Rs. 240.30 lakh under an agreement signed on 26th July, 2011. The Project is due for completion by 30th September, 2013.

21. M/s Dhama Innovations Pvt. Ltd., Hyderabad

M/s Dhama Innovations Pvt. Ltd., Hyderabad had been sanctioned Loan Assistance by TDB for its project on "Development and Commercialization of ClimaWare-Heating/Cooling Products & Systems" based on technology developed in-house by the company.

ClimaCon is a revolutionary wearable heating/cooling technology that empowers the user to control the temperature inside their clothing anywhere between 4°c-44°c (in ambient temperatures ranging from -50°c to +50°c). Dhama's major breakthrough has been the design and development of a novel patent-protected heat-sink which eliminates the need of fans and movable parts. ClimaCon's technological leap lies in unique custom-made patented heat exchangers that actively add/remove heat from the human body to provide thermal comfort. This makes ClimaCon enabled ClimaWare is the most compact, lightweight and completely portable extreme weather clothing system in the entire world. The maximum weight of ClimaCon enabled clothing systems is comparable to a regular pair of jeans. ClimaCon is a bold tangible initiative far ahead of its archaic contemporaries.

Board sanctioned a loan assistance of Rs. 240.00 lakh out of the total project cost of Rs. 615.00 lakh under an agreement signed on 14th November, 2011. The Project is due for completion by 31st March, 2014.

22. M/s Accuster Technologies Pvt. Ltd., Gurgaon

M/s Accuster Technologies Pvt. Ltd, Gurgaon has been sanctioned Loan Assistance by TDB for its project on 'Commercialization of indigenous technology for Eco Smart Blood Chemistry Analyzer' based on technology developed in-house by the company.

This product has been evaluated by two premier hospitals against the imported analyzers and was found to be working satisfactorily in accordance with the biorad controls. The Company has already sold over 200 pieces and many individual pathology labs are already using it. Accuster most innovative product line "Accurate-All" provides better quality diagnostics in highly economical price compared to imported analysers. The product has qualified for CE Marking under Low Voltage Directive and Electromagnetic Compatibility Directives and has been found to conform to EU Harmonized Standards. Also, the Design Patent filed by the Company has been registered by the Patent Office. Quality

कम्पनी द्वारा फाईल किया गया डिजाइन पेटेंट भी पेटेंट कार्यालय में रिजस्टर किया गया है। कम्पनी की गुणता प्रबंधन प्रणाली को एक्यूरेट-8, एक्यूरेट-ए प्प्, सेन्ट्रीफ्यूज; माइक्रोपिपेट्स, इन्क्यूबेटर और री-एजेंट सिंहत चिकित्सा उपकरणों के निर्माण और सप्लाई के लिए गुणता प्रबंधन मानक आईएसओ 9001:2008 के अनुरुप पाया गया है।



श्री अमित भटनागर, प्रबंध निदेशक, मैसर्स एक्यूस्टर टेक्नोलॉजीज प्राईवेट लिमिटेड, गुड़गांव के साथ ऋण करार का आदान प्रदान बोर्ड ने दिनांक 22 नवम्बर, 2011 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 800.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 400.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया।

२३. मैसर्स बायो-जेनेक्स लाईफ साईन्सेज प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद

मैसर्स बायो-जेनेक्स लाईफ साईन्सेज प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद को टी डी बी के द्वारा उसकी 'हाईली स्पेसिफीक एंड सेंसिटिव मोलिक्यूलर डायग्नोस्टिक सिस्टम्स' परियोजना के लिए ऋण सहायता स्वीकृत किया गया।

बायो-जेनेक्स की वर्तमान गितविधियों में इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रोमैकेनिकल और रोबोटिक /ऑरीकल इमेजिंग जैसे इंजीरियरिंग पुर्जों के उपयोग द्वारा उच्च शुद्ध ऑटोमेटेड सिस्टमों की डिजाइनिंग, विकास, निर्माण और मार्केटिंग शामिल है। इन चिकित्सा उपकरणों को भारत में हीं डिजाइन, विकसित और निर्मित किया गया है और इनमें मॉलेक्यूलर डायग्नोस्टिक क्षेत्रों में इम्यूनोहिष्टो केमिस्ट्री (आई एच सी) इन-सिटु हाइब्राइजेशन (सी आई एस एच / एफ आई एस एच), इन-सिटु पी सी आर, माइको आर एन ए और माइको ऐरी आधारित प्रौद्योगिकियों का प्रयोग किया गया है। यही नही; कैंसर और छूत की बीमारियों की पहचान और निदान के लिए विश्वभर में मौलेक्यूलर और सेल्यूलर पैथोलॉजी प्रयोगशालाओं के कार्यों को सुचारु रुप से चलाने के लिए कंपनी के औटोमेटेड सिस्टम्स प्रभावी उपकरण उपलब्ध कराते हैं। यह परियोजना प्रार्थामल और परिशुद्ध निदान (डायग्नोसिस), प्रोग्नोसिस, थिरैपी को चुनाव और रोग प्रबंधन विशेषकर कैंसर और संक्रामक रोगों के लिए पूर्णतया औटोमेटेड मॉलेक्यूलर डायग्नोस्टिक सिस्टम्स के विकास हेतू है। यह प्रणाली उचित दरों पर रोग की रोकथाम, दर्द और कष्ट में कमी लाने और संशोधित उपचार का दावा करती है।

Management Systems of the Company have been found to conform to Quality Management Standard ISO 9001:2008 for manufacturing and supply of Medical Equipments including Accurate 8; Accurate All; Centrifuge; Micro-Pipettes; Incubator and Reagents.



Exchanging the Loan Agreement with Shri Amit Bhatnagar, Managing Director M/s Accuster Technologies Pvt. Ltd, Gurgaon

Board sanctioned a loan assistance of Rs. 400.00 lakhs out of the total project cost of Rs. 800.00 lakhs under an agreement signed on 22nd November, 2011.

23. M/s Bio-Genex Life Sciences Pvt. Ltd., Hyderabad

M/s Bio-Genex Life Science Private Limited, Hyderabad has been provided loan assistance by TDB for its project on "Development and Commercialization of Highly Specific and Sensitive Molecular Diagnostic Systems".

The current activities of Bio-Genex involves designing, developing, manufacturing and marketing high precision automated systems using electrical, electro-mechanical and robotic/orical imaging like engineering components. These medical equipment are ever designed, developed, and manufactured in India, in the molecular diagnostic field using the advanced technology of immunohistochemistry (IHC), in-situ hybridization (CISH/FISH), in-situ PCR, microRNA and microarray based techniques. Nevertheless, company's automated systems streamline operations in molecular and cellular pathology laboratories world-wide by providing effective tools for the detection and diagnosis of cancer and infectious diseases. The project for Development of fully automated Molecular Diagnostic systems for early & accurate diagnosis, prognosis, therapy selection and disease management, specifically for cancer and infectious diseases. The systems offers, at very reasonable cost, unique advantages for prevention, reducing pain & suffering, and improved treatment outcome.



डॉ. कृष्णा लाल कालरा, निदेशक, मैसर्स बायो-जेनेक्स लाईफ साईन्सेज प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद के साथ ऋण करार का आदान प्रदान

बोर्ड ने दिनांक 2 दिसम्बर, 2011 के ऋण करार के तहत 2468.80 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 998. 80 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया।

२४. मैसर्स ग्लैंड केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद

मैसर्स ग्लैंड केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद को टी डी बी के द्वारा उसके परियोजना 'रेक्यूरोनियम ब्रोमाईड निर्माण' के तकनीक के डिजाइन, विकास एवं निर्माण के लिए ऋण सहायता स्वीकृत किया गया।

इस परियोजना का उद्देश्य 30ए, के आई ए डी बी इंडस्ट्रीयल एस्टेट, मालूर में जो कि बंगलोर से 40 किलोमीटर की दूर पर है, रोक्यूरोनियम ब्रोमाइड के निर्माण हेतू केन्द्र स्थापना करना है। यह उत्पाद इंजेक्टेबल निर्माणों में एनेस्थीसिया उत्पादों से जुड़ा उपकरण है, इसे प्रमुखता से सभी सर्जरी कार्यों में प्रयोग किया जाता है। यह एक जिटल अणु और इसके निर्माण के लगभग 16 चरण होते हैं। इसी जिटलता के कारण भारत में अन्य कंपनियां इसके निर्माण से बचती है। कम्पनी ने इस उत्पाद को देश में पहली बार तैयार करने का प्रस्ताव किया है। रोक्यूरोनियम ब्रोमाइड, वेक्यूरोनियम ब्रोमाइड, पाइपक्यूरोनियम ब्रोमाइड आदि जैसे स्टेरोइड क्लास ओफ्नेयूरो-मस्क्यूलर ब्लॉकिंग एजेंट्स से सम्बंध रखता है। न्यूरोमस्क्यूलर ब्लॉकर्स सर्जरी से ट्रॉमा केयर तक कि लिए अस्पतालों में प्रयोग होते हैं।



डॉ. रिव पेनमेत्सा, उप अध्यक्ष एवं श्री पी. रमेश कुमार, प्रबंध निदेशक, मैसर्स ग्लैंड केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद के साथ ऋण करार का आदान प्रदान



Exchanging the Loan Agreement with Dr. Krishan Lal Kalra, Director M/s Bio-Genex Life Sciences Private Limited, Hyderabad

Board sanctioned a loan assistance of Rs. 998.80 lakh out of the total project cost of Rs. 2,468.80 lakh under an agreement signed on 2nd December, 2011.

24. M/s Gland Chemicals Pvt. Ltd., Hyderabad

M/s Gland Chemicals Private Limited, Hyderabad has been sanctioned a loan assistance by TDB for its project on "commercialization of technology to design, develop and manufacture of "Manufacture of Recuronium Bromide".

The project envisages to set-up a facility for production of Rocuronium Bromideat 30A, KIADB Industrial Estate, Malur which is about 40 km from Bangalore. The product is an adjunct to anesthesia products in injectable formulations and extensively used in all surgeries. This is a complex molecule and involves about 16 stages in manufacturing. This complexity has prevented other companies to make this product in India. The company proposed to manufacture the product for the first time in the country. Rocuronium Bromide belongs to steroid class of euro-muscular blocking agents likeVecuronium bromide, Pancuronium bromide, Pipecuronium bromide, etc. Neuromuscular blockers are used in hospitals, from surgery to trauma care.



Exchanging the Loan Agreement with Dr. Ravi Penmetsa, Vice Chairman & Shri P. Ramesh Kumar, Managing Director, M/s Gland Chemicals Private Limited, Hyderabad

बोर्ड ने दिनांक 9 दिसम्बर, 2011 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 1807.50 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 860.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 मार्च, 2013 को पूर्ण होगा।

२५. मैसर्स ट्राईडायगोनल सोल्यूसन्स प्राईवेट लिमिटेड, पुने

मैसर्स ट्राईडायगोनल सोल्यूसन्स प्राईवेट लिमिटेड, पुने को टी डी बी के द्वारा उसकी परियोजना 'मल्टी-स्केल मोडलिंग प्लेटफॉर्म' के विकास एवं वाणिज्यीकरण के लिए ऋण सहायता स्वीकृत किया गया।

कम्पनी ने वर्तमान ओपनफोम रुटीन्स के ऊपर एक रैप-अराउन्ड इनवायरनमेंट का निर्माण किया है तािक संभािवत सॉफ्टवेयर प्रयोगकर्ता अनुकरण कार्यों के लिए उसका प्रयोग कर सकें। ओपनफोम एक ओपन सोर्स कोड है और दुनियाभर के उपयोगकर्ता अपने अनुप्रयोगों में इसका प्रयोग करते हैं। इसे मोिशंग से लेकर, वास्तविक मॉडल कार्यान्वयन और फिर पोस्ट प्रोसेिसंग तक विभिन्न स्तरों पर आन्तरिक प्रोग्रामिंग की विशेष डिग्री की जरुरत होती है। एस टी पी एल द्वारा तैयार अंगीकरण और रैप-एराउन्ड माड्यूल्स के साथ उपयोगकर्ताओं के लिए इन रुटीन्स का प्रयोग और सी एफ डी समस्या का कार्यान्वयन अधिक आसान हो जायेगा।

इस प्रकार विकसित इन सॉफ्टवेयन सुइट्स का व्यापक निदर्शन सिमित के समक्ष किया गया। पहले ही उलटे जा चुके कुछ फीचर्स निम्नलिखित हैं – बेहतर उपयोगकर्ताओं के लिए सुगम जी यू आई के माध्यम से विभिन्न मॉड्यूल्स हेतू ड्रेग एंड ड्रॉप सुविधा, थर्मोडायनैमिक मोड्यूल्स हेतू लाइब्रेरी एवं डाटा कम्पोनेंट्स और डाटज्ञ के कस्टमाइज्ड कैटेलोग्स, विज्ञलाइजेशन ट्रल्स आदि।

बोर्ड ने दिनांक 7 फरवरी, 2012 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 778.60 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 240.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 मार्च, 2013 को पूर्ण होगा।

२६. मैसर्स आर ए एस लाईफ साईन्सेज प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद

मैसर्स आर ए एस लाईफ साईन्सेज प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद को टी डी बी के द्वारा उसकी परियोजना 'मोलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स किट्स फॉर क्लिनिकल इवैल्यूशन ऑफ इन्फेक्सन, जेनेटिक डिसिज और कैंसर' के विकास एवं वाणिज्यीकरण के लिए ऋण सहायता स्वीकृत किया गया।

कम्पनी पी सी आर आधारित लागत प्रभावी और परिशुद्ध मोलेक्यूलर डायग्नोस्टिक किट्स के निर्माण की परियोजना कार्यान्वित कर रही है। यह एच वी सी जीनोटाईपिंग एवं गुणन, रीफामिपन रेसिस्टेंस के साथ माइकोबेरियम ट्यूबरक्लोसिस, डेंगू, चिकनगुनिया और जापानी इनसेफिलाइटिस की पहचान में उपयोगी होगी। निर्मित की जाने वाली प्रस्तावित मोलेक्यूलर डायग्नोस्टिक किट का सत्यापन / मूल्यांकन बहुकेन्द्री अध्ययन में तथा वाणिज्यीकरण से पहले राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरण जैसे डी सी जी आई द्वारा भी किया जायेगा। डायग्नोस्टिक किट्स का निर्माण सी जी एम पी के अनुसार किया जायेगा। इनका मूल्यांकन / सत्यापन एन आई बी ए सी नियंत्रण और मानकों के साथ पी सी आर मशीन पर भी किया जायेगा जो कि ए बी आई, बायोराड, क्वीजेन/रोटोर जेन और एपेन्ड्रॉफ जैसी होंगी जिनका अधिकांश मोलेक्यूलर डायग्नोस्टिक प्रयोगशालाओं में प्रयोग किया जाता है।

बोर्ड ने दिनांक 27 मार्च, 2012 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 803.56 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 285.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। Board sanctioned a loan assistance of Rs. 860.00 lakh out of the total project cost of Rs. 1,807.50 lakh under an agreement signed on 9th December 2011. The project is due for completion by 31st March 2013.

25. M/s Tridiagonal Solutions Pvt. Ltd., Pune

M/s Tridiagonal Solutions Pvt. Ltd., Pune has been sanctioned a loan assistance by TDB for its project on "Development and Commercialization of Multi-scale Modeling Platform".

Company has built a wrap-around environment over the existing Open Foam routines so that the potential users of the software are able to use for the simulation work. Open Foam as it exists is an open source code, and users around the world adapt it to their own application, which needs a certain degree of internal programming at various levels, from meshing, to actual model implementation, to post-processing. With the adaptations and wrap-around modules prepared by the TSPL, it will be relatively easy for the users to use these routines and implement a CFD problem. A detailed demonstration of the software suites thus developed was provided to the Committee. Some of the features already incorporated include: "drag and-drop" facility for various modules through a relatively user-friendly GUI, library of thermodynamic models and data, customizable catalogues of components and data, visualization tools etc.

Board sanctioned a loan assistance of Rs. 240.00 lakh out of the total project cost of Rs. 778.60 lakh under an agreement signed on 7th February, 2012. The project is due for completion by 31stMarch, 2013.

26. M/s RAS Life Sciences Pvt. Ltd., Hyderabad

M/s RAS Life Sciences Pvt. Ltd., Hyderabad has been sanctioned a loan assistance by TDB for its project on "Manufacturing of Molecular Diagnostic kits for clinical evaluation of infections, genetic diseases and cancers".

The company is implementing the project to manufacture PCR based cost effective and accurate Molecular Diagnostic Kits for detection of HCV Genotyping & Quantitation; Mycobacterium Tuberculosis alongwithRifampin resistance; and Dengue, Chikungunya and Japanese Encephalitis'. The molecular diagnostic kits proposed to be manufactured will be validated/evaluated through a multi-centric study and also by National Regulatory Authority i.e. DCGI before commercialization. The diagnostic kits will be manufactured as per cGMP and evaluated/validated for compliance with NIBSC controls and standards on PCR machines such as those from ABI, Biorad, Qiagen/Rotor-Gene and Eppendroff being used by most of the molecular diagnostics laboratories.

Board sanctioned a loan assistance of Rs. 285.00 lakh out of the total project cost of Rs. 803.56 lakh under an agreement signed on 27th March, 2012.

वर्ष 2011-12 के दौरान जारी किए गए उत्पाद / सम्पन्न परियोजनाएं

वर्ष 2011-12 के दौरान टी डी बी से वित्तीय सहायता के साथ जारी किए गए उत्पादों / सम्पन्न की गई परियोजनाओं का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है :-

सोया लेसिथिन पाउडर / ग्रेन्युल्स एंड फॉस्फेटीडाईलक्लोलाईन

मैसर्स सोनिक बायोकेम एक्सट्रैक्सन्स लिमिटेड, इंदौर (एम. पी.) ने 'सोया लेसिथीन पाउडर/ग्रेनुअल्स एंड फोफाटिडाईलकोलाईन' के विकास एवं वाणिज्यीकरण परियोजनार्थ टी डी बी की सहायता के लिए आवेदन प्रस्तुत किया।

परियोजना का उद्देश्य कम्पनी द्वारा देशी रुप से विकसित प्रौद्योगिकी के प्रयोग द्वारा सोया लेसीथिन पाऊडर ग्रेन्युल्स और फॉस्फेटी डाईकोलिन-35 के उत्पादन हेतू एक निर्माण केन्द्र स्थापित करना है। यू आइ सी टी, मूम्बई के सहयोग से कंपनी 38: तेल और 62: अघुलनशील एसीटोन रखने वाले द्रव लेसीथिन की डी-ऑयलिंग से 97: एसीटोन अघुलनशील और 14-16: पी सी वाले द्रव लेसीथिन से लेसीथिन फेक्शन बनायेगी जिसमें 35: फॉस्फेटी डाइकोलिन होगा।



सोया लेसिथिन पाउडर / ग्रेन्युल्स एंड फॉस्फेटीडाईलक्लोलाईन : सोनिक बायोकेम

बोर्ड ने दिनांक 24 अगस्त, 2009 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 1689.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 495.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 मई, 2011 को पूर्ण हो गया। प्रौद्योगिकी दिवस 2012 के अवसर पर इस उत्पाद का लोकार्पण / जारी किया जायेगा।

कोल्लोईडल माईकोकीस्टलीन सेल्लूलोज

मैसर्स रिलायन्स सेल्लूलोज प्रोडक्ट्स लिमिटेड, सिकन्दराबाद ने 'कोलाइडल माइक्रोकिस्टेलाइन सेल्यूसोज के विकास एवं वाणिज्यीकरण' परियोजनार्थ टी डी बी की ऋण सहायता के लिए आवेदन प्रस्तुत किया।

कम्पनी ने सेल्यूलोल उत्पादों और उनके व्युत्पन्नों को वाणिज्यीकरण को विकसित किया है और वह सी एम सी के साथ सह-संसाधित कोलाइडल एमसीसी जैसे माइकोिकस्टेलाइन सेल्यूलोज पीएच ग्रेड और डेरिवेटिव्स के लिए एक नये स्तरीय ऑटोमेटेड सी जी एम पी निर्माण केन्द्र की स्थापना कर रही है। साथ ही कम्पनी ने कोलाईडल माईको किस्टेलाइन सेल्यूलोज के निर्माण हेतू प्रिक्रिया प्रौद्योगिकी भी विकसित की है। कम्पनी द्वारा विकसित माइको किस्टेलाइन सेल्यूलोज कोलाइडल का ट्रेड नाम ए एल एफ ए सी ई एल – पी एच है जो कि शुद्धीकृत और कुछ हद तक डीपोलीमेराइज्ड एल्फा सेल्यूलोज से बना है

Products Released / Projects Completed During 2011-12

The brief profile of products released / projects completed during the year 2011-12 with the financial assistance from TDB is indicated below.

Soya Lecithin Powder / Granules and Phosphatidylcholine

M/s Sonic Biochem Extractions Limited, Indore (MP) has submitted an application for TDB assistance for the project "Development and Commercialization of Soya Lecithin Powder / Granules and Phosphatidylcholine".

The project aims setting up manufacturing facility for the production of Soya Lecithin Powder/ Granules and Phophatidylcholine- 35 using an indigenous process developed by the company in association with UICT, Mumbai for deoiling of liquid Lecithin having 38% oil and 62% acetone insoluble to produce Lecithin powder with 97% acetone insoluble and fractionation of liquid Lecithin having 14-16% PC to produce Lecithin Fraction having 35% Phosphatidylcholine.



SOYA LECITHIN POWDER / GRANULES AND PHOSPHATIDYLCHOLINE: Sonic Biochem

TDB sanctioned a loan assistance of Rs. 495.00 out of the total project cost of Rs. 1689.00 lakh under the agreement signed on 24.08.2009. The project completed on 31st May, 2011. The product will be launched /released on the occasion of Technology Day 2012.

Colloidal Microcrystalline Cellulose

M/s Reliance Cellulose Products Limited, Secunderabad had approached TDB for loan assistance for the project on "Development and commercialization of Colloidal Microcrystalline Cellulose".

The company developed the Cellulose products and its derivatives, and establishing the new state of the art automated cGMP manufacturing facility for Microcrystalline Cellulose PH grades & Derivatives of MCC such as Colloidal MCC co-processed with CMC and also developed the process technology for the manufacture of 'Colloidal Microcrystalline Cellulose'.ALFACEL-PH is the Trade name for Microcrystalline

और कार्बनिक और अकार्बनिक प्रदूषकों से मुक्त है। यह जल में घुलने वाले अम्लों, सामान्य कार्बनिक विलायकों और तेलों में अघुलनशील है। यह डाल्यूट क्षार, शुद्ध, सफेद, गंधहीन खाने योग्य और मेटाबोलिकली इनर्ट पाउडर है। यह जल का बिंद्या अवशोषक और प्रसारक गुणों से युक्त है जो इसें भोजन, कॉस्मेटिक और फॉर्मास्यूटीकल निर्माणों, विशेषकर गोलियों और कैप्स्यूलों के निर्माण में उपयोगी बनाता है।









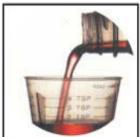
कोल्लोईडल माईकोकीस्टलीन सेल्लूलोज : रिलायन्स सेल्लूलोज

बोर्ड ने दिनांक 15 जुलाई, 2011 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 985.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 490.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 मार्च, 2012 को पूर्ण हो गया।

Cellulose Colloidal manufactured by the company, which is made from purified and partially depolymerised Alfa Cellulose relatively free from both organic and inorganic contaminants. It is insoluble in water dilute acids, common organic solvents and oils. Partially soluble with swelling in dilute alkali, fine, white, odourless, edible and metabolically inert powder, It has excellent water absorptive, swelling and dispersion properties which make it useful for food, cosmetic and pharmaceutical preparations, particularly tablets and capsules.









COLLOIDAL MICROCRYSTALLINE CELLULOSE: Reliance Cellulose

TDB had sanctioned a loan assistance of Rs. 490.00 lakh out of the total project cost of Rs.985.00 lakh under an agreement signed on 15th July, 2011. The project was completed on 31st March, 2012.

परियोजना प्रस्तावों को संशोधित करना

टी डी बी से ऋण सहायता की अपेक्षा रखने वाली औद्योगिक इकाई को एक निर्धारित प्रपत्र में आवेदन जमा करना होता है। टी डी बी वर्ष भर आवेदन प्राप्त करता है। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की वित्तीय सहायता के लिए निर्धारित और अन्य विवरण 'परियोजना वित्त व्यवस्था दिशा निर्देश' पुस्तिका में उपलब्ध कराया गया है जो कि टी डी बी द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है। संबंधित उद्योग अथवा उद्यमी / प्रोत्साहक आवेदन का प्रपत्र टी डी बी की वेबसाईट <u>www.tdb.gov.in</u> से प्राप्त कर सकता है।

वर्ष 2011-12 में प्राप्त आवेदन

टी डी बी ने वर्ष 2011&12 के दौरान औद्योगिक संस्थानों से 82 आवेदन प्राप्त किया।

राज्य-वार प्राप्त आवेदन

वर्ष 2011-12 के दौरान प्राप्त किए गए 82 आवेदनों का राज्यवार वितरण निम्नलिखित है:-

(करोड़ रु. में)

	राज्य⁄संघ शासित प्रदेश	आवेदनों की संख्या	कुल लागत	टीडीबी से मांगी गई सहायता
1	आंध्र प्रदेश	24	596.59	182.18
2	दिल्ली	3	28.11	12.71
3	गुजरात	1	70.00	35.00
4	जम्मू एवं कश्मीर	1	5.65	2.39
5	कर्नाटक	12	137.07	47.49
6	महाराष्ट्र	11	174.23	91.57
7	तमिलनाडु	8	90.45	41.28
8	उत्तर प्रदेश	3	21.45	12.00
9	अन्य सहित			
	एसटीईपी/टीबीआई	16	16.00	16.00
	वीसीएफ	3	1325.00	60.00
	कुल	82	2464.55	500,62

क्षेत्र-वार प्राप्त आवेदन

टी डी बी द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त किए जाने कि लिए सभी आर्थिक क्षेत्रों से आवेदन प्राप्त होते हैं। क्षेत्र-वार प्राप्त आवेदनों का वितरण नीचे दिया गया है:-

PROCESSING OF PROJECT PROPOSALS

An industrial concern seeking financial assistance from the Technology Development Board should submit the application in a prescribed format. The format of application seeking financial assistance from Technology Development Board and other details are available in a brochure titled 'Project Funding Guidelines' which is made available free of cost by TDB. TDB receives the applications throughout the year. The industrial concern or the entrepreneur/promoter can also obtain the format of application from the website of TDB i.e. www.tdb.gov.in.

Applications Received in 2011-12

TDB received 82 applications during 2011-12 from industrial concerns.

Application Received State-wise

The state-wise distribution of 82 applications received during 2011-12 is as under:

(Rs. in Crore)

	State / Union Territory	Number of Applications	Total cost	Assistance sought from TDB
1	Andhra Pradesh	24	596.59	182.18
2	Delhi	3	28.11	12.71
3	Gujrat	1	70.00	35.00
4	Jammu & Kashmir	1	5.65	2.39
5	Karnataka	12	137.07	47.49
6	Maharashtra	11	174.23	91.57
7	Tamilnadu	8	90.45	41.28
8	Uttar Pradesh	3	21.45	12.00
9	Other Including			
	STEP-TBIs	16	16.00	16.00
	VCFs	3	1325.00	60.00
	Total	82	2464.55	500.62

Applications Received Sector-wise

TDB receives applications seeking financial assistance in all the sectors of the economy. The sectorwise details of receipt of applications are given in the table below:-

2011-12 में प्राप्त क्षेत्र-वार आवेदन

(करोड़ रु. में)

	सेक्टर	करारों की संख्या	कुल लागत	टीडीबी से मांगी गई सहायता
1	कृषि	7	344.63	51.74
2	केमिकल	9	114.09	57.05
3	इलेक्ट्रिकल	3	22.36	11.18
4	ऊर्जा और अपशिष्ट उपयोगिता	2	1.52	1.52
5	इंजीनियरिंग	10	135.87	67.42
6	स्वास्थ एवं चिकित्सा	14	290.17	113.86
7	सूचना प्रौद्योगिकी	18	214.91	121.85
8	अन्य सहित			
	एसटीईपी/टीबीआई	16	16.00	16.00
	वीसीएफ	3	1325.00	60.00
	कुल	82	2464.55	500,62

आवेदनों का वितरण

वर्ष 2011-12 के दौरान टी डी बी द्वारा प्राइवेट लिमिटेड एवं पब्लिक लिमिटेड कंपनियों इत्यादि से प्राप्त आवेदनों को नीचे की तालिका में देखा जा सकता है:-

2011-12 में आवेदनों का प्रकार

(करोड़ रु. में)

श्रेणी	आवेदनों की संख्या	अनुमानित कुल लागत	टीडीबे से मांगी गई सहायता
प्राइवेट लिमिटेड कम्पनियां	49	818.94	270.77
पब्लिक लिमिटेड कम्पनियां	12	303.09	152.33
वैयक्तिक	2	1.52	1.52
अन्य	19	1341.0	76.0
कुल	82	2464,55	500.62

Applications Received Sector-wise in 2011-12

(Rs. in Crore)

	Sector	Number of Applications	Total cost	Assistance sought from TDB
1	Agriculture	7	344.63	51.74
2	Chemical	9	114.09	57.05
3	Electrical	3	22.36	11.18
4	Energy and Waste Utilization	2	1.52	1.52
5	Engineering	10	135.87	67.42
6	Health &Pharma	14	290.17	113.86
7	Information Technology	18	214.91	121.85
8	Others Including			
	STEP-TBIs	16	16.00	16.00
	VCFs	3	1325.00	60.00
	Total	82	2464.55	500.62

Profile of Applicants

TDB mainly received applications from private limited companies and public limited companies etc., during the year 2011-12, as may be seen from the table given below.

Profile of Applicants 2011-12

(Rs. in Crore)

Category	Number of Applications	Estimated Total cost	Assistance sought from TDB
Private Limited Company	49	818.94	270.77
Public Limited Company	12	303.09	152.33
Individuals	2	1.52	1.52
Others	19	1341.00	76.00
Total	82	2464.55	500.62

आवेदनों की प्रारंभिक जांच

प्रारंभिक जांच समिति (आई एस सी) वित्तीय सहायता के लिए प्राप्त आवेदनों को उसके पूर्णता, परियोजना का उद्देश्य एवं प्रौद्योगिकी की स्थिति आदि की दृष्टि से जांच करती है। ऐसी जांच में आवेदक और प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता के साथ विचार विमर्श के साथ – साथ अतिरिक्त जानकारी / विस्तृत विवरण अथवा परियोजना के बारे में संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण शामिल होता है। यदि आवेदक, टी डी बी द्वारा वित्तीय सहायता के लिए निर्धारित मानदण्डों को पूरा नहीं करता है तो उसे तद्नुसार सलाह दी जाती है।

आवेदनों की प्रारंभिक जांच में सहयोग देने वाले वैज्ञानिकों की सूची को इस रिपोर्ट के परिशिष्ट में लगाया गया है। टी डी बी उनके प्रति अपना आभार प्रकट करता है।

Initial Screening of Applications

The Initial Screening Committee (ISC) examines the application received for financial assistance, from the point of view of completeness of the application, objective of the project and status of the technology, etc. Such screening may include preliminary discussions with the applicant and technology provider besides calling for additional information/details or a brief presentation covering the project. If the application does not meet the criteria prescribed for TDB's financial assistance, the applicant is advised accordingly.

The list of experts, who assisted in the Initial Screening of applications, is appended to this report. TDB is thankful to them.

परियोजना मूल्यांकन

परियोजना मूल्यांकन समिति (पी ई सी)

आई एस सी की सिफारिशों के आधार पर आवेदनों को परियोजना मूल्यांकन सिमित (पी ई सी) को भेजा जाता है। प्रत्येक परियोजना के लिए उसकी प्रकृति और उत्पादन को ध्यान में रखते हुए पी ई सी का गठन किया जाता है और परियोजना के स्वतंत्र मूल्यांकन के लिए टी डी बी के बाहर से संबंधित क्षेत्रों (विज्ञान, तकनीकी एवं वित्तीय) के विशेषज्ञों को इस सिमित में शामिल किया जाता है।

विशेषज्ञ (सेवारत अथवा सेवानिवृत्त) सरकारी विभागों, आर एंड डी संगठनों, शैक्षिक संस्थानों, उद्योग संघों, वित्तीय संस्थानों और व्यावसायिक बैंकों के हो सकते हैं। पी ई सी परियोजना स्थल का दौरा करती है। आवेदन को प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता सिहत वैज्ञानिकी, तकनीक, मार्केटिंग, वाणिज्यिक तथा वित्तीय प्रस्तुतीकरण की विस्तृत जानकारी देने एवं परियोजना एवं कम्पनी से जुड़े मुद्दों पर जानकारी देने का पूरा अवसर दिया जाता है।

उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति (एच एल ई सी)

टी डी बी में आर्थिक सहायता हेतू प्राप्त परियोजना प्रस्ताव एक लंबे समय तक पेंडिंग पड़ा रहता है। आई एस सी एवं पी ई सी से कमेंट्स / इनपुट्स प्राप्त होने में देरी और टी डी बी परियोजना वित्त व्यवस्था दिशा निर्देश पुस्तिका में उद्धृत निर्देशों का सख्ती से पालन करना इसका देरी का मुख्य कारण है।

पेंडिंग एवं आगामी परियोजना प्रस्तावों के मूल्यांकन में तेजी लाने के कम में, अध्यक्ष, टी डी बी ने (वर्ष 2011-12 सें) इन परियोजना प्रस्तावों के स्वतंत्र मूल्यांकन के लिए एक नामचीन व्यक्तित्व की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति (एच एल ई सी), जिसमें कि टी डी बी के बाहर के उस क्षेत्र के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ (वैज्ञानिक, तकनीिक, शिक्षा, मार्केटिंग एवं वित्तीय) शामिल हैं, का गठन किया।

इस उच्च स्तरीय विशेषज्ञ सिमिति (एच एल ई सी) की पहली बैठक डॉ. अनिल काकोदकर, पूर्व-सिचव, भारत सरकार की अध्यक्षता में 23 - 24 जनवरी, 2012 के दौरान मुम्बई में हुई जिसमें कि विशेषज्ञ ग्रुप द्वारा एकसाथ 48 परियोजना प्रस्तावों का मूल्यांकन किया गया।

मूल्यांकन मानदण्ड

आवेदनों को वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीय, वाणिज्यिक एवं वित्तीय प्राथमिकता के आधार पर मूल्यांकित किया जाता है। मूल्यांकन प्रक्रिया में निम्नलिखित शामिल है :-

- प्रस्ताव के विषयों का अनूठा एवं नवीनात्मक होना
- सुदृढ्ता, वैज्ञानिक गुणवत्ता और प्रौद्योगिकीय प्राथमिकता
- वृहत रुप से लागू करने के लिए और वाणिज्यीकरण से लाभप्रद संभावना
- प्रस्तावित प्रयास की पर्याप्तता
- प्रस्तावित कार्यवाई नेटवर्क में आर एंड डी संस्थानों की क्षमता
- आंतरिक प्राप्ति सिंहत एंटरप्राइज की संगठनात्मक एवं वाणिज्यिक योग्यता
- प्रस्तावित लागत और वित्त पोषण के तरीके की औचित्यपूर्णता

Project Evaluation

Project Evaluation Committee (PEC)

Based on the recommendations of the ISC, the application is referred to the Project Evaluation Committee (PEC). For each project, a PEC is constituted keeping in view the nature of the project and the product. PEC consists of experts (scientific, technical and financial) in the relevant fields from outside TDB for an independent evaluation of the project.

The experts (serving or retired) may belong to government departments, R&D organizations, academic institutions, industry, industry associations, financial institutions and commercial banks. The PEC visits the project site. The applicant along with the technology provider is given full opportunity to give a detailed brief on the scientific, technical, marketing, commercial and financial aspects and to provide in-depth information on various issues related to the project &the company.

High Level Expert Committee (HLEC)

The project proposal received in TDB for financial assistance kept pending for relatively long period of time. This is due to delay in receiving comments/ inputs from ISC & PEC members and strictly adhering to the procedures laid in the TDB guidelines.

In order to expedite the process of evaluation for pending and upcoming project proposals, Chairperson, TDB (from the year 2011-12) constituted a High Level Expert Committee which consists of eminent experts (scientific, technical, academia, marketing and financial) in the relevant fields from outside TDB under the Chairmanship of a renowned personality for an independent evaluation of the projects.

The first meeting of this High Level Expert Committee (HLEC) took place during 23rd& 24th January, 2012 at Mumbai under the Chairmanship of Dr. Anil Kakodkar, Ex-Secretary, Government of India in which 48 project proposals were evaluated simultaneously by the group of experts.

Evaluation Criteria

The application is evaluated for its scientific, technological, commercial and financial merits. The evaluation criteria include:

- The uniqueness and innovative content of the proposal
- Soundness, scientific quality and technological merit
- Potential for wide application and the benefits expected to accrue from commercialization
- Adequacy of the proposed effort
- Capability of the R&D institution(s) in the proposed action network
- Organizational and commercial capability of the enterprise including its internal accruals
- Reasonableness of the proposed cost and financing pattern

- मापयोग्य उद्देश्य, लक्ष्य और निर्धारित लक्ष्य
- उद्यमी का पिछला रिकॉर्ड

गोपनीयता एवं पारदर्शिता

टी डी बी में यह मान्यता है कि गोपनीयता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रत्येक प्रस्ताव एह वाणिज्यिक प्रस्ताव है जिसमें एक नया उत्पादन अथवा प्रक्रिया शामिल है। आवेदक द्वारा यह बताया जाता है कि टी डी बी को उपलब्ध कराई जाने वाली कुछ जानकारी को सख्ती से गोपनीय रखा जाएगा और इसे परियोजना मूल्यांकन समिति एवं उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति के विशेषज्ञों को परिचालित नहीं किया जाएगा। पी ई सी या एच एल ई सी प्रक्रिया में कुछ महत्वपूर्ण जानकारियों का खुलासा न करने की आवेदकों की आशंकाओं की संवेदनशीलता को ध्यान में रखा जाता है।

आवेदकों के साथ पूर्ण रुप से विचार विमर्श करने के पश्चात् पी ई सी / एच एल ई सी के विशेषज्ञों द्वारा टिप्पणियों और सिफारिशों को अंतिम रुप दिया जाता है। बैठक समाप्ति पर पी ई सी / एच एल ई सी की टिप्पणीयों और सुझावों को आवेदक (कों) को मौखिक रुप से बताया जाता है। यदि परियोजना प्रस्ताव की पी ई सी / एच एल ई सी द्वारा सिफारिश नहीं की जाती तक आवेदन को टी डी बी द्वारा बंद कर दिया जाता है और आवेदक को सूचित कर दिया जाता है।

वर्ष 2011-12 में परियोजना प्रस्ताव का मूल्यांकन करने के लिए परियोजना मूल्यांकन समिति (पी ई सी) की ग्यारह (11) बैठकें और उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति (एच एल ई सी) की एक (1) बैठक आयोजित की गई।

वित्तीय सहायता का अनुमोदन

पी ई सी / एच एल ई सी द्वारा वित्तीय सहायता के लिए प्रस्तावित परियोजना प्रस्तावों को आर्थिक सहायता पर विचार एवं अनुमोदन के लिए बोर्ड के समक्ष भेजने से पहले उसे टेक्नो-इकोनॉमिक वायविलिटी / ड्यू - डिलिजेन्स प्रकिया से गुजरना होता है।

अनुविक्षण एवं समीक्षा

टी डी बी अनुमोदित सहायता लाभअर्जको को किस्तों में उपलब्ध कराता है जो कि जोखिम सम्बंधित लक्ष्यों पर आधारित होता है। दूसरी और अगली किश्तों को प्रत्येक अनुमोदित परियोजना के लिए गठित की गई परियोजना अनुविक्षण समिति (पी एम सी) की सिफारिशों के आधार पर जारी किया जाता है। परियोजना अनुविक्षण समिति मे उन वैज्ञानिक / तकनीिक एंव वित्तीय विशेषज्ञों को शामिल किया जाता है जो कि परियोजना मूल्यांकन के समय पी ई सी / एच एल ई सी के सदस्य थे।

टी डी बी ने वर्ष 2011-12 के दौरान परियोजना अनुविक्षण सिमिति / परियोजना मूल्यांकन एवं अनुविक्षण सिमिति, समीक्षा बैठकों और निरीक्षणों के माध्यम से छब्बीस (26) बैठकों आयोजित की।

पी ई सी, एच एल ई सी एवं पी एम सी को सहयोग देने वाले विशेषज्ञ

वर्ष 2011-12 के दौरान परियोजना प्रस्तावों के मूल्यांकन, अनुविक्षण और समीक्षा से संबंधित क्षेत्रों से तिरासी (83) विशोषज्ञों ने टी डी बी को अपनी विशेषज्ञता प्रदान की। विशेषज्ञों की सूची को इस रिपोर्ट के परिशिष्ट में लगाया गया है। टी डी बी उनके बहुमुल्य योगदान के लिए उनका आभार प्रकट करता है।

- Measurable objectives, targets and milestones.
- Track record of the entrepreneur

Confidentiality and Transparency

TDB recognizes that it is important to maintain confidentiality, as each proposal is a commercial proposal involving a new product or process. Where the applicant mentions that some of the information provided to TDB has to be treated as strictly confidential, it is not circulated to the experts of the Project Evaluation Committee or High Level Expert Committee. The PEC or HLEC respects the sensibility of the applicant's apprehensions in disclosing certain vital information on the processes.

After a comprehensive discussion with the applicant, the observations and recommendations are finalised by the experts constituting the PEC or HLEC. The observations and suggestions of the PEC or HLEC are communicated orally to the applicant at the end of the meeting. If the project proposal is not recommended by PEC or HLEC, the application is closed by TDB under intimation to the applicant.

During the year 2011-12, eleven (11) meetings of the Project Evaluation Committee (PEC) and (1) meeting of High Level Expert Committee (HLEC) were held to evaluate the project proposals.

Approval of Financial Assistance

The project proposals recommended by PEC or HLEC for financial assistance are further gone through a Techno-Economic Viability / Due-diligence process by the independent agency/agencies before the proposal is referred to the Board for its consideration and approval for financial assistance.

Monitoring and Review

TDB releases the approved assistance to the beneficiaries in instalments, based on risk associated milestones. The second and subsequent release of instalments depends on the recommendations of a Project Monitoring Committee (PMC) constituted for each of the approved projects. The PMC invariably consists of a scientific/technical and financial expert who was a member of the PEC or HLEC at the time of evaluation of the project.

TDB conducted twenty six (26) meetings through Project Monitoring Committees / Project Evaluation & Monitoring Committees, review meetings and inspections during 2011-12.

List of Experts who assisted the PEC, HLEC and PMC

Eighty three (83) experts from the relevant fields have provided their expertise to TDB in evaluating the project proposals, monitoring and reviewing the projects during 2011-12. The list of experts is appended to this report. TDB gratefully acknowledges the valuable contributions made by them.

आवेदनों के सारांश की स्थिति

वर्ष 2011-12 के दौरान टी डी बी को प्राप्त हुए आवेदनों की जानकारी और 31 मार्च, 2012 तक आवेदनों की स्थिति को निम्नलिखित सारणी में दर्शाया गया है:-

वर्ष 2011-12 में प्राप्त आवेदनों के सारांश की स्थिति

(करोड़ रु. में)

स्थिति	संख्या	अनुमानित कुल	टीडीबी से मांगी गई सहायता
प्राप्त आवेदन	82	लागत 2464,55	गइ सहायता 500.62
31.03.2012 को बंद आवेदन	19	233.69	115.19
2011-12 में हस्ताक्षरित करार	14	1341.18	72.75
पी ई सी को भेजे गये अथवा पी ई सी के पश्चात् की गई कार्रवाई	0	0	0
विचार / प्रारंभिक जांच के अधीन आवेदन	49	889.68	312.68

^{*} वर्ष 2011-12 के दौरान, चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 में प्राप्त 14 आवेदनों, वर्ष 2010-11 में प्राप्त 8 आवेदनों एवं वर्ष 2009-10 में प्राप्त 4 आवेदनों सिंहत कुल 26 करारों पर हस्ताक्षर किए गए।

Summary Status of Applications

The information regarding the number of applications received by TDB during 2011-12 and the status of applications as on 31st March 2012 are indicated in the table given below:

Summary Status of Applications Received in 2011-12

(Rs. In Crore)

Status	Number	Estimated Total Cost	Assistance Sought from DB.
Application Received	82	2464.55	500.62
Closed as on 31.03.2012	19	233.69	115.19
Agreements signed in 2011-12	14	1341.18	72.75
Referred to PEC or Processed after PEC	0	0	0
Application under Consideration / under Initial Screening	49	889.68	312.68

^{*} During the year 2011-12, 26 agreements were signed including 14 applications received in the current financial year 2011-12, 8 applications from 2010-11 and 4 applications from 2009-10.

सकारात्मक - सिक्कय भूमिका

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड औद्योगिक इकाईयों और अन्य एजेंसियों से प्राप्त आवेदनों पर विचार करने के अलावा सकारात्मक – सिक्कय भूमिका अदा करता है। विचार यह है कि प्रौद्योगिकी के विकास और वाणिज्यीकरण के लिए टी डी बी की सहायता व्यापक होनी चाहिए। सकारात्मक-सिक्कय भूमिका के तौर पर टी डी बी ने नवीनता और नवीन उत्पाद / सेवाओं वाले एस एम ई के माध्म से शुरुआती चरण वाले वेन्चर को सहायता देकर अपना विस्तार करने के लिए वेन्चर कैपिटल फंड में भी भागीदारी की है। टी डी बी की प्रेरणा और भागीदारी के पिरणामस्वरुप वेन्चर लाने वाले पूंजीपितयों ने टी डी बी मिशन को अपना सहयोग दिया है। पूर्ववर्ती वर्षों में इन्क्यूबेटर में शुरुआत करने वाले युवा उद्यमियों को शुरुआती आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर उनके नवीन विचारों को फलीभूत करने के लिए सीड सहायता स्कीम में भागीदारी का निर्णय करके टी डी बी ने विकासोन्मुख पहल की है। टी डी बी ने आर्थिक लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, औद्योगिक खोज, प्रौद्योगिकी विकास एवं नवीन खोज के क्षेत्र में संयुक्त प्रौद्योगिकी सहयोग को बढ़ाने, सहायता करने और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए कुछ चुनिंदा विदेशी संस्थानों नामत: एजेंस नेशनले डी वेलोराइजेशन डी ला रेकरेक (ए एन वी ए आर), फांस, सेंटर फाँर दी डेवलपमेंट ऑफ इन्डस्ट्रीयल टेक्नोलॉजी (सी डी टी आई), स्पेन और कॉमनवेल्थ बिजनेस काउंसिल (सी बी सी), यू. के के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

टी डी बी ने दायित्व के निर्वहन के लिए उपरोक्त पहल के माध्म से स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास और वाणिज्यीकरण को प्रोत्साहित किया है। बोर्ड ने वर्ष 2011-12 के दौरान निम्नलिखित पहलों का अनुमोदन किया है:-

क. वेंचर कैपिटल फंड (वी सी एफ) में भागीदारी

स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास और वाणिज्योकरण अथवा व्यापक घरेलु उपयोग के लिए आयातित प्रौद्योगिकियों के अनुकूलन का प्रयास करने वाली औद्योगिक इकाईयों को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता के अतिरिक्त, टी डी बी ने नवोन्मो और नवोन्मेषी उत्पादों / सेवाएं रखने वाले प्रारंभिक अवस्था उद्यमों के लिए सहायता प्रदान करके अपने कार्य क्षेत्र को विस्तारित करने के उद्देश्य के साथ प्रौद्योगिकीय रुप से नवोन्मेषी व्यवहार्य उद्यमों को सहायता प्रदान करने हेतू प्रौद्योगिकी केन्द्रित उद्यम पूंजी निधि (वी सी एफ) में भाग लेता है

टी डी बी द्वारा उद्यम पूंजी निधि (वी सी एफ) में भागीदारी करने के मुद्दे पर बोर्ड की बैठकों में बहुत से अवसरों पर विचार किया जाता है। बोर्ड ने वी सी एफ में टी डी बी की भागीदारी को भौगोलिक एवं प्रौद्योगिकीय रुप से विस्तार करने के लिए एक उत्कृष्ट माध्यम माना और यह निर्णय लिया कि टी डी बी उच्च जोखिम, उच्च रिटर्न प्रौद्योगिकी उन्मुख परियोजनाओं में चयनात्मक आधार पर वी सी एफ में गहनता से सहायता प्रदान करना जारी रखे चूंकि वी सी एफ के माध्यम से प्रौद्योगिकी उन्मुख परियोजनाओं के वित्तपोषण ने बड़ी अच्छी सफलता दर्शाई है और काफी संख्या में परियोजनाओं को सहायता प्रदान की है।

बोर्ड ने दिनांक 17 मार्च, 2010 को उपनी 44वीं बैठक में उद्यम पूंजी निधि हेतू टी डी बी द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता पर विचार और समीक्षा करने तथा टी डी बी द्वारा वी सी एफ का सहायता प्रदान करने में अपनाई जाने वाली कार्य पद्धित पर सुझाव देने के लिए एक सिमित का गठन करने का निर्णय लिया। बोर्ड ने 10 मई, 2010 की अपनी 45वीं बैठक के दौरान उद्यम पूंजी निधि में टी डी बी की भागीदारी हेतू निम्नलिखित व्यापक दिशा-निर्देश को भी अंतिम रुप प्रदान किया:-

- टी डी बी की निधियां मुख्य रुप से उन वी सी एफ में लगाई जाएंगी जो नवोन्मेषी और / अथवा प्रौद्योगिकी उन्मुख क्षेत्रों
 में निवेश करने की नीति रखते हों
- लघु से मध्यम आकार की निधि में योगदान को वरीयता दी जायेगी
- वी सी एफ के लाभार्थियों को मुख्य रुप से एस एम ई क्षेत्र से होना चाहिए
- वी सी एफ में टी डी बी द्वारा योगदान सामान्यत: निधि के आकार के 15% तक होगा। समावेशी विकास / औद्योगिक रुप से पिछड़े क्षेत्रों अथवा प्रथम पीढ़ी के लिए नवोन्मो प्रदान करने वाले वी सी एफ के मामलों में 25% तक के उच्च

PRO-ACTIVE ROLE

The Technology Development Board takes a pro-active role besides responding to the applications received from industrial concerns and other agencies. The idea is that TDB's support for technology development and commercialization should be comprehensive. In a proactive role, TDB has also participated in Venture Capital Funds to spread itself by providing support to early stage ventures through SMEs having innovation and innovative products / services. TDB's motivation and participation has resulted in the venture capitalists contouring their assistance to TDB's mission. TDB took a growth-oriented initiative by instituting the Seed Support Scheme for start-ups in Incubators in previous years to provide early stage financial assistance to the young entrepreneurs for bringing their innovative technology venture ideas to fruition. TDB has signed Memoranda of Understanding (MoUs) with select foreign institutions, namely, AgenceNationale De Valorisation de la Recherche (ANVAR), France, Centre for the Development of Industrial Technology (CDTI), Spain and Commonwealth Business Council (CBC), UK to promote, assist and fund the development of joint technology cooperation for technology transfer, industrial research, technology development and innovation for the purpose of generating economic benefits.

Under the aegis of its mandate, TDB has encouraged development and commercialization of indigenous technologies through the above initiatives. The Board approved the following initiatives during the year 2011-12.

(a) Participation in Venture Capital Funds (VCFs)

In addition to the direct financial assistance to industrial concern attempting development and commercialization of indigenous technologies or adapting imported technology for wider domestic application, TDB participates in the technology focused Venture Capital Fund (VCF) to support technologically innovative viable ventures with the objective to spread itself by providing support to early stage ventures having innovation and innovative products / services.

The issue of participation in Venture Capital Funds (VCFs) by TDB was discussed on several occasions in Board Meetings. The Board considered TDB's participation in VCFs as an excellent tool for increasing geographical and technological spread and decided that TDB may continue to support the VCFs rigorously on the selective basis in high risk, high return technology oriented projects, as funding to technology oriented projects through VCF route has shown remarkable success and supported large number of projects.

The Board in its 44th meeting dated 17th March, 2010 decided to constitute a committee to consider and review the support provided by the TDB to Venture Capital Funds and suggest the methodology to be adopted for supporting the VCFs by TDB. The Board also finalized the following broad guidelines for participation of TDB in Venture Capital Funds during its 45th meeting dated 10th May, 2010:

- TDB funds will primarily be deployed in VCFs which have policy to invest in innovative and/or technology oriented portfolio.
- Contribution in small to medium size fund would be preferred.
- The beneficiaries of the VCFs should be primarily from SMEs sector.
- The contribution by TDB in the VCF will normally be upto 15% of the fund size. Higher contribution can be considered in case of VCFs serving innovation for inclusive growth / industrially backward

योगदान के विषय पर विचार किया जा सकता है। कार्य क्षेत्र के 100% प्रौद्योगिकी उन्मुख होने के मामले में बोर्ड के अनुमोदन के आधार पर टी डी बी द्वारा उच्च योगदान पर भी विचार किया जा सकता है

- निगरानी कार्य तंत्र के रुप में, प्रौद्योगिकी विषय वस्तु पर आधारित प्रस्तावों में सहयोग हेतू वी सी एफ की निवेश सिमिति में सदस्य के रुप में टी डी बी का एक प्रतिनिधि होगा
- प्रतिनिधि को कार्य क्षेत्र सन्तुलन हेतू आपत्ति दर्ज करने का प्राधिकार होगा
- निधि प्रबंधक के पृष्ठभूमि कार्य निष्पादन (ट्रेक रिकॉर्ड) पर विचार किया जाएगा
- वित्तीय सेवाओं को वरीयता नहीं दी जाएगी

वर्ष 2011-12 के दौरान टी डी बी ने निम्निलिखित 4 नये उद्यम पूंजी निधियों (वी सी एफ एस) में, 85.00 करोड़ रु. के किमटमेंट /सहभागिता के साथ भागीदारी की जिसमें अन्य निवेशकर्ताओं की कुल भागीदारी 1450.00 करोड़ रु. की है।

१. इंडियन फंड फॉर सस्टैनेबल इनर्जी

बोर्ड ने 22 मार्च, 2011 को आयोजित अपनी 47वीं बैठक में, सी आई आई ई, इनीसिएटिव, अहमदाबाद द्वारा स्थापित 'इंडियन फंड फॉर सस्टेनेबल इनर्जी' में 10 करोड़ रु. के अंशदान को अनुमोदन प्रदान किया। इस निधि का मुख्य उद्देश्य ऐसे सभी देसी एवं विदेशी निवेशकों की निवेश करने में सुविधाएं देना है। इसमें प्राथमिक स्तर पर उच्च सकल आय वाले व्यक्ति, नैगमिक इकाईयां और वित्तीय संस्थान जो नवीकरण योग्य ऊर्जा में प्रमुख निवेशों के साथ पोर्टफोलियो कम्पनियों की असूचीबद्ध और सूचीबद्ध प्रतिभृतियां (सिक्यूरिटीज) शामिल हैं।

टी डी बी ने सी आई आई ई, आई आई एम, अहमदाबाद के साथ 'इंडियन फंड फॉर सस्टेनेबल इनर्जी' में भागीदारी के लिए, 10.00 करोड़ रु. के वचन /सहभागिता जिसमें कि अन्य निवेशकर्ताओं की कुल निधि 75.00 करोड़ रु. है के साथ, दिनांक 19.09.2011 को एक करार पर हस्ताक्षर किया।

२. इनिफनीटि इन्नोवेशन फंड

बोर्ड ने 22 मार्च, 2011 को आयोजित अपनी 47वीं बैठक में, इंडियन ईन्नोवेशन होल्डिंग एम एस एम ई प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा प्रबंधित 'इनिफिनिटी इन्नोवेशन फंड' में 25.00 करोड़ रु. के अंशदान को अनुमोदन प्रदान किया। यह वी. सी निधि की प्राथमिक अवस्था है जो कि इस कार्य में एंजल अवस्था के बाद का पहला संस्थानक निवेश होगा। इसका लक्ष्य भारत के वेंचर कैपिटल ईको सिस्टम में प्राथमिक चरण की फंडिंग रिक्ति (गैप) को भरना है। इसे इंडियन एंजल नेटवर्क (आई ए एन) के द्वारा प्रोत्साहित किया जा रहा है जो कि बिजनेस एंजल निवेशकों को पहला और सबसे बड़ा समूह है। इसके 140 सदस्य हैं जिनमें भारत के गणमान्य उद्यमी और सी ई ओ एस शामिल हैं। इस निधि को वेंचन कैपिटल फंड के रुप में एस ई बी आई के पास रजिस्टर किया जाना है।

टी डी बी ने इंडियन ईन्नोवेशन होल्डिंग एम एस एम ई प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के साथ 'इनिफिनिटी इन्नोवेशन फंड' में भागीदारी के लिए, 25.00 करोड़ रु. के वचन /सहभागिता जिसमें कि अन्य निवेशकर्ताओं की कुल निधि 250.00 करोड़ रु. है के साथ, दिनांक 30.01.2012 को एक करार पर हस्ताक्षर किया।

३. इंडिया अपरचुनिटिज फंड

बोर्ड ने 22 मार्च, 2011 को आयोजित अपनी 47वीं बैठक में, एस आई डी बी आई वेन्चर केपिटल लिमिटेड, मुम्बई द्वारा प्रबंधित 'इंडिया अपरचुनिटिज फंड' में 25.00 करोड़ रु. के अंशदान को अनुमोदन प्रदान किया। इस निधि का मुख्य उद्देश्य निजी रुप से विचारित इक्विटी संबंधित निवेशों में निवेश के द्वारा लम्बी अविध के पूंजी मूल्यांकन द्वारा आकर्षक जोखिम समायोजित वापसी (रिटर्न) पाना है।

टी डी बी ने एस आई डी बी आई वेन्चर केपिटल लिमिटेड, मुम्बई के साथ 'इंडिया अपरचुनिटिज फंड' में भागीदारी के लिए, 25.00 करोड़ रु. के वचन /सहभागिता जिसमें कि अन्य निवेशकर्ताओं की कुल निधि 1000.00 करोड़ रु. है के साथ, दिनांक 31.01.2012 को एक करार पर हस्ताक्षर किया।

४. एस ई ए एफ इंडिया एग्रीबिजनेस फंड

बोर्ड ने 18 फरवरी, 2012 को आयोजित अपनी 49वीं बैठक में, एस ई ए एफ इंडिया इनवेस्टमेंट एडवाईजर्स प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा स्थापित 'एस ई ए एफ इंडिया एग्रीबिजनेस फंड' में 25.00 करोड़ रु. के अंशदान को अनुमोदन प्रदान किया। यह निधि, 5.00 करोड़ रु. से 25.00 करोड़ रु. तक की सीमा के निवेश के आकार के साथ भारतीय खाद्य

regions or first generation entrepreneur's upto 25%. In case the portfolio is 100% technology oriented even higher contribution by TDB can be considered based on Board approval.

- As an over sight mechanism, TDB representative will be a member of the Investment Committee of the VCF, to concur in proposals based on technology content.
- The representative will be authorized to make exceptions to balance the portfolio.
- Track record of the Fund Manager to be considered.
- Financial services are not preferred.

During the year 2011-12, TDB has participated in the following four (4) new Venture Capital Funds (VCFs) with a commitment / contribution of Rs. 85 crores leveraging total fund aggregating toRs. 1450.00 crores from other investors.

1. Indian Fund for Sustainable Energy

The Board in the 47thMeeting dated 22ndMarch, 2011 approved for contribution of 10 Cr. in "Indian Fund for Sustainable Energy" floated by CIIE Initiatives, Ahmedabad. The main objective of the fund is to facilitate investments by domestic and overseas contributors consisting primarily of high net worth individuals, corporate entities and financial institutions, in unlisted and listed securities of portfolio companies engaged in cleantech/ sustainable energy sector with majority investments in renewable energy.

TDB signed contribution agreement with CIIE Initiatives on 19.09.2011 for contribution of Rs. 10.00 crores in the fundleveraging total fund aggregating toRs. 75.00 crores from other investors.

2. Infinity Innovation Fund

The Board in the 47thMeeting dated 22ndMarch, 2011 approved for contribution of 25Cr. in "Infinity Innovation Fund" managed by Indian Innovation Holding MSME Pvt. Ltd., New Delhi. It is an early stage VC Fund which intends to be the first institutional investment in a venture, post the angel stage. It intends to plug the early stage funding gap in India's venture capital eco system. It is promoted by the Indian Angel Network (IAN), India's first and largest group of business angel investors, around 140 in number, comprising the who's who of successful Indian entrepreneurs and CEOs. The fund is to be registered with SEBI as a venture capital fund.

TDB signed contribution agreement with Indian Innovation Holding MSME Pvt. Ltd., New Delhi on 30.01.2012 for contribution of Rs. 25.00 crores in the fundout of total fund size of Rs. 250.00 crores.

3. India Opportunities Fund

The Board in the 47th Meeting dated 22nd March, 2011 approved for contribution of Rs. 25.00 Cr. in "India Opportunities Fund" managed by SIDBI Venture Capital Limited, Mumbai. The main objective of the fund is to achieve attractive risk adjusted returns through long term capital appreciation by way of investments in privately negotiated equity related investments.

TDB signed contribution agreement with SIDBI Venture Capital Limited, Mumbai on 31.01.2012 for contribution of Rs. 25.00 crores in the fundout of total fund size of Rs. 1000.00 crores.

4. SEAF India Agribusiness Fund

The Board in the 49thMeeting dated 18thFebruary, 2012 approved for contribution of Rs. 25.00 Cr. in "SEAF India Agribusiness Fund" floated by SEAF India Investment Advisors, New Delhi. The fund focused on investing in SMEs in the Indian Food and Agribusiness sectors with the size of investment

और कृषि व्यवसाय में, एस एम ई एस में निवेश पर केंद्रित है। इस निधि का उद्देश्य भारत में कृषि व्यवसाय एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में, प्रसार के लिए भारत के विनियमों और कानूनों को ध्यान में रखते हुए उभरते हुए वृद्धिकारक छोटे और मंझोले उद्यमों में निजी रुप से विचारित इक्विटी एवं इक्विटी सम्बंधित निवेशों में निवेश के माध्म से लम्बी अविध का पूंजी मूल्यांकन (एप्रीसिसन) पना है।

टी डी बी ने एस ई ए एफ इंडिया इनवेस्टमेंट एडवाईजर्स प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के साथ फंड में भागीदारी के लिए, 25.00 करोड़ रु. के वचन /सहभागिता जिसमें कि अन्य निवेशकर्ताओं की कुल निधि 125.00 करोड रु. है के साथ, दिनांक 30.03.2012 को एक करार पर हस्ताक्षर किया।

ख. भारत - स्पेन नवोन्मो कार्यक्रम (आई एस आई पी) के अंतर्गत अनुमोदित परियोजनाएं

31 मार्च, 2012 तक (वित्तीय वर्ष 2011-12) सी डी टी आई, स्पेन और टी डी बी के बीच इंडिया स्पेन इनोवेशन प्रोग्राम (आई एस आई पी) के तहत दोनो देशों के लिए आर्थिक लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से संयुक्त प्रौद्योगिकी सहयोग के विकास / परियोजना हस्तांतरण एवं एस एम ई विकास को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं नवीन खोज के क्षेत्र में सहायता करने और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए कुल 8 (आठ) द्विपक्षीय परियोजनाओं को अनुमोदित किया।

- **१. एफ एक्स इंटरेक्टिव** स्टेकधारकों और फोरेक्स बाजार के बीच सम्पर्क के लिए उच्च प्रौद्योगिकी उपकरणों हेतू अन्तर्राष्ट्रीय परियोजना। इससे सम्बद्ध कंपनियां स्पेन की एफ एक्सट्रीट और मेडिकल वीएम तथा भारत की आई-नो इंडिसेज है।
- इन्टीग्रेसन सिक्यूरीटि सिस्टम यह एक इलेक्ट्रिनिक निगरानी तंत्र है। इससे सम्बद्ध कंपनियां; स्पेन की रैनट्रिंग्स एस. एल. और भारत की रैनट्रिंग सॉफ्टवेयन इंजीनियर्स प्रा. लि. हैं।
- ३. एस सी यू टी यू एम इस पिरयोजना का मुख्य उद्देश्य, माइक्रोकैप्सूलेड फेब्रिक्स, बेड शीट और कपड़ों, जिनमें मच्छर से बचा जा सके, की प्राप्ति के लिए विष रिहत कीटनाशक माइक्रोकैप्सूल्स से सिंथेटिक और प्राकृति कपड़ा उद्योग के विकास एवं अनुप्रयोग में अनुसंधान है।
- **४. सी ओ डब्ल्यू बी यू एल एल** प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड और स्पेन तथा भारत के बीच फ्रेमवर्क के अन्तरण के द्वारा भारतीय और अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों में केन्द्ररहित ग्राइंडिंग निर्माण प्रतिद्वन्द्विता को बढ़ाना।
- ५. बी टी ई एन एस आई ओ एन यह दो स्पेनिश और दो भारतीय भागीदारों के 36 महीनों की अविध की सहयोगी पिरयोजना है जो कि डिस्ट्रीब्यूशन बोर्डों और इलेक्ट्रोमैकेनिकल उपकरणों से प्रयुक्त किये जाने के लिए उन्नत एवं पर्यावरण-मित्र नई कम वोल्टेज की प्रौद्योगिकियों का विकास है। इसे भविष्य में राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों में उतारा जायेगा।
- ६. बी ई एन जी ए एल ए यह 22 महीनों की अविध की एक सहयोगी पिरयोजना है जिसमें एक स्पेनिश भागीदार, जो मुख्य भागीदार है और दूसरा अन्य भागीदार के रुप में भारतीय भागीदार है। इस पिरयोजना का उद्देश्य गंधों और सुगंधों के क्षेत्र में, भारत जैसे देश में व्यापक संभावनाओं का परीक्षण और दोहन है।
- ७. एस के आई डी एस एक स्पेनिश भगीदार एवं एक भारतीय भगीदार के साथ एक 60 महीनों की अविध वाली एक सहयोगात्मक परियोजना जो उन क्षेत्रों के लिए नए स्किड्स के विकास के लक्ष्य के साथ सहयोग करेगी जिनमें इन दोनों कम्पिनयों की मुख्य उपिस्थित मौजूद है तािक टर्नकी मिनी प्लांट की तरह एकल इकाई में विभिन्न प्रक्रिया को समेकित करके ये व्यापक समाधान बन सकें।
- **८. एस ए ई सी एल आई एम बी ई आर इंडिया** एक स्पेनिश भगीदार एवं एक भारतीय भगीदार के साथ एक 18 महीनों की अविध वाली एक सहयोगात्मक परियोजना जो विकासशील देशों की निर्माण कार्य

ranging from Rs. 5.00 Cr to Rs. 25.00 Cr. The main objective of the fund is to achieve long term capital appreciation through investments in privately negotiated equity and equity-related investments in emerging growth-oriented small- and mid-sized enterprises requiring funding for expansion in the agribusiness and food processing sector in India, and subject to the prevailing regulations and laws in India.

TDB signed contribution agreement with SEAF India Investment Advisors, New Delhi on 30.03.2012 for contribution of Rs. 25.00 crores in the fund out of total fund size of Rs. 125.00 crores.

(b) Projects Approved under India Spain Innovating Program (ISIP)

Upto 31st March, 2012 (FY 2011-12), total eight (8) bilateral projects were approved under India Spain Innovating Program (ISIP) between CDTI, Spain and TDB to promote, assist and fund the development of joint technology cooperation / transfer projects and for supporting SME growth via technology transfer and innovation for the purpose of generating economic benefits to both the countries. The details of the projects are as follows:-

- 1. **FXINTERACTIVE** International Project for the high technology tools for the interaction between the stakeholders of the forex market. The companies involved were Fxtreet and Medical VM from Spain and I-Know Indices from India.
- 2. Integration Security System An Electronic Surveillance System. The companies involved were RANTRING S. L. from Spain and RANTRING Software Engineers Pvt. Ltd., India.
- **3. SCUTUM** The main aim of this project is to research in the development and application of non-toxic insecticide microcapsules to synthetic and natural textiles, in order to obtain microencapsulated fabrics, bed sheet and clothes that avoid the mosquito bites.
- **4. COWBULL**—Increase of Centerless Grinding Manufacturing Competitiveness in Indian and International Markets due to a technology development and transfer framework between Spain and India.
- **5. BTENSION** It is a collaborative 36 months duration project with two Spanish partners and two Indian partners that will collaborate with the aim of developing advanced and ecofriendly new low voltage technologies to be applied to distribution boards and electromechanical devices that in future will be commercialized in national and international markets.
- **6. BENGALA** It is a collaborative 22 months duration project with one Spanish partner as main participant and one Indian partner as other partner. The aim of the project is to test and exploit the vast possibilities that a country like India offers in the Flavors and Fragrances field.
- 7. SKIDS- A collaborative 60months duration project with one Spanish partner and one Indian partner that will collaborate with the aim of development of new skids for the sectors in which these companies have major presence, so that they could become comprehensive solutions integrating various process stages into a single unit like a turnkey mini plant.
- **8. SAECLIMBER INDIA-** A collaborative 18 months duration project with one Spanish partner and one Indian partner that will collaborate with the aim to develop a product line

आवश्यकताओं के अनुकूल उत्पादों की एक श्रृंखला के विकास करने के उद्देश्य से सहयोग करेगी जहां उच्च वाल्यूम उपकरणों और अधिक ऊंचाई वाली इमारतों की मांग अधिक हो।

ग. इन्क्यूबेटर्स में शुरुआतकर्ताओं के लिए सीड सहायता स्कीम

टी डी बी ने युवा उद्यमियों का संवर्धन करने तथा अपने नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी उद्यम संबंधी विचारों का फलदायक स्थिति तक लाने और अंतत: बाजार तक उन्हें पहुंचाने के लिए अत्यंत आवश्यक शुरुआती / आरंभिक स्तर की पूंजी प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई एस) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एस टी ई पी एस) के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना जारी रखा। इससे कुछ नवोन्मेषी विचारों / प्रौद्योगिकियों को उस स्तर तक ले जाने में सहायता करेंगे जहां ये सफल वाणिज्यीकरण के अपने मार्ग पर टी डी बी / एफ आई एस माध्मों के द्वारा सामान्य ऋण प्राप्त करने के लिए उपयुक्त होंगे। अत: प्रस्तावित सहायता को प्रौद्योगिकियों के विकास एवं वाणिज्यीकरण के बीच एक सेतु के रुप में कार्य करने के लिए तैयार किया गया है।

टी डी बी ने वर्ष 2005-06 के दौरान प्रौद्योगिकीय विचारों का संवर्धन करने के लिए इन्क्यूबेटर्स में शुरुआतकर्ताओं के लिए सीड सहायता स्कीम के अंतर्गत पांच प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई एस) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एस टी ई पी एस) को वित्तीय सहायता प्रदान की है। इस स्कीम ने अच्छी प्रगति की है। टी डी बी ने इस स्कीम का विस्तार किया और 2007-08 में दूसरे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सहित अन्य 5 (पांच) इन्क्यूबेटर्स, 2009-10 में तीसरे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सहित 5 (पांच) इन्क्यूबेटर्स, 2010-11 में चौथे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सहित 9 (नौ) इन्क्यूबेटर्स को सहायता प्रदान की है।

वर्ष 2011-12 के दौरान इस स्कीम के पांचवे चरण में रु. 100.00 लाख प्रत्येक के साथ निम्नलिखित 12 (बारह) नए एस टी ई पी एस / टी बी आई एस को सहायता प्रदान की गई है।

- 1. टी आर ई सी एस टी ई पी, तीरुचिरापल्ली
- 2. बी आई टी एस, पिलानी, राजस्थान
- 3. ई-हेल्थ प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर, बेंगलोर
- 4. ई के टी ए ईन्क्यूबेसन केन्द्र, कोलकाता
- 5. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पार्क, पूने
- 6. कृष्णा सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, भूवनेश्वर
- 7. सी आई आई ई ईनीसिएटिव, आई आई एम, अहमदाबाद
- 8. एम आई टी सी ओ एन कन्सलटेन्सी एंड इन्जीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड, पूने
- 9. आई ए एन मेन्टरिंग एंड इन्क्यूबेसन सर्विसेज, नई दिल्ली
- 10. आई आई टी, गुवाहाटी
- 11. आई आई टी, खरगपुर
- 12. आई आई आई टी, हैदराबाइ, आन्ध्र प्रदेश

प्रौद्योगिकीय विचारों, प्रयोगशाला स्तर की प्रौद्योगिकियों और प्रौद्योगिकीय उद्यमिता के संवर्धन का पोषण करने के लिए टी डी बी ने 24 प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई एस) औरएस टी ई पी एस को सहायता प्रदान की है। इन इन्क्यूबेटर्स ने 100 से अधिक इन्क्यूबेटीज कम्पनियों को उनकी दूरसंचार, सॉफ्टवेयर, रोबोटिक्स, कृषि, यंत्रीकरण, इंजीनियरिंग, पर्यावरण, फार्मा, खाद्य, सौर, वस्त्र एवं जैव प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं के लिए सहायता प्रदान की है।

to fit the needs on construction on the developing countries, where the needs are on high volume equipment and high rise buildings.

(c) Seed Support Scheme for Start-Up in Incubators

TDB continued to provide financial support to Technology Business Incubators (TBIs) and Science & Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) to extend much needed early stage /start-up capital to young entrepreneurs to incubate and to bring their innovative technology venture ideas under development to fruition and finally to reach the market place. This would enable some of these innovative ideas/ technologies to graduate to a level where they can then be fit for seeking normal lending through TDB/ FI's route on their way to successful commercialization. Thus the proposed assistance is positioned to act as a bridge between development & commercialization of the technologies.

TDB provided financial assistance to five Technology Business Incubators (TBI's) and Science & Technology Entrepreneurs Parks (STEP's) under Seed Support Scheme for Start-up in Incubators to incubate technological ideas during 2005-06. This scheme has progressed well and TDB extended the scheme and supported another five incubators for Rs.100 lakh each in the second round in 2007-08. The additional 5 STEP/TBI's have been provided Seed Support fund of Rs.100 lakh in the third round of the scheme in 2009-10 and 9 STEP/TBI's have been provided Seed Support fund of Rs.100 lakh in the fourth round of the scheme in 2010-11.

During 2011-12, following 12 STEP/ TBI's have been provided Seed Support fund of Rs.100 lakh in the fifth round of the scheme.

- 1. TREC-STEP, Tiruchirappalli
- 2. BITS, Pilani, Rajasthan
- 3. e-Health Technology Business Incubator, Bangalore
- 4. EKTA Incubation Centre, Kolkata
- 5. Science & Technology Park, Pune
- 6. Krishna Institute of Information Technology, Bhuwneshwar
- 7. CIIE Initiatives, IIM Ahmedabad
- 8. MITCON Consultancy & Engineering Services Ltd., Pune
- 9. IAN Mentoring & Incubation Services, New Delhi
- 10. IIT Guwahati
- 11. IIT Kharagpur
- 12. IIIT Hyderabad

To nurture the incubation of technological ideas, lab scale technologies and technological entrepreneurship, TDB has extended support to 24 Technology Business Incubators (TBIs) and STEPs. These Incubators have provided assistance to more than 100Incubatee companies for their projects which are in the areas of telecom, software, robotics, agriculture, instrumentation, engineering, environment, pharma, food, solar, textile and biotechnology etc.

प्रोन्नति संबंधी गतिविधियां

प्रौद्योगिकी दिवस पर राष्ट्रीय पुरस्कार

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने किसी औद्योगिक कंपनी द्वारा 'स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल वाणिज्यीकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार' स्थापित करने का निर्णय लिया। राष्ट्रीय पुरस्कार में दो प्रकार घटक शामिल हैं: (i) वे औद्योगिक इकाईयां जिन्होंने स्वदेशी प्रौद्योगिकी का सफलतापूर्वक वाणिज्यीकरण किया है और (ii) ऐसी प्रौद्योगिकियों के विकासकर्ता / प्रदाता। प्रत्येक में रु. 10 लाख का नकद पुरस्कार और एक ट्राफी होती है। पहली बार यह राष्ट्रीय पुरस्कार 11 मई, 1999 को प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर प्रदान किए गए थे तत्पश्चात् प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर अर्थात् 11 मई को प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

एस एस आई इकाई के लिए पुरस्कार

अगस्त, 2000 में टी डी बी ने इन एस एस आई इकाई, जिन्होनें सफलतापूर्वक प्रौद्योगिकी आधारित उत्पाद का वाणिज्यीकरण किया, को 2 लाख रु. और एक ट्राफी का पुरस्कार आरंभ किया। प्रथम एस एस आई यूनिट पुरस्कार 11 मई, 2001 को प्रदान किया गया तत्पश्चात् प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर अर्थात् 11 मई को प्रत्येक वर्ष एस एस आई यूनिट के लिए पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय लिया गया। वर्ष 2011 में नकद पुरस्कार को 5 लाख रु. में परिवर्तित कर दिया गया।

राष्ट्रीय पुरस्कार 2011

वे औद्योगिक इकाईयां जिन्होनें अप्रैल, 2006 के बाद स्वदेशी प्रौद्योगिकी का वाणिज्यीकरण किया वे राष्ट्रीय पुरस्कार 2011 के लिए आवेदन करने के पात्र होते हैं। विज्ञापन के प्रतिउत्तर में टी डी बी को 66 आवेदन प्राप्त हुए - 33 आवेदन 10 लाख रु. के पुरस्कार के लिए, 14 आवेदन 5 लाख रु. के पुरस्कार के लिए एवं 19 आवेदन दोनो पुरस्कारों के लिए प्राप्त हुए।

प्रोफेसर एस. के जोशी, भूत पूर्व महानिदेशक, सी एस आई आर, नई दिल्ली ने राष्ट्रीय पुरस्कार 2011 के लिए गठित की गई चयन समिति की अध्यक्षता की एवं इस समिति के सदस्यों में प्रोफेसर आर. कुमार, हॉनरेरी प्रोफेसर, आई. आई. एस सी, बैंगलोर, श्री विजय टोपा, सलाहकार, एफ. आई. सी. सी. आई, नई दिल्ली एवं डॉ. सौरभ श्रीवास्तवा, भूत पूर्व अध्यक्ष, एन. ए. एस. एस. सी. ओ. एम., नई दिल्ली शामिल हैं। श्री सुबोध भार्गव, अध्यक्ष वी. एस. एन. एल., नई दिल्ली बैठक मे उपस्थित नहीं हो सके।

चयन सिमिति ने 'एडवान्स्ट डोनर आर ई एल डी1000 टेक्नोलॉजी फॉर हाई परफॉरमेंस राफिया ग्रेड पोलिप्रोपाईलिन प्रोडक्सन' के स्वदेशी विकास एवं वाणिज्यीकरण हेतू राष्ट्रीय पुरस्कार 2011 के लिए मैसर्स रिलायन्स इन्डस्ट्रीज लिमिटेड, हिजरा मैनुफेक्चिरिंग इकाई, सुरत, गुजरात का चयन किया। चयन सिमिति ने उच्च निष्पादन राफिया ग्रेड पॉलीप्रोपाइलीन उत्पादन के लिए उन्नत डोनर आर ई एल डी1000 के वाणिज्यीकरण हेतू राष्ट्रीय पुरस्कार 2011 के लिए मैसर्स रिलाएंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, हजीरा मैन्युफेक्चुरिंग यूनिट, गुजरात का चयन किया। विकसित आर ई एल डी1000 उत्प्रेरक प्रणाली, जो कि गैस फेस प्रोपाइलेन उत्पादन के लिए है यह दर्शाती है : पोलीमेराइलेशन के दौरान, प्रणाली के स्व-शासक गुणधर्म उत्प्रेरक की उच्च उत्पादकता के राख सामग्री के साथ निर्मित पॉलीमर कणों के एग्लोमेरेशन को कम करना, कम हाइड्रोजन / मोनोमर अनुपात पर रीयेक्टर को प्रचालन सुविधा देना, ओरिएंटेड टेपो के निर्माण के लिए 550 मीटर प्रति मिनट की उत्पादित होमोपोलीमर लाइनअप के आणविक भार वितरण को कम करना।

यह प्रौद्योगिकी न केवल तेज गति की लाइन प्रोसेसिंग मशीन के लिए सूक्ष्म और दीर्घ गुणधर्मों के साथ प्रोपाइलीन उत्पाद ही उपलब्ध नहीं कराती, अपितु, उत्पादन के समय कार्यात्मक उत्कृष्टता का उच्चस्तर भी प्रदान करती है।

PROMOTIONAL ACTIVITIES

National Awards on Technology Day

The Technology Development Board instituted a 'National Award for Successful Commercialization of Indigenous Technology' by an industrial concern. The National Award consists of two components: (i) to the industrial concern that has successfully commercialized the indigenous technology and (ii) to the developer/provider of such technology. Each component carries a cash award of ten lakh Rs. and a trophy. The National Award was given for the first time on the occasion of the Technology Day on 11th May 1999 and thereafter, it has been decided to give the National Awards every year on the Occasion of Technology Day i.e. 11th May.

Award for SSI unit

In August 2000, TDB introduced a cash award of Rs. 2 lakh and a trophy to a SSI unit that has successfully commercialised a technology-based product. The first SSI award was given on 11th May, 2001 and thereafter it has been decided to give the Award for SSI Unit every year on the Occasion of Technology Day i.e. 11th May. The cash awards were later revised to Rs. 5 lakh in the year 2011-12.

National Award 2011

The industrial concerns that have commercialized indigenous technologies after April 2006 were eligible to apply for the National Award 2011. In response to the advertisements, TDB received 66 applications – 33 applications for the award of Rs. 10 lakh; 14 applications for the award of Rs. 5lakh and 19 applications for the both awards.

The Selection Committee, constituted for the National Award 2011, chaired by Prof. S. K. Joshi, Ex-DG, CSIR, New Delhi, consisted of Prof. R. Kumar, Honorary Professor, IISc, Bangalore, Shri Vijay Topa, Advisor, FICCI, New Delhi and Dr. Saurabh Srivastava, Ex-Chairman, NASSCOM, New Delhi as members. Shri Subodh Bhargava, Chairman VSNL, New Delhi could not attend the meeting.

The Selection Committee selected 'M/s Reliance Industries Limited, Hazira Manufacturing Division, Gujarat' for National Award 2011 for commercializing Advanced Donor RELD1000 Technology for High Performance Raffia Grade Polypropylene Production. The developed RELD1000 catalyst system for gas phase polypropylene production exhibit: self extinguishing characteristics of the system during polymerization thereby minimizing agglomeration of polymer particles, higher productivity of catalyst allowing high purity of polymer formed with low ash contents, better hydrogen response allowing operation of the reactor at low hydrogen/monomer ratio and narrowing of molecular weight distribution of produced homopolymer line up to 550 meter/minute for preparing oriented tapes.

This technology not only provides polypropylene product with micro and macro characteristics suitable for high speed line processing machine but also give high level of operational excellence during manufacturing.

एस एस आई यूनिट पुरस्कार-2011

चयन सिमिति ने एस एस आई श्रेणी में पुरस्कार हेतू मैसर्स टॉप गियर ट्रांसिमसन प्राईवेट लिमिटेड, ए. डी. डी. एल. एम आई डी सी, सतारा, महाराष्ट्र एवं मैसर्स एन. यू. एम. ए. सी., एम. आई. डी. सी., नागपुर, महाराष्ट्र का चयन किया।

मैसर्स टॉप गियर ट्रांसमिसन प्राईवेट लिमिटेड, ए. डी. डी. एल. एम आई डी सी, सतारा, महाराष्ट्र

कम्पनी ने, टॉप गियर ट्रांसिमशन बॉक्सेस; प्लेनेटरी गियर बॉक्सेस एवं बड़र संख्या में कस्टम बिल्ट गीयर बॉक्स, जिनमें गीयर टीथ प्रोफाइल के लिए रेखागणितीय शुद्धता के सुधार के लिए आधुनिकतम प्रौद्योगिकियों और इष्टतम डिजाइन रुपों का प्रयोग किया गया है, का विकास एवं वाणिज्यीकरण किया है।

मैसर्स एन. यू. एम. ए. सी., एम. आई. डी. सी., नागपुर, महाराष्ट्र

कम्पनी एसेम्बली के बार-बार होने वाले नुकसान को रोकने के और मिलों के समय और श्रम को कम करने के लिए एक्स. आर. पी. टाईप कोयला मिलों के लिए रोटेरी वैन एसेम्बली और बॉडी लाईनर्स का विकास एवं वाणिज्यीकरण किया।

बोर्ड, पुरस्कार विजेताओं के चयन के लिए, चयन सिमिति के सदस्यों का आभार प्रकट करता है।

पुरस्कारों का वितरण

प्रौद्योगिकी दिवस समारोह-2011, 11 मई, 2011 को मनाया गया और मुख्य अतिथि के रुप में भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान पद्म श्री प्रो. अशोक झुनझुनवाला, मिस. छवि राजावत एवं श्री सुहास गोपीनाथ के द्वारा दिया गया।

उद्योगों के साथ पारस्परिक बैठकें

टी डी बी ने उद्योगों, संभावित उद्यमियों और प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ताओं के साथ उद्योग संघों और आर एंड डी संगठनों इत्यादि के साथ बहुत सी बैठकों आयोजित की। टी डी बी ने विभिन्न प्रदर्शनियों में भी भाग लिया।

इन बहुविध प्लेटफॉर्मों के माध्म से टी डी बी ने उद्योगों, आर एंड डी संगठनों, अकादमी संस्थानों, वैज्ञानिक और औद्योगिक शोध संगठनों इत्यादि में विशेषकर देश में विकसित प्रौद्योगिकी के लिए उनके वाणिज्यीकरण प्रयासों के लिए आसान शर्तों पर वित्तीय सहायता की उपलब्धता के बारे में जागरुकता फैलाती है।

इस प्रकार की बैठकें सितम्बर, 1996 से भारत और विदेशों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत अहमदाबाद, बैंगलोर, बेईजिंग (चीन), ब्रुसेल्स (बेल्जियम), भोपाल, भुवनेश्वर, बिकानेर, बुडापेस्ट (हंगरी), काईरो (मिस्त्र), चंडीगढ़, चेन्नई, चिदम्बरम, कोयम्बटूर, देहरादून, दिल्ली, देवानगेरे, गुजरात, गुड़गांव, गुवाहाटी, ग्रेटर नोयडा, हनोवर (जर्मनी), हैदराबाद, हुबली, इम्फाल, इंदौर, इस्ताम्बूल (टर्की), जयपुर, झुनझुनु, जम्मू, जोहान्सवर्ग (दक्षिण अफिका), कानपुर, केरल, कोची, कोलकाता, लखनऊ, लुधियाना, मैड्रिड (स्पैन), मदुरई, मुम्बई, मैसूर, नई दिल्ली, नोयडा, नागपुर, नैनीताल, ऑक्सफोर्ड (यू. के.), पुने, राजामुन्द्री, राजापलायम, राजकोट, रुरकी, रुद्रपुर, साओ पाउलो (ब्राजील), शिलोंग, शिमला, तिमलनाडु, थेस्सालोनिकी (ग्रीस), तिरुवनन्तपुरम, तिरुचिरापल्ली, उदयपुर, वापी, वेल्लोर, विजयवाडा में आयोजित की गई।

टी डी बी द्वारा अब तक हस्ताक्षर किए गए करारों का राज्यवार वितरण का विश्लेषण यह दर्शाता है कि वाणिज्यीक उद्यमियों को देशीय प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए और अधिक प्रयास करने की जरुरत है एवं अब तक कवर नहीं किए गए अन्य राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में प्लांट लगाए जाने चाहिए।

Award for SSI Unit - 2011

The Selection Committee selected 'M/s Top Gear Transmissions Pvt. Ltd., Addl. MIDC, Satara, Maharashtra' and 'M/s NUMAC, MIDC, Hingna Road, Nagpur, Maharashtra for the award in SSI category.

M/s Top Gear Transmissions Pvt. Ltd., Addl. MIDC, Satara, Maharashtra

The company has developed and commercialized Top Gear Transmission Gear Boxes: Planetary Gear Boxes and a number of Custom Build Gear Boxes with optimum design features and using latest technology for improving the geometrical accuracy of the Gear Teeth Profile .

M/s NUMAC, MIDC, Hingna Road, Nagpur, Maharashtra

The company has developed and commercialized Rotary Vane Assembly and Body Liners for XRP type Coal Mill to prevent frequent damages of the Assembly and to avoid outages and downtime of mills thereby saving huge amount of power.

The Board expresses its grateful appreciation to the members of the Selection Committee for selecting the award winners.

Presentation of the Awards

The Technology Day Function 2011 celebrated on 11th May 2011 was presided over by former President of India Dr. A.P.J. Abdul Kalam as Chief Guest. The technology Day Lecture was delivered by Padma Shree Prof. Ashok Jhunjhunwala, IIT Madras, Ms. Chhavi Rajawat and Shri Suhas Gopinath.

Interactive Meetings with Industry

TDB organised a series of interactive meetings with industry, potential entrepreneurs and technology providers through the industry associations and R&D organizations, etc. TDB also participates in various exhibitions.

Through these multifunctional platforms, TDB aims at creating an awareness amongst the Industries, R&D Organisations, Academic Institutions, Scientific and Industrial Research Organisations, etc., on the availability of financial assistance on soft terms for their commercialization efforts especially for indigenously developed technologies.

Such meetings have been held in India and abroad under the Ministry of Science & Technology at Ahmedabad, Bangalore, Beijing (China) Brushells (Belgium), Bhopal, Bhubaneswar, Bikaner, Budapest (Hungary), Cairo (Egypt), Chandigarh, Chennai, Chidambaram, Coimbatore, Dehradun, Delhi, Devangere, Gujarat, Gurgaon, Guwahati, Greater Noida, Hannover (Germany), Hyderabad, Hubli, Imphal, Indore, Istanbul (Turkey), Jaipur, Jhunjhunu, Jammu, Johannesburg (South Africa), Kanpur, Kerala, Kochi, Kolkata, Lucknow, Ludhiana, Madrid (Spain), Madurai, Mumbai, Mysore, New Delhi, Noida, Nagpur, Nainital, Oxford (UK), Pune, Rajahmundry, Rajapalayam, Rajkot, Roorkee, Rudrapur, Sao Paulo (Brazil), Shillong, Shimla, Tamilnadu, Thessaloniki (Greece), Thiruvananthapuram, Tiruchirappalli, Udaipur, Vapi, Vellore, Vijayawada, since September 1996.

An analysis of the state-wise distribution of agreements signed so far by TDB indicates that more efforts are needed to encourage commercial enterprises to adopt indigenous technologies and set up plants in other States and Union Territories that have not been covered so far.

टी डी बी ने देश भर में फैले चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स, ट्रेड संघों एवं संस्थानों के घनिष्ठ समन्वय में कार्यशालाएं आयोजित की और भागीदारी की। टी डी बी के अधिकारियों ने वर्ष 2011-12 के दौरान प्रदर्शनियों में भाग लिया और उद्योगों एवं संस्थानों के साथ पारस्परिक बैठकें आयोजित की जिनकी सूची निम्नलिखित है :-

28-29 अप्रैल, 2011

डॉ. पी. एस. राजू, वैज्ञानिक एवं परियोजना समन्वयक, टी डी बी ने 28-29 अप्रैल, 2011 के दौरान उद्योग एवं दवाईयों में लेजर तकनीकी के उपयोग के उपर दो दिनों की इन्टेरेक्शन बैठक में भाग लिया। उन्होने टी डी बी के सारे वित्तपोषण योजनाओं के उपर एक प्रस्तुतिकरण दिया जिसे औद्योगिक भागीदारों के द्वारा काफी सराहा गया।

27-28 मई, 2011

बोर्ड ने टी डी बी की सेवाओं के उपर 14 जागरुकता कार्यक्रमों के आयोजन के सी. आई. आई. के प्रस्ताव को अनुमोदित किया। 15 अक्टूबर, 2010 को एक स्वीकृति पत्र भी उन्हें जारी किया गया था।

सी. आई. आई. ने 27 - 28 मई, 2011 को अहमदाबाद में टी डी बी की सेवाओं पर अपना कार्यक्रम आयोजित किया। श्री संजय चावरे, वैज्ञानिक 'ई' ने कार्यक्रम में टी डी बी का प्रतिनिधित्व किया।

30 मई, 2011

एफ. आई. सी. सी. आई. ने 30 मई, 2011 को मुम्बई में टी डी बी की सेवाओं पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। श्री संजय चावरे, वैज्ञानिक 'ई' ने कार्यक्रम में टी डी बी का प्रतिनिधित्व किया।

27 जून, 2011

एफ. आई. सी. सी. आई. ने 27 जून, 2011 को गुवाहाटी में टी डी बी की सेवाओं पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। श्री संजय चावरे, वैज्ञानिक 'ई' ने कार्यक्रम में टी डी बी का प्रतिनिधित्व किया।

29 जून, 2011

एफ. आई. सी. सी. आई. ने 29 जून, 2011 को कोलकाता में टी डी बी की सेवाओं पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। श्री संजय चावरे, वैज्ञानिक 'ई' ने कार्यक्रम में टी डी बी का प्रतिनिधित्व किया।

11 जुलाई, 2011

डॉ. पी. एस. राजू, वैज्ञानिक एवं परियोजना समन्वयक, टी डी बी ने 11 जूलाई, 2011 को श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर में इन्नावेटर्स के लिए टी डी बी की वित्तपोषण योजनाओं पर एफ. आई. सी. सी. आई. द्वारा आयोजित एक वर्कशॉप में भाग लिया। उद्योग / संस्थान / पूंजी निधि एजेंसीज से 100 से भी अधिक लोगो ने कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होनें टी डी बी की वित्तपोषण योजनाओं के उपर एक प्रस्तुतिकरण दिया एवं इन सभी भागीदारों से बारी बारी से बातचीत किया एवं उनको टी डी बी की वित्तपोषण के तरीकों के बारे में बताया। इस भागीदारी से टी डी बी को औद्योगिक क्षेत्र से जूड़े बहुत लोगों तक पहुंच बनाने में एवं घाटी में पहली बार जागरुकता पैदा करने में मदद की।

22 जूलाई, 2011

सी. आई. आई. ने 22 जूलाई, 2011 को इंदौर में टी डी बी की सेवाओं पर अपना कार्यक्रम आयोजित किया। श्री संजय चावरे, वैज्ञानिक 'ई' ने कार्यक्रम में टी डी बी का प्रतिनिधित्व किया।

29-30 अगस्त, 2011

सी. आई. आई. ने 29-30 अगस्त, 2011 को हैदराबाद में टी डी बी की सेवाओं पर अपना कार्यक्रम आयोजित किया। श्री संजय चावरे, वैज्ञानिक 'ई' ने कार्यक्रम में टी डी बी का प्रतिनिधित्व किया।

17-20 अक्टूबर, 2011

श्री राजीव श्रीवास्तव, उप विधि सलाहकार ने ई ई पी सी इंडिया, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इस्तांबुल (टर्की) में आयोजित 'इंडिया शो' में टी डी बी का प्रतिनिधित्व किया। 'इंडिया शो' का मुख्य उद्देश्य भारत की छवि TDB has participated and organized workshops in close co-ordination with chambers of commerce, trade associations and institutions spread all over the country. TDB officers participated in exhibitions and interactive meetings held with industry and institutions during 2011-12. These are listed below.

April 28-29, 2011

Dr. PS Raju, Scientist & Project Coordinator, TDB attended the two day interaction meeting on utilization of Laser Technology in Industry and Medicine during 28th & 29th April, 2011. He made a presentation on the various funding schemes of TDB was much appreciated by the industrial participants.

May 27-28, 2011

The Board had approved a CII proposal to organize 14 awareness events on TDB services. A sanction letter was issued to them on Oct 15, 2010.

The CII organized its event on TDB services in Ahmedabad on 27th – 28th May, 2011. Shri Sanjay Charve, Scientist 'E' represented TDB in the event.

May 30, 2011

The FICCI organized an event on TDB services in Mumbai on 30th May, 2011. Shri Sanjay Charve, Scientist 'E' represented TDB in the event.

June 27, 2011

The FICCI organized an event on TDB services in Guwahati on 27th June, 2011. Shri Sanjay Charve, Scientist 'E' represented TDB in the event.

June 29, 2011

The FICCI organized an event on TDB services in Kolkata on 29th June, 2011. Shri Sanjay Charve, Scientist 'E' represented TDB in the event.

July 11, 2011

Dr. PS Raju, Scientist & Project Coordinator, TDB participated in the workshop for Innovators on TDB Funding Schemes organized by FICCI on 11th July, 2011 at Srinagar, Jammu Kashmir. More than 100 participants from industry/institutes/venture fund agencies attended the programme. He made a presentation on TDB funding scheme and interacted with each of these participants through Business 2 Business meetings and apprised them about the TDB funding mechanism. The participation helped TDB to reach out to a large number of participants from industry and create awareness in the valley for the first time.

July 22, 2011

The CII organized its event on TDB services in Indore on 22nd July, 2011. Shri Sanjay Charve, Scientist 'E' represented TDB in the event.

August 29-30, 2011

The CII organized its events on TDB services in Hyderabad on 29th – 30th August, 2011.Shri Sanjay Charve, Scientist 'E' represented TDB in the event.

October 17-20, 2011

Shri Rajiva Srivastava, Deputy Legal Advisor was deputed to represent TDB in the India Show at Istanbul (Turkey), organized by EEPC India, Ministry of Commerce & Industry, Government of India. The

को संवारना एवं भारतीय निर्यातकों को उभरते बाजार और कनाडा जैसे विकसित देश में अपनी शक्तियों और क्षमताओं के प्रदर्शन के लिए एक प्लेटफॉर्म तैयार करना था। यह भारत को छोटे, मंझोले और बड़े उद्योगों की समान भागीदारी के साथ उत्पादन उद्योग के लिए 'प्रौद्योगिकी हव' के रूप में दर्शाने का प्रयास था।

टी डी बी ने शो में डी एस टी के निर्धारित स्टॉल में पोस्टर्स, कार्यकारी मॉडल्स, रिपोर्टों के प्रदर्शन की व्यवस्था की। कई प्रतिभागियों ने टी डी बी के स्टॉल में रुचि दिखाई और टी डी बी के विभिन्न उत्पादों और कार्यक्रमों के बारे में चर्चा की।

2-3 नवम्बर, 2011

टी डी बी ने 2-3 नवम्बर, 2011 को इंडिया हेबीटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'भारत आर एंड डी 2011-उद्योग शिक्षा जगत सम्बंध' में भाग लिया। कार्यक्रम को आयोजन, कार्यक्रम भागीदार के रुप में फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) और मैसर्स एम एम एक्टिव ने किया। दो दिन के इस सम्मेलन और भारत प्रदर्शनी आर एंड डी 2011 की थीम 'उद्योग-शिक्षा जगत सम्बंध' में पूर्ण और समांतर सत्रों के मिश्रण में निर्माण चर्चाओं, वाद-विवाद और विचारोत्तेजक बहसों पर फोकस किया गया। इस प्रदर्शनी ने शिक्षा जगत और उद्योगो के लिए आर एंड डी प्रयासों को सामने लाने और घनिष्ठ सम्पर्कों के माध्यम से संभावित भागीदारों की बैठकों का अवसर उपलब्ध कराया।

7-11 नवम्बर, 2011

डॉ. पी. एस. राजू, वैज्ञानिक एवं परियोजना समन्वयक, टी डी बी ने विगत 7-11 नवम्बर, 2011 को कैलीफॉर्नियां विश्वविद्यालय, बर्कले द्वारा आयोजित 'ग्लोबल इन्टरप्रिनियोरिशप लीडरिशप सिम्पोसियम (जी ई एस एस)' में भाग लिया। यह जी ई एस एस, इनटेल कॉरपोरेशन और कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय के लेस्टर इन्टरप्रिनियोरिशप सेंटर की संयुक्त परियोजना थी। उन्होंने टी डी बी की वित्तीय सहायता पर एक प्रस्तुतीकरण दिया और संगोष्ठी में भाग लेने आये अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की।

14-27 नवम्बर, 2011

टी डी बी ने भारतीय व्यापार प्रोत्साहन संगठन द्वारा 14-27 नवम्बर, 2011 को प्रगित मैदान, नई दिल्ली में आयोजित '31वें भारत अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला-2011 (आई आई टी एफ-2011' में भाग लिया। आई आई टी एफ एक बहुत ही किफायती लागत का मंच है जो बड़े स्तर पर भारतीय कंपनियों को 14 दिनों के लिए जनता, मीडिया और कारोबारी आगन्तुकों को उपलब्ध कराता है। विशेषकर उन कंपनियों को जो अपने उत्पादों की शुरुआत, चालू उत्पादों की मार्केटिंग और सेवाओं को प्रदर्शित करने को उत्सुक होती है।

22-23 नवम्बर, 2011

टी डी बी ने 22-23 नवम्बर, 2011 को होटल लिलत, नई दिल्ली में '17वीं प्रौद्योगिकी बैठक एवं प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म' में भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डी एस टी), भारत सरकार के सहयोग से कन्फेटरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सी आई आई), नई दिल्ली ने किया। स्पेन इस कार्यक्रम में एक भागीदार देश था। श्री जुआन थॉमस हर्नानी, महासचित इनोवेशन, विज्ञान और इनोवेशन मंत्रालय, स्पेन के नेतृत्व में स्पेन के एक बड़े प्रतिनिधिमंडल ने बैठक में भाग लिया।

वेब साईट

टी डी बी के लिए वेबसाईट निम्नलिखित पते पर उपलब्ध है :-

www.tdb.gov.in

main objective of "The India Show" was to promote India's image and provide a platform to Indian Exporters to showcase their strengths and capabilities in an emerging market and developed country like Canada. It was an endeavour to highlight India as "Technology Hub" for manufacturing industry with equal participation from Small, Medium & Large industries.

TDB arranged to display the posters, working models, and report in the stall occupied by the DST in the show. Many participants expressed their interest in TDB stall and interacted regarding various products and programmes of TDB.

November 2-3, 2011

TDB participated in India R&D 2011 – "Industry Academia Linkages" held on 2^{nd} – 3^{rd} November, 2011 at The India Habitate Centre, New Delhi, organized by Federation of Indian Chamber of Commerce and Industry (FICCI) and M/s MM Active as programme partner. The two-day conference and exhibition India R&D 2011 with the theme – "Industry-Academia Linkages" was focused on structured discussions, debates and brainstorming through a mix of plenary and parallel sessions. The exhibition provided an opportunity for academia and industry to showcase the R&D initiatives and meet potential partners through close interactions.

November 7-11, 2011

Dr. PS Raju, Scientist & Project Coordinator, TDB attended the Global Entrepreneurship Leadership Symposium (GELS) organized by University of California, Berkeley during 7th – 11th November, 2011. The GELS was a joint project of Intel Corporation and the Lester Center for Entrepreneurship at the University of California, Berkeley. He made a presentation on TDB financial support and interacted with international delegates who attended the symposium.

November 14-27, 2011

TDB participated in "31st India International Trade Fair-2011 (IITF-2011)" held on 14th – 27th November, 2011 at PragatiMaidan, New Delhi, organized by India Trade Promotion Organization, New Delhi. IITF is a very cost effective platform that assures exposure to large public, media and business visitors for 14 days for the Indian companies, especially the ones who are looking for launching their products, marketing of their existing products and services.

November 22-23, 2011

TDB participated in "17th Technology Summit & Technology Platform" held on 22nd – 23rd November, 2011 at Hotel The Lalit, New Delhi, organized by Confederation of Indian Industry (CII), New Delhi in association with the Department of Science & Technology (DST), Gov. of India, New Delhi. Spain was the Partner Country of the event. A large official and business delegation from Spain led by Mr. Juan Tomas Hernani, Secretary General of Innovation, Ministry of Science and Innovation, Kindom of Spain attended the summit.

Web site

The web-site for TDB is available on the following address:

www.tdb.gov.in

अनुसंधान एवं विकास उपकर

अनुसंधान एवं विकास उपकर अधिनियम 1986 यथा संशोधित 1995 को प्रौद्योगिकी के आयात के लिए सभी भुगतान पर लेवी और उपकर के समाहरण करने के लिए बनाया गया है। उपकर की दर 5 प्रतिशत है। औद्योगिक इकाईयां जो कि ऐसे आयातों के लिए भुगतान करने अथवा भुगतान किए जाने से पूर्व प्रौद्योगिकी आयात करती हैं, पर उपकर देय होता है। यह उपकर भारत के संचित निधि में जमा होता है। इसको देश में विकिसत प्रौद्योगिकी के वाणिज्यीकरण और विदेशी प्रौद्योगिकी को वृहत रुप से घरेलू उपयोग के लिए अपनाए जाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एकत्र किया जाता है।

भारत सरकार, उपकर समाहरण विनियोजन के माध्यम से प्रौद्योगिकी विकास और उसके प्रयोग के लिए फंड का भुगतान करती है जिसे देश में विकसित प्रौद्योगिकी के विकास एवं वाणिज्यीकरण और आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाए जाने के लिए उपयोग किया जाता है। यह निधि प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड द्वारा प्रशासित की जाती है।

उपकर, समाहरण एवं भुगतान (1997 - 2012)

निम्नलिखित सारणी 1996-97 (जिस वर्ष प्रौद्योगिको विकास बोर्ड, भारत सरकार द्वारा गठित किया गया) से वर्षवार उपकर समाहरण, टी डी बी को आवंटन तथा टी डी बी के भुगतान को दर्शाती है:-

अनुसंधान एवं विकास उपकर, समाहरण	एवं भुगतान	(करोड़ रु. में)
---------------------------------	------------	-----------------

वर्ष	उपकर समाहरण	आवंटन टीडीबी		सरकार द्वारा टीडीबी
	(सी.ए.जी.	अनुमानित बजट	संशोधित बजट	को किया गया
	के आंकडे.)			वास्तविक भुगतान
1996-97	80.13	30.00	30.00	29.97
1997-98	81.42	70.00	49.93	49.93
1998-99	81.10	50.00	20.00	28.00
1999-00	88.93	70.00	50.00	50.00
2000-01	98.91	70.00	63.00	62.79
2001-02	95.30	63.00	57.00	57.00
2002-03	99.47	58.00	56.00	56.00
2003-04	119.51	55.00	53.65	53.65
2004-05	156.99	54.00	48.10	48.10
2005-06	176.61	43.50	42.65	42.66
2006-07	186.56	33.50	4.90	4.32
2007-08	254.09	63.00	60.00	19.00
2008-09	310.33	20.80	4.67	-
2009-10	418.22	50.00	20.00	-
2010-11	592.22	50.00	50.00	5.00
2011-12	702.54	50.00	50.00	-
कुल	3542.33	830.80	659.90	506,42

वर्ष 1996-2012 की अवधि के दौरान अनुसंधान एवं विकास उपकर समाहरण के कुल 3542.33 करोड़ रु. में से सरकार ने 16 वर्षों (1996-2012) के दौरान टी डी बी को 506.42 करोड़ रु. की संचित राशि विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग के गैर योजना व्यय के माध्यम से ,उपलब्ध कराई।

RESEARCH AND DEVELOPMENT CESS

The Research and Development Cess Act, 1986, as amended in 1995, provides for the levy and collection of cess on all payments made towards the import of technology. The rate of cess is 5 percent. The cess is payable by an industrial concern which imports technology on or before making any payments towards such import. The proceeds of the cess are credited to the Consolidated Fund of India. The cess is levied and collected for the purpose of encouraging the commercial application of indigenously developed technologies and for adapting imported technologies for wider domestic application.

Out of the cess collections, the Government of India, through appropriations made by Parliament, pay to the Fund for Technology Development and Application to be utilized for development and commercialization of indigenous technology and adaptation of imported technology. The Fund is administered by the Technology Development Board.

Cess Collections and Payments (1997-2012)

The following table indicates the year-wise cess collection from 1996-97 (the year in which the Technology Development Board was constituted by the Government) and allocations to TDB and payments to TDB.

Research and Development Cess Collections and Disbursements

(Rs. in crore)

Year	Cess Collection	Allocation to TDB		Actual Payment to
	(CGA's	Budget Estimate	Revised	TDBby Govt.
	(Figures)	(BE)	Estimate (RE)	
1996-97	80.13	30.00	30.00	29.97
1997-98	81.42	70.00	49.93	49.93
1998-99	81.10	50.00	20.00	28.00
1999-00	88.93	70.00	50.00	50.00
2000-01	98.91	70.00	63.00	62.79
2001-02	95.30	63.00	57.00	57.00
2002-03	99.47	58.00	56.00	56.00
2003-04	119.51	55.00	53.65	53.65
2004-05	156.99	54.00	48.10	48.10
2005-06	176.61	43.50	42.65	42.66
2006-07	186.56	33.50	4.90	4.32
2007-08	254.09	63.00	60.00	19.00
2008-09	310.33	20.80	4.67	-
2009-10	418.22	50.00	20.00	-
2010-11	592.22	50.00	50.00	5.00
2011-12	702.54	50.00	50.00	-
Total	3542.33	830.80	659.90	506.42

A total of Rs. 3542.33 crore was collected through R&D cess during the year1996-2012. The Government however has made available to TDB a cumulative sum ofRs. 506.42 crore over the period of 16 years (1996-2012) through Grant-in-aid from non-plan expenditure of Department of Science and Technology.

प्रशासन

वार्षिक रिपोर्ट और परीक्षित लेखे

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 के अध्याय 12 में यह उल्लेख है कि बोर्ड अपनी वार्षिक रिपोर्ट तैयार करेगा जिसमें पिछले वित्तीय वर्ष की गतिविधियों का पूरा वर्णन किया जाएगा। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम के धारा 13 (4) के अनुसार बोर्ड केन्द्र सरकार को लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ अपनी लेखाओं की लेखा परीक्षित प्रति प्रस्तुत करेगा।

टी डी बी की वर्ष 2010-11 की वार्षिक रिपोर्ट सहित वार्षिक लेखों की लेखा परीक्षित प्रति राज्य सभा एवं लोक सभा के पटल पर कमश: दिनांक 26 अगस्त, 2013 और 27 अगस्त, 2013 को रख दी गई है।

टी डी बी सचिवालय

नये पदधारक

- (i) श्री कुलविंदर वर्मा ने दिनांक 11 अक्टूबर, 2011 से अवर सचिव के रुप में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड में कार्यभार ग्रहण किया।
- (ii) श्री निरज केला, ने दिनांक 16 जनवरी, 2012 से निदेशक (वित्त एवं प्रशासन) के रुप में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड में कार्यभार ग्रहण किया।

आयकर छूट

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सी बी डी टी), नई दिल्ली ने टी डी बी को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10/23सी (iv) के तहत आकलन वर्ष 2000-01 और आगे के लिए 18 मई, 2007 के एवं 21 मई, 2007 को जारी अधिसूचना सं. 173/2007 के तहत छूट प्रदान की है।

राजभाषा कार्यान्वयन

टी डी बी ने अपने गठन के समय से सरकार के राजभाषा संबंधी विभिन्न प्रावधानों को कार्यान्वित किया है और अधि सूचनाएं, वार्षिक रिपोर्ट, परियोजना वित्तपोषण दिशा निर्देश, ब्रोशर्स, वाउचर्स इत्यादि को द्विभाषी रुप में मुद्रित किया है। विभिन्न प्रदर्शनियों में दर्शाए जाने वाली प्रदर्शन संबंधी वस्तुओं / पैनलों को हिन्दी एवं अंग्रेजी में तैयार किया गया है।

ADMINISTRATION

Annual Report and Audited Accounts

Section 12 of the Technology Development Board Act, 1995, prescribes that the Board shall prepare its annual report, giving a full account of its activities during the previous financial year. As per section 13(4) of the Technology Development Board Act, the Board has to furnish to the Central Government, its audited copy of accounts together with auditor's report.

The Annual Report, including audited copy of the Annual Accounts of the Technology Development Board for the year 2010-11was laid before Rajya Sabha and Lok Sabha on 26th August, 2013 and 27th August, 2013 respectively.

TDB Secretariat

New Incumbent

- (i) Shri Kulwinder Verma has joined the Technology Development Board as Under Secretary with effect from 11th October, 2011.
- (ii) Shri Niraj Kela has joined the Technology Development Board as Director (Finance & Administration) with effect from 16th January, 2012.

Income Tax exemption

The Central Board of Direct Taxes (CBDT), New Delhi has granted exemption to TDB - u/s 10[23C(iv)] of the Income Tax Act, 1961 for the further period i.e. Assessment Year 2000-01 and onwards vide notification no. 173/2007 dated 18th May, 2007 issued on 21st May 2007.

Implementation of Official Language

The Technology Development Board, since its inception, has implemented various provisions pertaining to the official language of the Union, and had printed Notifications, Annual Reports, Project Funding Guidelines, Brochures, Vouchers etc. in Hindi and English. The exhibits / panels are prepared in Hindi and English for display in various exhibitions.

प्रारंभिक जांच समिति के सदस्य

अग्रवाल अनिता डॉ. वैज्ञानिक 'सी', डी एस टी

आलम निलिमा डॉ. वैज्ञानिक 'सी', डी एस टी

बजाज कमलेश डॉ. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, भारतीय डाटा सुरक्षा संघ

वैज्ञानिक 'एफ', डी एस आई आर

वैज्ञानिक 'एफ', डी एस टी

बसक पी. आर. वैज्ञानिक 'ई', टी आई एफ ए सी

भट ज्योति एस. ए. वैज्ञानिक 'जी', डी एस आई आर

भास्कर इन्दु वैज्ञानिक 'एफ', डी एस आई आर

ब्राकस्पति आर. डॉ. वैज्ञानिक 'जी', एस ई आर सी, डी एस टी

चैनुलू ए. वी. वैज्ञानिक 'एफ', डी एस आई आर

चन्द्र जगदीश डॉ. वैज्ञानिक 'एफ', डी एस टी

चौधरी अंजना वैज्ञानिक 'जी' एवं मुख्य, साईबर सुरक्षा विभाग, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र

गोपाल हरि डॉ. वैज्ञानिक 'जी' एवं मुख्य,एस ई आर सी विभाग, डी एस टी

गोस्वामी गौतम डॉ. वैज्ञानिक 'ई', टी आई एफ ए सी

गुप्ता निमता वैज्ञानिक 'ई', डी एस टी

खान एस. एन. डॉ. वैज्ञानिक 'जी', डी एस टी

कोहली एस. एस. वैज्ञानिक 'एफ', एस ई आर सी, डी एस टी

कुमार विनय वैज्ञानिक 'डी', डी एस आई आर

मल्होत्रा पी. के. डॉ. वैज्ञानिक 'जी', एस ई आर सी, डी एस टी

मोहन चन्दर वैज्ञानिक 'एफ', डी एस टी

मुरली मोहन के. आर. डॉ. वैज्ञानिक 'एफ', एन आर डी एम एस, डी एस टी

रॉय अमिताभ डॉ. वैज्ञानिक 'ई', एस ई आर सी, डी एस टी

समाथानम जी. जे. डॉ. वैज्ञानिक 'जी' एवं प्रमुख, टी डी टी, डी एस टी

तयाल आर. के. वैज्ञानिक 'जी', डी एस टी

वरुण विमल कुमार वैज्ञानिक 'एफ', डी एस आई आर

MEMBERS FOR THE INITIAL SCREENING COMMITTEES

Aggarwal Anita Dr. Scientist – 'C' DST

Alam Neelima Dr. Scientist – 'C' DST

Bajaj Kamlesh Dr. CEO, Data Security Council of India

Banerjee Rita Dr. Scientist 'F', DSIR

Banerjee Sujit Scientist – 'F' DST

Basak P.R. Scientist-'E', TIFAC

Bhaskar Indu Scientist 'F', DSIR

Bhat Jyoti S. A. Scientist-G,DSIR

Brakaspathy R. Dr. Scientist 'G', SERC, DST

Chainulu A. V. Scientist – F, DSIR

Chandra Jagdish Dr. Scientist 'F', DST

Choudhary Anjana Scientist 'G' & Head Cyber Security Division, National Informatics Centre

Gopal Hari Dr. Scientist 'G' & Head, SERC Division, DST

Goswami Gautam Dr. Scientist-'E', TIFAC

Gupta Namita Scientist 'E', DST

Khan S.N. Dr. Scientist 'G', DST

Kohli S. S. Scientist 'F', SERC, DST

Kumar Vinay Scientist-D, DSIR

Malhotra P. K. Dr. Scientist 'G', SERC, DST

Mohan Chander Scientist-'F', DST

Murali Mohan K. R. Dr. Scientist – F, NRDMS, DST

Roy Amitava Dr. Scientist 'E', SERC, DST

Samathanam G.J. Dr. Scientist-'G'& Head, TDT, DST

Tayal R.K. Scientist 'G', DST

Varun Vimal Kumar Scientist – 'F' DSIR

परियोजना मूल्यांकन एवं परियोजना अनुविक्षण समितियों के विशेषज्ञों के नाम

अग्रवाल गोपाल पी. प्रोफे. राष्ट्रीय समन्वयक, जैवरासायन अभियांत्रिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग, आई आई टी

दिल्ली

आहुजा ए. सी. पूर्व सी एम डी, आई एफ सी आई, नई दिल्ली

आहुजा जसविंदर एस. कॉर्पोरेट उप अध्यक्ष एवं एम डी, केडेन्स डिजाईन सिस्टम इंडिया प्राईवेट लिमिटेड,

नोयडा

आर्या कवि प्रोफे. एसोसिएट प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, आई आई टी मुम्बई

बाबु पी. प्रकाश डॉ. मुख्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद

भार्गव बलराम डॉ. प्रोफेसर, कार्डियो-थोरासिस विज्ञान केन्द्र, ए आई आई एम एस, नई दिल्ली

भूटानी के. के. प्रोफे. कार्यकारी निदेशक, एन आई पी ई आर, पंजाब

ब्रूहदेश्वर बेजावदा डॉ. सहायक प्रोफेसर, आई आई आई टी, हैदराबाद

चन्दोरकर मुकुल डॉ. प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, आई आई टी बम्बई

चट्टोपाध्याय पी. पी. डॉ. अतिरिक्त प्रोफेसर, जैवरासायन विभाग, ए आई आई एम एस, नई दिल्ली

चन्द्र बाबु एन. सरत डॉ. एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, सी-डी ए सी, बैगलोर

चौधरी एम. सी. पूर्व निदेशक (तकनीकी), टी सी आई एल, नई दिल्ली

चेकर ए. के. डॉ. मुख सलाहकार, उत्पादन, ब्रह्मोस एइरोस्पेस डी आर डी एल, हैदराबाद

चौधरी अंजना वैज्ञानिक 'जी' एवं मुख्य, साईबर सुरक्षा विभाग, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र

देसाई योगेश एम. प्रोफे. मुख्य, सिविल इंजिनीयरिंग विभाग, आई आई टी बम्बई

गांगुली एन. के. डॉ. भूतपूर्व डी जी, आई सी एम आर, नई दिल्ली

गन्टायेट एल. एम. डॉ. प्रतिष्ठित वैज्ञानिक एवं निदेशक, बी ए आर सी, मुम्बई

गौतम धीरज डॉ. हिस्टोपैथोलॉजी प्रमुख, मेदान्ता अस्पताल, गुडुगांव

गोयल वी. के. डॉ. भूतपूर्व तकनीकी सलाहकार, डी आई पी पी, नई दिल्ली

गोपालन एस. पूर्व -ई डी, आई डी बी आई, चेन्नई

EXPERTS FOR THE PROJECT EVALUATION AND PROJECT MONITORING COMMITTEES

Adsule P. G. Dr. Director, National Research Centre for Grapes, (ICAR), Pune

Agarwal Gopal P. Prof. National Coordinator, Department of Biochemical Engineering &

Biotechnology, IIT- Delhi

Ahuja A. C. Former CMD, IFCI, New Delhi

Ahuja Jaswinder S. Corporate Vice President &MD, Cadence Design System India Pvt.

Ltd., Noida

Arya Kavi Prof. Associate Professor, Computer Science & Engineering Department, IIT

Mumbai

Babu P. Prakash Dr. Head, Department of Biotechnology, University of Hyderabad,

Hyderabad

Bhargava Balram Dr. Professor, Cardio-Thoracic Sciences Centre, AIIMS, New Delhi

Bhutani K. K. Prof. Officiating Director, NIPER, Punjab

Bruhadeshwar Bezawada Dr. Assistant Professor, IIIT, Hyderabad

Chandorkar Mukul Dr. Professor, Dept. of Electrical Engg., IIT Bombay

Chattopadhyay P.P. Dr. Additional Professor, Dept. of Biochemistry, AIIMS, New Delhi

Chandra Babu N. Sarat Dr. Executive Director, C-DAC, Bangalore

Chaudhary M.C. Former Director (Technical), TCIL, New Delhi

Checker A.K. Dr. Chief Consultant Production, Brahmos Aerospace DRDL, Hyderabad

Choudhary Anjana Scientist 'G'&Head, Cyber Security Division, NIC, New Delhi

Desai Yogesh M. Prof. Head, Dept. of Civil Engg., IIT Bombay

Ganguly N.K. Dr. Former DG, ICMR, New Delhi

Gantayet L.M. Dr. Distinguished Scientist and Director, BARC, Mumbai

Gautam Dheeraj Dr. Head of Histopathology, Medanta Hospital, Gurgaon

Goel V. K. Dr. Former Technical Advisor, DIPP, New Delhi

Gopalan S. Ex-ED, IDBI, Chennai

गुप्ता दीपक प्रोफे. प्रोफेसर, मृदा एवं तत्वीय अभियांत्रिकी, आई आई टी कानपुर

हसनैन एस. डॉ. कुलपित, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद

जैन विजेन्द्र नाथ प्रोफे. कुलपित, बी आई टी एस, पिलानी, राजस्थान

जैन के. के. डॉ. मुख्य, एन पी एल, नई दिल्ली

जानकीरमण पी. ए. डॉ. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, आई आई टी मद्रास, चेन्नई

जमदग्नी एच. एस. डॉ. प्रोफेसर, इलेक्ट्रोनिक डिजाईन एवं तकनीकी केन्द्र, आई आई एस सी, बैगलोर

झुनुझुनवाला अशोक प्रोफे. प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, आई आई टी मद्रास, चेन्नई

करलापालेम कमल डॉ. प्रोफेसर, आई आई आई टी, हैदराबाद

कौल वीणा डॉ. एसोसिएट प्रोफेसर, जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी केन्द्र, आई आई टी दिल्ली

कृष्णन लिस्सी डॉ. वैज्ञानिक 'जी', श्री चित्रा तिरुनल चिकित्सा विज्ञान एवं तकनीकी संस्थान, तिरुवनन्तपुरम

कृष्णा मुरली जी. डॉ. वैज्ञानिक / मुख्य बी एंड पी, केन्द्रीय खाद्य तकनीकी खोज संस्थान (सी एफ टी आर

आई), मैसूर

कृष्णन एस. बी. भूतपूर्व सचिव, टी डी बी, नई दिल्ली

लोगानाथन डी. प्रोफे. प्रोफेसर, रासायन विभाग, आई आई टी मद्रास, चेन्नई

मेनन ए. एस. अध्यक्ष एवं एम डी, नेटेलेवेब कन्सलटेन्सी प्राईवेट लिमिटेड, कोची

मिश्रा अम्बिकानन्दन डॉ. मुख्य, फार्मेसी विभाग, तकनीकी एवं अभियांत्रिकी कलाभवन फैकल्टी, एम एस बरौदा

विश्वविद्यालय

मुर्ति वी. एस. आर. ग्रुप निदेशक, सुजाना ग्रुप ऑफ कम्पनीज, सिकन्दराबाद

मुथु एम. वी. भूतपूर्व ई डी, आई एफ सी आई, बैंगलोर

नायडु कृष्णा मुर्ति महाप्रबंधक (अभियांत्रिकी), अमारा राजा पॉवर सिस्टम्स लिमिटेड, तिरुपति

नीलाकन्थन के. एस. डॉ. हृदय एवं वक्ष सर्जन एवं सलाहकार, श्री उत्रादम तिरुनल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल,

त्रिवेन्द्रम

पांडा प्रीती रंजन डॉ. कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग, आई आई टी दिल्ली

प्रह्लाद डॉ. प्रतिष्ठित वैज्ञानिक एवं मुख्य नियंत्रक आर एंड डी (एस आई), डी आर डी ओ, नई

दिल्ली

प्रसाद डी. आई. पूर्व में आई डी बी आई हैदराबाद के साथ

प्रसाद आर. एन. डॉ. उप निदेशक एवं मुख्य, गुणवत्ता नियंत्रण, राष्ट्रीय जैवविज्ञानी संस्थान, नोयडा

Gupta Deepak Prof. Professor, Dept. of Materials and Metallurgical Engineering, IIT Kanpur

Hasnain S. Dr. Vice–Chancellor, Univ. of Hyderabad, Hyderabad

Jain Bijendra Nath Prof. Vice- Chancellor, BITS, Pilani, Rajasthan

Jain K.K. Dr. Head, NPL, New Delhi

Janakiraman P. A. Dr. Dept. of Electrical Engg., IIT Madras, Chennai

Jamdagni H.S. Dr. Professor, Centre for Electronic Design & Technology, IISc., Bangalore

Jhunjhunwal Ashok Prof. Professor, Department of Electrical Engineering, IIT Madras, Chennai

Karlapalem Kamal Dr. Professor, IIIT, Hyderabad

Kaul Veena Dr. Associate Professor, Centre for Bio-Medical Engineering, IIT Delhi

Krishnan Lissy Dr. Scientist G, SreeChitraTirunal Institute of Medical Sciences &

Technology, Thiruvananthapuram

Krishna Murali G. Dr. Scientist/ Head B&P, Central Food Technological Research Institute

(CFTRI), Mysore

Krishnan S.B. Former Secretary, TDB, New Delhi

Loganathan D. Prof. Professor, Department of Chemistry, IIT Madras, Chennai

Menon A.S. Chairman & MD, Netteleweb Consultancy Pvt. Ltd., Cochi

Mishra Ambikanandan Dr. Head, Pharmacy Department, Faculty of Technology &

EngineeringKalabhavan, MS University of Baroda

Murthy V.S.R. Group Director, Sujana Group of Companies, Secundrabad

Muthu M. V. Former ED, IFCI, Bangalore

Naidu Krishna Murthy General Manager (Engineering), Amara Raja Power Systems Ltd,

Tirupati

Neelakandhan K. S. Dr. Consultant Cardiovascular & Thoracic Surgeon, Sri UttradamTirunal

Super Spcl. Hospital, Trivandrum

Panda Preeti Ranjan Dr. Department of Computer Science and Engineering, IIT Delhi

PrahladaDr. Distinguished Scientist& Chief Controller R&D (SI)DRDO, New Delhi

Prasad D. I. Formerly with IDBI Hyderabad

Prasad R. N. Dr. Dy. Director & Head, Quality Control, National Institute of Biologicals,

Noida

प्रताप राम डॉ. वैज्ञानिक 'जी', सी डी आर आई, लखनऊ

काजी जी. एन. डॉ. कुलपित, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली

राघवन के. वी. डॉ. प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, आई आई सी टी, हैदराबाद

रघुनाथन एस. भूतपूर्व उप निदेशक, राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग एजेन्सी, सिकन्दराबाद

रामाकृष्णन गायत्री डॉ. मुख्य, कैंसर जीवविज्ञान प्रयोगशाला, सेंटर फॉर डी एन ए फिंगरप्रिंटिंग एंड डायग्नोस्टिक्स

(सी डी ए फ डी), हैदराबाद

रामाकृष्णन एस. डॉ. भूतपूर्व डी जी, सी-डैक, दिल्ली

रामानाधम एम. प्रोफे. डीन, स्कूल ऑफ लाइफ साइन्सेज, हैदराबाद विश्वविद्यालय

राव डी. एन. डॉ. प्रोफेसर, जैवरासायन विभाग, आई आई एस सी, बैंगलोर

राव एन. मधुसूदन डॉ. सेंटर फॉर सेल्लूलर एंड मोलिक्यूलर बायोलॉजी, हैदराबाद

सदागोपन एस. प्रोफे. निदेशक, आई आई आई टी, बैंगलोर

सागर विद्या के. डॉ. भूतपूर्व वैज्ञानिक, डी एफ आर एल, हैदराबाद

सिंह टी. पी. डॉ. प्रतिष्ठित प्रोफेसर जैवतकनीकी अनुसंधान, जैवभौतिकी विभाग, ए आई आई एम एस, नई

दिल्ली

श्रीनिधि सारगुर एम. डॉ. सी ई ओ, प्रोमेथिअस कन्सल्टिंग, बैंगलोर

श्रीवास्तव रोहित डॉ. एसोसिएट प्रोफेसर, जैविवज्ञान एवं जैवअभियांत्रिकी विभाग, आई आई टी बम्बई

श्रीवास्तव यू. के. डी डी जी, टी ई सी, नई दिल्ली

थंगाराज के. डॉ. जेनेरल लीडर, सी सी एम बी, हैदराबाद

त्रिपाठी के. के. डॉ. सलाहकार (डी बी टी) एवं सदस्य सचिव, नई दिल्ली

वार्सनेय के. सी. भूतपूर्व ई डी, आई डी बी आई, नई दिल्ली

विद्यासागर के. डॉ. भूतपूर्व वैज्ञानिक, रक्षा खाद्य तकनीकी खोज प्रयोगशाला, मैसूर

विश्वेश्वरन जी. एस. प्रोफे. प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, आई आई टी दिल्ली

यादव जे. एस. डॉ. निदेशक, आई आई सी टी, हैदराबाद

Pratap Ram Dr. Scientist 'G', CDRI, Lucknow

Qazi G.N. Dr. Vice-Chancellor, JamiaHamdard, New Delhi

Raghavan K.V. Dr. Distinguished Professor, IICT, Hyderabad

Raghunathan S. Former Dy.Director, National Remote Sensing Agency, Secunderabad

Ramakrishnan Gayathri Dr. Head, Laboratory of Cancer Biology, Center for DNA Fingerprinting and

Diagnostics (CDFD), Hyderabad

Ramakrishnan S. Dr. Ex-DG, C-DAC, Delhi

Ramanadham M. Prof. Dean, School of Life Sciences, University of Hyderabad, Hyderabad

Rao D.N. Dr. Professor, Department of Biochemistry, IISc. Bangalore

Rao N. Madhusudhana Dr. Centre for Cellular & Molecular Biology, Hyderabad

Sadagopan S. Prof. Director, IIIT, Bangalore

Sagar Vidya K. Dr. Ex-Scientist, DFRL, Hyderabad

Singh T. P. Dr. Distinguished Biotechnology Research Professor, Department of

Biophysics, AIIMS, New Delhi

Srinidhi Saragur M. Dr. CEO, Prometheus Consulting, Bangalore

Srivastava Rohit Dr. Associate Professor, Department of Biosciences & Bioengineering, IIT

Bombay

Srivastava U.K. DDG, TEC, New Delhi

Thangaraj K. Dr. Gr. Leader, CCMB, Hyderabad

Tripathi K. K. Dr. Adviser (DBT) & Member Secretary, New Delhi

Varshney K. C. Former ED, IDBI, New Delhi

Vidyasagar K. Dr. Former Scientist, Defence Food Technological Research Laboratory,

Mysore

Visweswaran G. S. Prof. Professor, Dept. of Electrical Engg., IIT Delhi

Yadav J. S. Dr. Director, IICT, Hyderabad

उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति (एच एल ई सी) के विशेषज्ञों के नाम

अग्रवाल एस. पी भूतपूर्व - जी. एम., बैंक आफ बरौदा, नई दिल्ली

अमरनाथ सी. प्रोफ. मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, आई आई टी बम्बई

बावादेकर प्रदीप डॉ. एम. डी., मैसर्स एम. आई. टी. सी. ओ. एन. कन्सलटैन्सी एंड इंजीनियरिंग सर्विसेज

लिमिटेड, पूने

चौधरी एम. सी. भूतपूर्व निदेशक (तकनीकी), टी. सी. आई. एल., नई दिल्ली

गांगुली एन. के. डॉ. भूतपूर्व डी जी, आई सी एम आर, नई दिल्ली

गोपालन एस. पूर्व -ई डी, आई डी बी आई, चेन्नई

गुहाथाकुर्ता सोमा डॉ. एड्जूटेन्ट प्रोफेसर, इंजीनियरिंग डिजायन विभाग, आई आई टी मद्रास

झुनझुनवाला अशोक प्रोफे. आई आई टी मद्रास, चेन्नई

काकोदकर अनिल डॉ. भूतपूर्व सचिव, भारत सरकार

मुर्ति वी. एस. आर. युप निदेशक, सुजाना युप ऑफ कम्पनीज, सिकन्दराबाद

काजी जी. एन. डॉ. कुलपति, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली

राघवन के. वी. डॉ. आई आई सी टी, हैदराबाद

रामाकृष्णन एस. डॉ. भूतपूर्व डी. जी., सी-डी. ए. सी, दिल्ली

राव एस. चन्दर डॉ. वैज्ञानिक, फसल सुरक्षा (वनस्पित-रोगिवज्ञान), तिलहन अनुसंधान निदेशालय, जैवतकनीकी

विभाग, हैदराबाद

रत्तन वी. के. प्रोफे. भूतपूर्व अध्यक्ष एवं प्रोफेसर, यू. आई. सी. ई. टी., पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़

सिद्दीकी एम. ए. ए. डॉ. प्रोफेसर एवं मुख्य वैज्ञानिक, कश्मीर का कृषि विज्ञान एवं तकनीकी कर एस. के.

विश्वविद्यालय

सिंधु एस. एस. डॉ. मुख्य वैज्ञानिक (फ्लोरीकल्चर), आई. ए. आर. आई., नई दिल्ली

श्रीकान्त डॉ. नेत्र विज्ञान विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, वारानसी

वर्मा निशिथ डॉ. प्रोफेसर एवं समन्वयक, रसायन अभियांत्रिकी विभाग, आई. आई. टी कानपुर

EXPERTS FOR THE HIGH LEVEL EXPERT COMMITTEE (HLEC)

Agarwal S. P. Ex-GM, Bank of Baroda, New Delhi

Amarnath C. Prof. Dept. of Mech. Engg., IIT Bombay

Bavadekar Pradeep Dr. MD, M/s MITCON Consultancy & Engineering Services Ltd., Pune

Chaudhary M. C. Former - Director (Tech.), TCIL, New Delhi

Ganguly N. K. Dr. Ex-DG, ICMR, New Delhi

Gopalan S. Former-ED, IDBI, Chennai

Guhathakurta Soma Dr. Adjutant Professor, Dept. of Engg. Design, IIT Madras

Jhujhunwala Ashok Prof. IIT Madras, Chennai

Kakodkar Anil Dr. Ex-Secretary, Govt. of India

Murthy V. S. R. Group Director, Sujana Group of Companies, Secunderabad

Qazi G. N. Dr. Vice Chancellor, JamiaHardard, New Delhi

Raghavan K. V. Dr. IICT, Hyderabad

Ramakrishnan S. Dr. Ex-DG, C-DAC, Delhi

Rao S. Chander Dr. Scientist, Crop Protection (Plant Pathology), Dept. of Biotechnology,

Directorate of Oilseeds Research, Hyderabad

Rattan V. K. Prof. Ex – Chairman and Professor, UICET, Punjab University Chandigarh

Siddique M. A. A. Dr. Professor cum Chief Scientist, SK University of Agriculture Sciences &

Technology of Kashmir

Sindhu S. S. Dr. Principal Scientist (Floriculture), IARI, New Delhi

Srikant Dr. Department of Ophthalmology, Institute of Medical Sciences, Banaras

Hindu University, Varanasi

Verma Nishith Dr. Professor & Coordinator, Department of Chemical Engineering, IIT Kanpur

वर्ष 2011-12 के लिए प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की लेखाओं का लेखा परीक्षित वार्षिक विवरण

AUDITED ANNUAL STATEMENT OF ACCOUNTS OF THE

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD FOR THE YEAR 2011-12

31 मार्च, 2012 की स्थितिनुसार तुलन-पत्र

(राशि रु. में)

कॉरपस / कैपिटल फंड और दायित्व	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
कॉरपस / कैपिटल फंड	1	7,12,90,29,301	7,04,02,23,833
रिजर्व और सरप्लस	2	-	-
निर्धारित / इनडॉवमेंट फंड	3	2,25,71,01,477	1,93,28,26,989
सुरक्षित ऋण और लेनदारी	4	-	-
असुरक्षित ऋण और लेनदारी	5	-	-
आस्थगित क्रेडिट दायित्व	6	-	-
वर्तमान दायित्व और प्रावधान	7	310,41,740	15,99,654
कुल		9,41,71,72,518	8,97,46,50,476
परिसम्पत्तियाँ			
निर्धारित परिसम्पत्तियाँ	8	62,55,859	68,82,064
निर्धारित इनडॉवमेंट फंड में निवेश	9	2,25,71,01,477	1,93,28,26,989
निवेश — अन्य	10	1,30,40,21,711	1,24,64,46,001
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम इत्यादि	11	5,84,97,93,471	5,78,84,95,422
विविध खर्चे (छूट न दिए जाने अथवा समायोजित न किए जाने की सीमा तक)		-	-
कुल		9,41,71,72,518	8,97,46,50,476
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	24	-	-
आकस्मिक दायित्व और लेखों पर टिप्पणियाँ	25	-	-

(नीरज केला) निदेशक प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (हरकेष मित्तल) सचिव प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डॉ. टी रामासामी) अध्यक्ष प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

BALANCE SHEET AS ON 31stMarch 2012

Corpus/ Capital Fund And Liabilities	Schedule	Current Year	Previous Year
Corpus/Capital Fund	1	7,12,90,29,301	7,04,02,23,833
Reserves and Surplus	2	-	-
Earmarked / Endowment Funds	3	2,25,71,01,477	1,93,28,26,989
Secured Loans and Borrowings	4	-	-
Unsecured Loans and Borrowings	5	-	-
Deferred Credit Liabilities	6	-	-
Current Liabilities and Provisions	7	310,41,740	15,99,654
TOTAL		9,41,71,72,518	8,97,46,50,476
ASSETS			
Fixed Assets	8	62,55,859	68,82,064
Investments- From Earmarked/ Endowment Funds	9	2,25,71,01,477	1,93,28,26,989
Investments- Others	10	1,30,40,21,711	1,24,64,46,001
Current Assets, Loans, Advances etc.	11	5,84,97,93,471	5,78,84,95,422
Miscellaneous Expenditure (to the extent not written off or adjusted)		-	-
TOTAL		9,41,71,72,518	8,97,46,50,476
Significant Accounting Policies	24	-	-
Contingent Liabilities and Notes on Accounts	25	-	-

31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष की प्राप्तियां एवं भुगतान का लेखा

(राशि रु. में)

आय	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
बिकी / सेवाओं से आय	12		
अनुदान / सब्सिडी	13	-	500,00,000
फीस / अंशदान	14		
निवेश से आय (ईयरमार्क्ड / इनडोव में निवेश पर आय)	15		
राजस्व, प्रकाशन आदि से आय	16	8,32,016	58,20,551
अर्जित ब्याज	17	3122,66,144	4521,63,582
अन्य आय	18	21,86,408	27,03,972
पूर्ण हो चुकी और चल रही मदों में वृद्धि / गिरावट	19		
कुल (क)		3152,84,568	5106,88,105
व्यय			
स्थापना व्यय	20	122,27,958	148,01,296
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	541,69,059	430,40,169
अनुदान, सब्सिडी इत्यादि पर व्यय	22	1040,00,000	391,90,629
ब्याज	23		
मूल्यह्नास (अनुसूची 8 के तदनुसार वर्ष के अंत तक सकल योग)		8,35,999	7,35,652
कुल (ख)		1712,33,016	977,67,746
व्यय पर आय में अधिकता (क—ख)		1440,51,552	4129,20,359
पहले की अवधि का समायोजन		(552,46,084)	
जनरल रिजर्व में स्थानांतरण		-	-
कॉरपस फंड में दिया गया अतिरिक्त शेष		888,05,468	4129,20,359
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	24		
आकस्मिक दायित्व और लेखों पर टिप्पणियाँ	25		

(नीरज केला) निदेशक प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (हरकेष मित्तल) सचिव प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डॉ. टी रामासामी) अध्यक्ष प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Income and Expenditure Accounts For The Year Ended 31st March, 2012

(Amount in Rupees)

INCOME	Schedule	Current Year	Previous Year
Income from Sales/ Services	12		
Grants / Subsidies	13	-	500,00,000
Fees/ Subscriptions	14		
Income from Investments (Income on Invest. from earmarked/endow.	15		
Income from Royalty, Publication etc.	16	8,32,016	58,20,551
Interest Earned	17	3122,66,144	4521,63,582
Other Income	18	21,86,408	27,03,972
Increase / (decrease) in stock of Finished goods and works-in-progress	19		
TOTAL (A)		3152,84,568	5106,88,105
<u>EXPENDITURE</u>			
Establishment Expenses	20	122,27,958	148,01,296
Other Administrative Expenses etc.	21	541,69,059	430,40,169
Expenditure on Grants, Subsidies etc.	22	1040,00,000	391,90,629
Interest	23		
Depreciation (Net Total at the year-end - corresponding to Schedule -8)		8,35,999	7,35,652
TOTAL (B)		1712,33,016	977,67,746
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)		1440,51,552	4129,20,359
Prior Period Adjustments		(552,46,084)	
Transfer to General Reserve		-	-
BALANCE BEING SURPLUS CARRIED TO CORPUS FUND		888,05,468	4129,20,359
Significant Accounting Policies	24		
Contingent Liabilities and Notes on Accounts	25		

(NIRAJ KELA)
DIRECTOR
TECHNOLOGY DEVELOPMENTBOARD

(HARKESH MITTAL)
SECRETARY
TECHNOLOGY DEVELOPMENTBOARD

(DR. T. RAMASAMI)
CHAIRPERSON
TECHNOLOGY DEVELOPMENTBOARD

31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष की प्राप्तियां एवं भुगतान का लेखा

(राशि रु. में)

प्राप्ति	यां	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
आरंभि	क शेष		
	लघु अवधि जमा में निवेश	8795,00,000	10360,00,000
	सुलभ नकद	32,103	76,877
	बैंक में नकद	1141,67,847	352,70,239
	पलेक्सी अकाउंट	67,84,561	63,53,358
प्रौद्योि	गेकी विकास एवं आवेदन के लिए फंड		
i)	टी डी फंड	-	500,00,000
ii)	लघु अवधि जमा पर ब्याज	865,89,504	619,52,290
iii)	ऋण पर ब्याज	987,02,688	766,46,807
iv)	राजस्व पर ब्याज	1,868	41,860
v)	अनुदान पर ब्याज	44,08,060	7,82,805
vi)	ऋण की अदायगी	3993,79,674	3495,86,631
vii)	राजस्व	8,32,016	58,17,551
viii)	दान	9,999	-
ix)	आई डी बी आई के वी सी एफ का स्थानांतरण		-
x)	विविध प्राप्तियां	18,493	58,942
xi)	सिक्यूरिटि प्राप्ति / अग्रिम	50,000	20,130
xii)	स्त्रोत पर आयकर वसूली की कटौती	18,78,662	16,07,015
xiii)	वेतन से वसूली	5,90,782	8,32,056
xiv)	आई टी वी यू एस (यू टी आई)		
xv)	यू टी आई – एसेन्ट इंडिया फंड	330,74,290	648,77,964
xvi)	आर वी सी एफ		98,18,376
xvii)	डिविडेंड	4,385	26,45,030
xviii	वेंचर फंड से आय	21,53,531	
कुल		16281,78,463	17023,87,931

(नीरज केला) निदेशक प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (हरकेष मित्तल) सचिव प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डॉ. टी रामासामी) अध्यक्ष प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Receipts and Payments Accounts For The Year Ended 31st March, 2012

Amount in Rupees

RECEIPTS		Current Year	Previous Year
Opening Balance:			
Investment in short ter	rm deposits	8795,00,000	10360,00,000
Cash in hand		32,103	76,877
Cash at bank		1141,67,847	352,70,239
Flexi Account		67,84,561	63,53,358
Fund for Technology Devel	opment & Application		
i) TD Fund		1	500,00,000
ii) Interest on short term	deposits	865,89,504	619,52,290
iii) Interest on loans		987,02,688	766,46,807
iv) Interest on royalty		1,868	41,860
v) Interest on grants		44,08,060	7,82,805
vi) Repayment of loans		3993,79,674	3495,86,631
vii) Royalty		8,32,016	58,17,551
viii) Donations		9,999	ı
ix) Transfer from VCF of	IDBI		-
x) Miscellaneous receipt	S	18,493	58,942
xi) Security Received / A	dvance	50,000	20,130
xii) Recoveries towards In	come Tax deducted at source	18,78,662	16,07,015
xiii) Recoveries from salar	ies	5,90,782	8,32,056
xiv) ITVUS(UTI)			
xv) UTI_Ascent India Fur	nd	330,74,290	648,77,964
xvi) RVCF			98,18,376
xvii) Dividend		4,385	26,45,030
xviii Income from venture	fund	21,53,531	
TOTAL		16281,78,463	17023,87,931

(NIRAJ KELA)
DIRECTOR
TECHNOLOGY DEVELOPMENTBOARD

(HARKESH MITTAL)
SECRETARY
TECHNOLOGY DEVELOPMENTBOARD

(DR. T. RAMASAMI)
CHAIRPERSON
TECHNOLOGY DEVELOPMENTBOARD

31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष की प्राप्तियां एवं भुगतान

भुगता	т	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
स्थापन	ग व्यय		
i)	वेतन	116,77,219	133,65,246
ii)	मजदूरी		
iii)	यात्रा व्यय (घरेलू)	29,66,699	35,44,125
iv)	यात्रा व्यय (विदेश)	4,64,312	47,972
v)	पारिश्रमिक	21,000	1,93,500
vi)	समयोपरि भत्ता	16,229	32,032
vii)	चिकित्सा व्यय	1,40,614	3,43,173
viii)	प्रतिनियुक्ति के लिए पेंशन अंशदान	9,32,761	26,34,312
xviii)	वर्दी एवं लिवरीज	-	-
कार्या	नय व्यय		
i)	टेलीफोन / टेलेक्स	3,69,175	5,13,850
ii)	डाक टिकट	1,11,779	1,39,943
iii)	पेट्रोल, तेल, लूब्रीकेन्टस	1,12,085	1,35,264
iv)	मरम्मत एवं रख–रखाव	3,75,934	4,16,483
v)	उपभोज्य स्टोर्स एवं छपाई	15,59,034	22,73,696
vi)	समाचार पत्र एवं पत्रिका	11,269	8,962
vii)	मनोरंजन एवं अतिथि सत्कार	30,55,550	2,36,753
viii)	परिवहन		
ix)	विज्ञापन एवं प्रचार	104,96,049	120,90,487
x)	किराया (कार्यालय)		
xi)	विविध व्यय	13,02,923	12,21,037
xii)	सुरक्षा जमा		

Receipts and Payments Accounts For The Year Ended 31st March, 2012

Paym	ents	Current Year	Previous Year
ESTA	BLISHMENT EXPENSES		
i)	Salaries	116,77,219	133,65,246
ii)	Wages		
iii)	Travel Expenses (Domestic)	29,66,699	35,44,125
iv)	Travel Expenses (Abroad)	4,64,312	47,972
v)	Honorarium	21,000	1,93,500
vi)	Over Time Allowance	16,229	32,032
vii)	Medical Expenses	1,40,614	3,43,173
viii)	Pension Contribution for Deputationists	9,32,761	26,34,312
xviii)	Liveries & Uniform	-	-
OFFI	CE EXPENSES		
i)	Telephone / Telex	3,69,175	5,13,850
ii)	Postage stamps	1,11,779	1,39,943
iii)	Petrol, Oil, Lubricants	1,12,085	1,35,264
iv)	Repairs & Maintenance	3,75,934	4,16,483
v)	Consumable Stores & Printing	15,59,034	22,73,696
vi)	Newspapers & Magazines	11,269	8,962
vii)	Entertainment & Hospitality	30,55,550	2,36,753
viii)	Conveyance		
ix)	Advertisement & Publicity	104,96,049	120,90,487
x)	Rent (Office)		
xi)	Miscellaneous Expenses	13,02,923	12,21,037
xii)	Security Deposits		

	भुगतान	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
xiii)	रष्ट्रीय पुरस्कार	20,00,000	36,00,000
xiv	पुस्तकालय किताबें एवं जरनल्स	10,922	3,273
xv)	पेशगी जमा राशि का पुनः भुगतान		
xvi)	विधि प्रभार	32,43,693	12,83,126
xvii)	परिसम्पत्ति प्रबंधन प्रभार	81,73,420	122,39,379
xix)	कोर्ट शुल्क		
xx)	लेखा परीक्षा शुल्क	73,945	2,27,266
xxi	स्टाफ सदस्यों को अग्रिम	87,130	-
xxii	वसूली की गई राशि	1,966	-
xxiii	सुरक्षा जमा की वापसी	-	-
बोर्ड व	पय		
i)	सदस्यों का टी. ए./डी. ए.	3,200	44,300
ii)	पारिश्रमिक	13,62,169	8,34,500
iii)	बोर्ड की बैठक का व्यय	91,306	17,832
iv)	विशेषज्ञों का टी. ए. / डी. ए.	24,27,307	14,51,115
पूंजीगत	त व्यय		
i)	उपस्कर / उपकरण / मशीनरी	1,53,918	1,98,882
ii)	फर्नीचर एवं फिक्सचर	5,300	69,163
iii)	वहन		
	स्त्रोत से आयकर कटौती का प्रेषण	20,17,287	20,46,864
	अन्य विभागों क रिकवरी का प्रेषण	5,90,782	8,32,056
टी डी	एफ से वितरण		
i)	ऋण	3226,94,000	5163,69,000
ii)	अनुदान	1040,00,000	391,90,629
	ख) अन्य एजेंसियां		-
iii)	इक्विटी	245,00,000	-
iv)	आई टी वी यू एस (यू टी आई)		-

Paym	nents	Current Year	Previous Year
xiii)	National Award	20,00,000	36,00,000
xiv	Library Books & Journals	10,922	3,273
xv)	Refund of earnest money Deposit		
xvi)	Legal Charges	32,43,693	12,83,126
xvii)	Asset Management Charges	81,73,420	122,39,379
xix)	Court fee		
xx)	Audit Fee	73,945	2,27,266
xxi	Advance to staff members	87,130	-
xxii	Amount recoverable	1,966	-
xxiii	Security refunded	-	-
BOA	RD EXPENSES		
i)	TA / DA to Members	3,200	44,300
ii)	Honorarium Experts	13,62,169	8,34,500
iii)	Board Meeting Expenses	91,306	17,832
iv)	TA / DA to Experts	24,27,307	14,51,115
CAPI	ITAL EXPENDITURE		
i)	Equipment / Apparatus / Machinery	1,53,918	1,98,882
ii)	Furniture & Fixtures	5,300	69,163
iii)	Vehicle		
	Remittance of Income Tax deducted at source	20,17,287	20,46,864
	Remittance of recoveries to other deptts.	5,90,782	8,32,056
DISI	BURSEMENTS FROM TDF		
i)	Loans	3226,94,000	5163,69,000
ii)	Grants	1040,00,000	391,90,629
	(b) Other Agencies		-
iii)	Equity	245,00,000	-
iv)	ITVUS (UTI)		-

भुगता	т	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
v)	एसेन्ट इंडिया फंड (यू टी आई वी एफ एम)		-
vi	ए पी आई डी सी वेंचर कैपिटल फंड		
vii)	वेंचर ईस्ट टीनेट फंड II	-	487,99,200
viii)	जी वी एफ एल वेंचर फंड	187,50,000	
ix)	आर वी सी एफ	-	375,00,000
x)	जी आई टी ए	49,00,000	
xi)	एस आई डी बी आई वी सी एफ	100,00,000	
अंतशेष	4		
i)	सुलभ नकद	97,126	32,103
ii)	बैंक में लघु अवधि जमा	10000,00,000	8795,00,000
iii)	बचत खाता में	820,49,756	1141,67,847
iv)	फ्लेक्सी खाता में	73,32,604	67,84,561
कुल		16281,78,463	17023,87,931

(नीरज केला) निदेशक प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (हरकेष मित्तल) सचिव प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डॉ. टी रामासामी) अध्यक्ष प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Paym	nents	Current Year	Previous Year
v)	Ascent India Fund(UTI VFM)		-
vi	APIDC Venture Capital Fund		
vii)	Venture East TeNet Fund II	-	487,99,200
viii)	GVFL Venture Fund	187,50,000	
ix)	RVCF	-	375,00,000
x)	GITA	49,00,000	
xi)	SIDBI VCF	100,00,000	
Closi	ng Balance		
i)	Cash in hand	97,126	32,103
ii)	Short term deposits with banks	10000,00,000	8795,00,000
iii)	In Saving Account	820,49,756	1141,67,847
iv)	In Flexi Account	73,32,604	67,84,561
TOTA	AL	16281,78,463	17023,87,931

31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

	वर्तमान वर्ष		पिछला	वर्ष
अनुसूची 1 – कॉरपस / कैपिटल फंड				
वर्ष के प्रारंभ में शेष	70402,23,833		66273,03,474	
जमाः कॉरपस / कैपिटल फंड में अंशदान	-			
जमाः आय और व्यय लेखे से स्थानांतरित सकल आय का शेष	888,05,468		4129,20,359	
वर्ष के अंत में शेष		71290,29,301		70402,23,833

	व	वर्तमान वर्ष		वर्ष
अनुसूची 2 – रिजर्व और आपूर्तिः				
 कैपिटल रिजर्वः पिछले एकाउंट के अनुसार वर्ष के दौरान जमा घटाः वर्ष के दौरान कटौती 		- - -	, ' ' '	
पूनर्मूल्यांकन रिजर्वः पिछले एकाउंट के अनुसार वर्ष के दौरान जमा घटाः वर्ष के दौरान कटौती	- - -			
विशेष रिजर्वः पिछले एकाउंट के अनुसार वर्ष के दौरान जमा घटाः वर्ष के दौरान कटौती 10	- - -	- - -	- - -	-
4. सामान्य रिजर्वः पिछले एकाउंट के अनुसार वर्ष के दौरान जमा घटाः वर्ष के दौरान कटौती	- - -	- - -	- - -	
कुल योग				

Schedule Forming Part of Balance Sheet As on 31st March, 2012

	CURRENT YEAR		PREVIOUS YEAR	
SCHEDULE 1- CORPUS/CAPITAL FUND:				
Balance as at the beginning of the year	70402,23,833		66273,03,474	
Add: Contributions towards Corpus/Capital Fund	-			
Add: Balance of net income transferred from the Income and Expenditure Account	888,05,468		4129,20,359	
BALANCE AS AT THE YEAR- END		71290,29,301		70402,23,833

	CURRENT YEAR		PREVIOUS	SYEAR
SCHEDULE 2- RESERVES AND SURPLUS:				
Capital Reserve: As per last Account Addition during the year Less: Deduction during the year		- - -	- - -	- - -
Revaluation Reserve: As per last Account Addition during the year Less: Deduction during the year		- - -	1 1 1	- - -
3. Special Reserves: As per last Account Addition during the year Less: Deduction during the year		- - -		- - -
4. General Reserve: As per last Account Addition during the year Less: Deduction during the year	-	- - -	-	- - -
TOTAL				

31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

	वर्तमा	न वर्ष	पिछला	वर्ष
अनुसूची 3 – निर्धारित / इनडोवमेंट फं	ड			
आई डी बी आई का वीसीएफ				
दायित्व				
भारत सरकार से आई डी बी आई द्वारा प्राप्त अंशदान		2784,00,000		2784,00,000
निवेश से आय				
क) ब्याज	1308,52,144		1308,52,144	
ख) राजस्व	551,97,900		551,97,900	
ग) लाभांस	83,05,794		81,85,794	
घ) उपार्जित आय	21392,37,306		18084,05,723	
ड) लम्बित प्राप्तियाँ	209,68,231		209,68,231	
	23545,61,375		20236,09,792	
घटा : टी डी बी को दी गई राशि	2125,00,000		21,25,00,000	
	21420,61,375		18111,09,792	
घटा : पूर्व में वसूली गई अत्यधिक राजस्व मूल में समायोजित	112,50,000		112,50,000	
	21308,11,375		17998,59,792	
घटा : माफ किया गया ऋण	384,46,094		384,46,094	
घटा : निवेश की बिक्री से घाटा	36,76,250		36,76,250	
	20886,89,031		17577,37,448	
घटा : आई डी बी आई को प्रदान किया गया प्रबंधन शुल्क	1084,60,000		1015,00,000	
घटा : लेखा शुल्क एवं अन्य व्यय	15,27,554		18,10,459	
	19787,01,477	19787,01,477	16544,26,989	16544,26,989
कुल		22571,01,477		19328,26,989

Schedule Forming Part of Balance Sheet As on 31st March, 2012

	Current Year		Previous	Year
SCHEDULE 3- EARMARKED/ENI	OOWMENT FU	NDS		
VCF of IDBI				
Liabilities				
Contribution received by IDBI from Government of India		2784,00,000		2784,00,000
Income from Investment				
a. Interest	1308,52,144		1308,52,144	
b. Royalty	551,97,900		551,97,900	
c. Dividend	83,05,794		81,85,794	
d. Accrued income Less waivers	21392,37,306		18084,05,723	
e. Receipt pending appropriation	209,68,231		209,68,231	
	23545,61,375		20236,09,792	
Less : Amount paid to TDB	2125,00,000		21,25,00,000	
	21420,61,375		18111,09,792	
Less: Excess Royalty recd. earlier adjusted towards principal	112,50,000		112,50,000	
	21308,11,375		17998,59,792	
Less: Loans written off	384,46,094		384,46,094	
Less: Loss on sale of Investment	36,76,250		36,76,250	
	20886,89,031		17577,37,448	
Less: Paid to IDBI towards Management fees	1084,60,000		1015,00,000	
Less: Audit Fees & other Expenses	15,27,554		18,10,459	
	19787,01,477	19787,01,477	16544,26,989	16544,26,989
TOTAL		22571,01,477		19328,26,989

31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

(राशि रु. में)

	वर्तमा	ान वर्ष	पिछला	वर्ष
अनुसूची 4 — प्रतिभूत ऋण एवं उधार				
1. केन्द्र सरकार	-	1	1	-
2. राज्य सरकार (निर्दिश्ट करें)	-	-	-	-
3. वित्तीय संस्थाएं				
क) आवधिक ऋण				
ख) प्राप्त ब्याज और देय	-	-	-	-
4. बैंक :				
क) आवधिक ऋण				
– प्राप्त ब्याज और देय	-	-	-	-
ख) अन्य ऋण				
– प्राप्त ब्याज और देय	-	1	1	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-	-	-
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्डस	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-

टिप्पणी : वर्ष के भीतर देय राशि

Schedule Forming Part of Balance Sheet As on 31st March, 2012

Amount in Rupees

	Curren	t Year	Previous	Year
SCHEDULE 4- SECURED LAON	S AND BORR	OWINGS:		
Central Government	-	-	1	-
2. State Government (Specify)	1	-	1	-
3. Financial Institutions				
a) Term Loans				
b) Interest accrued and due	-	-	-	-
4. Banks:				
a) Term Loans				
- Interest accrued and due	-	-	-	-
b) Other Loans (Specify)				
- Interest accrued and due	-	-	-	-
5. Other Institutions and Agencies	-	-	-	-
6. Debentures and Bonds	-	-	-	-
TOTAL	-	-	-	-

Note: Amounts due within one year

(राशि रु. में)

	वर्तमा	न वर्ष	पिछल	ग वर्ष
अनुसूची 5 — अप्रतिभूत ऋण एवं उधा	₹			
1. केन्द्र सरकार	-	-	-	-
2. राज्य सरकार (निर्दिश्ट करें)				
3. वित्तीय संस्थाएं	-	-	-	-
4. बैंक :				
क) आवधिक ऋण	-	-	-	-
ख) अन्य ऋण (निर्दिश्ट करें)	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-	-	-
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्डस	-	-	-	-
7. अचल जमा	-	-	-	-
8. अन्य (निर्दिश्ट करें)	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-

टिप्पणी : वर्ष के भीतर देय राशि

(राशि रु. में)

	वर्तमा	न वर्ष	पिछल	ा वर्ष
अनुसूची 6 – आस्थगित ऋण देयताएं				
क. कैपिटल उपस्करों एवं अन्य परिसंपत्तियों के ऋण भार द्वारा सुरक्षित सहमति	-	-	-	-
ख. अन्य	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-

टिप्पणी : वर्ष के भीतर देय राशि

Amount in Rupees

	Curren	t Year	Previou	us Year
SCHEDULE 5- UNSECURED LO	DANS AND BO	RROWINGS		
Central Government	-	-	-	-
2. State Government (Specify)				
3. Financial Institutions	-	-	-	-
4. Banks:				
a) Terms Loans	-	-	-	-
b) Other Loans (Specify)	-	-	-	-
5. Other Institutions and Agencies	-	-	-	-
6. Debentures and Bonds	-	-	-	-
7. Fixed Deposits	-	-	-	-
8. Others (Specify)	-	-	-	-
TOTAL	-	-	-	-

Note: Amounts due within one year

Amount in Rupees

		Curren	t Year	Previous Year	
SC	HEDULE 6- DEFERRED CRI				
a	Acceptances secured by hypothecation of capital equipment and other assets	-	-	-	-
b.	Other -	-	-	-	-
ТО	TAL	-	-	-	-

Note: Amounts due within one year

(राशि रु. में)

		न वर्ष	पिछल	ग वर्ष
अनुसूची ७ – चालू देयताएं एवं प्रावधान	ſ			
क. चालू देयताएं				
1. सहमति	-	-	-	-
2. विविध लेनदार				
क) माल के लिए				
ख) अन्य		50,576		
3. प्राप्त प्रतिभूत	50,000	50,000		
4. ब्याज प्राप्ति लेकिन इनपर देय नहीः				
क) प्रतिभूत ऋण / उ धार				
ख) अप्रतिभूत ऋण / उधार	-	-	-	1
5. सांविधिक देयताएं				
क) अतिदेय	-	1,25,672	2,64,297	2,64,297
ख) अन्य				
6. अन्य चालू देयताएं				
क) प्रतिनियुक्ति के लिए पेंशन अंशदान	1,87,612		7,97,284	
ख) लेखा परीक्षा शुल्क	80,000		40,000	8,37,284
ग) पिछला समायोजन	300,00,000	302,67,612		
कुल (क)		304,93,860		11,01,581
ख. प्रावधान				
1. टैक्स के लिए				
2. ग्रेच्यूटी		5,47,880		4,98,073
3. अधिविर्षता / पेंशन				
4. एकत्रित अवकाश का नकदीकरण				
5. ट्रेड वारंटीज / दावे				
 अन्य (निर्दिश्ट करें) 				
কুল (অ)		-		-
কুল (ক + ख)		310,41,740	-	15,99,654

	Curren	t Year	Previo	us Year
SCHEDULE 7- CURRENT LIAB	ILITIES AND	PROVISIONS		
A. CURRENT LIABILITIES				
1. Acceptances	-	-	-	-
2. Sundry Creditors				
a) For Goods				
b) Others		50,576		
3. Security Received	50,000	50,000		
4. Interest accrued but not due on :				
a) Secured Loans / borrowings				
b) Unsecured Loans/ borrowings	-	-	-	-
5. Statutory Liabilities				
a) Overdue	-	1,25,672	2,64,297	2,64,297
b) Others				
6. Other current Liabilities				
a) Pension contribution for deputations	1,87,612		7,97,284	
b) Audit fee payable	80,000		40,000	8,37,284
c) Pending Adjustment	300,00,000	302,67,612		
TOTAL (A)		304,93,860		11,01,581
B.PROVISIONS				
1. For Taxation				
2. Gratuity		5,47,880		4,98,073
3. Superannuation/Pension				
Accumulated Leave Encashment				
5. Trade Warranties/Claims				
6. Others (Specify)				
TOTAL (B)		-		-
TOTAL (A+B)		310,41,740	-	15,99,654

राशि रुपये में

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

विवरण		सकल	। ब्लॉक			मूल्यहास	H.		निवल	। ब्लॉक
	वर्ष के आरंभ में कीमत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जोड़े गर	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत तक कीमत/ मूल्यांकन	वर्ष के आरंभ भे	वर्ष के दौरान जोड़े गए	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत तक कुल	चालू वर्ष के अंत तक	पिछले वर्ष के अंत तक
अनुसूची 8 : स्थायी परिसम्पत्ति										
अ. स्थाई परिसम्पति <u>:</u>										
1. जमीन										
क) फ्रीहोल्ड	1	•	'		'	1		,	•	
2. बिल्डिंग										
क) फ्रीहोल्ड जमीन	1	•	•	٠	,	1	•	•	1	'
ख) लीजहोल्ड जमीन	1	•	•		,	1	•	•	1	'
ग) स्वामित्वधारी फ्लैट / परिसर	1	•	,		1	1	•	1	1	'
घ) जमीन पर अधिरचना अस्तित्व से संबद्ध नहीं	1	ı	'	1	'		1	1	1	'
3. प्लांट एवं मशीनरी एवं उपकरण	,	,	,		'		1	1	'	
4. वाहन	3,80,081		-	3,80,081	1,76,274	20,381		1,96,655	1,83,426	2,03,807
5. फर्नीचर / फिक्सचर	35,70,836	5,300	-	35,76,136	14,58,483	3,59,021		18,17,504	17,58,632	21,12,353
6. कार्यालय उपस्कर	44,27,426	1,50,392	-	45,77,818	16,52,100	2,77,539		19,29,639	26,48,179	27,75,326
7. कम्प्यूटर / पैरीफेरल्स	25,25,292	54,102	-	25,79,394	7,34,714	1,79,058		9,13,772	16,65,622	17,90,578
8. इलेक्ट्रिक अधिष्यापन	1	•	-		•	•	•	•	-	-
9. पुस्तकालय की किताबें	1	•	•	٠	1	•	1	•	1	•
10. ट्यूबवैल और वाटर सप्लाई	1	•	-	٠	1	•	1	•	-	-
11. अन्य अचल परिसम्पत्तियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
चालू वर्ष का कुल	109,03,635	2,09,794	-	111,13,429	40,21,571	8,35,999	-	48,57,570	65,55,859	68,82,064
पिछला वर्ष	106,47,065	2,68,045	11,475	109,03,635	32,90,619	7,35,652	4,700	40,21,571	68,82,064	73,56,446
ख. कैपिटल चल रहा कार्य	1	•	-		1	•	-	•	-	-
कुल	109,03,635	2,09,794	'	111,13,429	40,21,571	8,35,999	'	48,57,570	62,55,859	68.82.064

(उपयुक्त को शामिल करते हुए किराए पर लिए गए परिसम्पत्तियों की लागत पर दी जाने वाली टिप्पणिय)

Schedule Forming Part of Balance Sheet As on 31st March, 2012

DESCRIPTION		GROS	GROSS BLOCK			DEPRECIATION	ATION		NET	NET BLOCK
	Cost/valuation As at beginning of the year	Additions during the year	Deductions during the	Cost/ valuation at the year- end	As at the beginning of the year	On Additions during the	On Deductions during the	Total up to the year -	As at the Current year- end	As at the Previous year-end
SCHEDULE 8-FIXED ASSETS										
A. FIXED ASSETS:										
1. LAND:										
a) Freehold	-	-	-		-	-	-	-	-	-
2. BUILDING:										
a) On Freehold Land	-	-	-		-	-	-	-	•	-
b) On Leasehold Land	-	-	-		-	-	-	-	-	-
c) Ownership Flats/ Premises	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
d) Superstructures on Land notbelonging to the entity	-	-	-	-	1	•	-	-	-	-
3. PLANTMACHINERY & EQUIPMENT	-	-	1	-	1	•	-	-	-	-
4. VEHICLES	3,80,081	-	-	3,80,081	1,76,274	20,381		1,96,655	1,83,426	2,03,807
5. FURNITURE, FIXTURES	35,70,836	5,300	-	35,76,136	14,58,483	3,59,021		18,17,504	17,58,632	21,12,353
6. OFFICE EQUIPMENT	44,27,426	1,50,392	-	45,77,818	16,52,100	2,77,539		19,29,639	26,48,179	27,75,326
7. COMPUTER/PERIPHERALS	25,25,292	54,102	-	25,79,394	7,34,714	1,79,058		9,13,772	16,65,622	17,90,578
8. ELECTRIC INSTALLATIONS	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9. LIBRARY BOOKS	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10. TUBEWELLS & W. SUPPLY	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11. OTHER FIXED ASSETS	-	-	-	-	•	-	-	-	-	-
TOTAL OF CURRENT YEAR	109,03,635	2,09,794	-	111,13,429	40,21,571	8,35,999	-	48,57,570	62,55,859	68,82,064
PREVIOUS YEAR	106,47,065	2,68,045	11,475	109,03,635	32,90,619	7,35,652	4,700	40,21,571	68,82,064	73,56,446
B. CAPITAL WORK-IN-PROGRESS	-	•	-	-	,	-	-	•	-	-
TOTAL	109,03,635	2,09,794	-	111,13,429	40,21,571	8,35,999	1	48,57,570	62,55,859	68,82,064

(Note to be given as to cost of assets on hire pruchases basis included above)

31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

	वर्तमा	न वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसूची 9 – निर्धारित / इनडोवमेंट फंडों से			•
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-		-
2. अन्य अनूमोदित प्रतिभूतियां	-		-
3. शेयर	-		-
4. डिबेंचर्स और बॉन्ड्स	-		-
5. सब्सिडियरिज एवं संयुक्त उद्यम	-		-
6. आई डी बी आई का वीसीएफ (परिसम्पत्ति)	-		-
निवेश			
(i) ऋण	1107,99,071		1094,10,088
(ii) इक्विटी	102,25,000		102,25,000
		1210,24,071	
वसूली योग्य			
(i) ब्याज	3166,14,643		2997,49,137
(ii) अन्य	18226,22,663		15086,56,586
		21392,37,306	
आई डी बी आई के साथ नकद		(31,59,900)	47,86,178
कुल		22571,01,477	19328,26,989

Schedule Forming Part of Balance Sheet As on 31st March, 2012

	Curi	rent Year	Previous Year
SCHEDULE 9 - INVESTMENTS FRO	OM EARMARKED/ I	ENDOWMENT FU	NDS
In Government Securities	-		-
2. Other approved Securities	-		-
3. Shares	-		-
4. Debentures and Bonds	-		-
5. Subsidiaries and Joint Ventures	-		-
6. VCF of IDBI (Assets)	-		-
Investment			
(i) Loan	1107,99,071		1094,10,088
(ii) Equity	102,25,000		102,25,000
		1210,24,071	
Receivables			
(i) Interest	3166,14,643		2997,49,137
(ii) Others	18226,22,663		15086,56,586
		21392,37,306	
Cash with IDBI		(31,59,900)	47,86,178
Total		22571,01,477	19328,26,989

31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

	वर्तमा	न वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसूची 10 — निवेश — अन्य			
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-	-
2. अन्य अनूमोदित प्रतिभूतियां	-	-	-
3. शेयर — इक्विटी भागीदारी	3162,18,000	3162,18,000	2592,18,000
4. डिबेंचर्स और बॉन्ड्स	-	-	-
5. सब्सिडियरिज एवं संयुक्त उद्यम	-	-	-
6. वेन्चर फंउ			
क) आई टी वी यू एस यू टी आई 25,00,000			
घटा : पूर्व अदायगी 0	25,00,000		25,00,000
ख) यूटीआई एसेंट इंडिया फंड 3958,47,177			
घटा : पूर्व अदायगी (330,74,290)	3627,72,887		3958,47,177
ग) ए पी आई डी सी वेन्चर फंड	3000,00,000		3000,00,000
घ) वेन्चर ईस्ट टीनेट फंड	1141,99,200		1141,99,200
ड) जी वी एफ एल	1162,50,000		975,00,000
च) आर वी सी एफ 771,81,624			771,81,624
जमा : संवितरण -			
घटा : पूर्व अदायगी	771,81,624		
छ) एसआईडीबीआई वी सी एफ	100,00,000		
7. जी आई टी ए	49,00,000		
		9878,03,711	
कुल		13040,21,711	12464,46,001

Schedule Forming Part of Balance Sheet As on 31st March, 2012

	Curren	t Year	Previous Year
SCHEDULE 10 - INVESTMENTS - OTHERS	S		
1. In Government Securities	-	-	-
2. Other approved Securities	-	-	-
3. Shares-Equity participation	3162,18,000	3162,18,000	2592,18,000
4. Debentures and Bonds	-	-	-
5. Subsidiaries and Joint Ventures	-	-	-
6. Venture Funds			
a) UTI ITVUS 25,00,000			
Less: Redemption 0	25,00,000		
b) UTI Ascent India Fund 3958,47,177			
Less : Redemption (330,74,290)	3627,72,887		
c) APIDC Venture Funds	3000,00,000		3000,00,000
d) VentureastTeNet Fund	1141,99,200		1141,99,200
e) GVFL	1162,50,000		975,00,000
f) RVCF 771,81,624			771,81,624
Add: Disbursement -			
Less: Redemption	771,81,624		
h) SIDBI VCF	100,00,000		
7. GITA	49,00,000		
		9878,03,711	
TOTAL		13040,21,711	12464,46,001

31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

	वर्तम	गान वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसूची 11 — चालू परिसम्पत्ति, ऋण, अग्रिम इ	त्यादि		-
क. चालू परिसम्पत्ति			
1. सामान्य सूची			
क) स्टोर्स एवं स्पेयर्स			
ख) लूज टूल्स			
ग) स्टॉक इन ट्रेड			
i) समाप्त माल			
ii) चल रहा कार्य			
iii) कच्ची सामग्री	-	-	-
2. विविध देनदार			
क) छः महीनों से अधिक अवधि से लंबित			
ख) अन्य			-
3. हाथ में नकद शेष (चैक / ड्राफ्ट और अग्रदाय सहित)	97,126	97,126	32,103
4. बैंक शेष			
क) सूचीगत बैंकों के साथ			
– चालू खाते पर			
– जमा खाते पर (मार्जिन राशि सहित)	10000,00,000		8795,00,000
– बचत खातों पर	820,49,756		1141,67,847
– फ्लैक्सी खातों पर	73,32,604	10893,82,360	67,84,561
ख) गैर—सूचीगत बैंकों के साथ			
– चालू खाते पर	-		-
– जमा खाते पर (मार्जिन राशि सहित)	-		-
– बचत खातों पर	-		-
5. डाक घर – बचत खाता			
कुल (क)		10894,79,486	10004,84,511

Schedule Forming Part of Balance Sheet As on 31st March, 2012

	Curre	nt Year	Previous Year
SCHEDULE 11- CURRENT ASSETS, LO	ANS, ADVANCES	ETC.	•
A. CURRENT ASSETS:			
1. Inventories:			
a) Stores and Spares			
b) Loose Tools			
c) Stock-in- trade			
i) Finished Goods			
ii) Work-in-progress			
iii) Raw Material	-	-	-
2. Sundry Debtors			
a) Debts Outstanding for a period exceeding six months			
b) Others			-
3. Cash balance in hand (including cheques/ drafts and imprest)	97,126	97,126	32,103
4. Bank Balances:			
a) With Scheduled Banks:			
-On Current Accounts			
- On Deposit Accounts (includes margin money)	10000,00,000		8795,00,000
- On Savings Accounts	820,49,756		1141,67,847
- On Flexi Account	73,32,604	10893,82,360	67,84,561
b) With non- Scheduled Banks:			
- On Current Accounts	-		-
- On Deposit Accounts	-		-
- On Savings Accounts	-		-
5. Post Office- Savings Accounts			
TOTAL (A)		10894,79,486	10004,84,511

(राशि रु. में)

	वर्त	मान वर्ष	पिछला वर्ष	
अनुसूची 11 – चालू परिसम्पत्ति, ऋण, अग्रिम इ	त्यादि (जारी है)			
ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसम्पत्तियां				
1. ऋण				
क) स्टाफ				
ख) अन्य सत्ताएं जो उनसे मिलती जुलती सत्ताओं की गतिविधियों/उद्देश्यों में सम्मिलित	-	-	-	
ग) ऋण : शुरु हुए औद्योगिक इकाईयों को सहायता	35095,81,728		33427,99,359	
जमा : वर्ष के दौरान	3226,94,000		5163,69,000	
घटा : ऋण की अदायगी	(3993,79,674)		(3495,86,631)	
घटा : ऋण का इक्विटी में परिवर्तन	(325,00,000)			
घटा : ऋण माफी				
	-	34003,96,054		
 नकद, अग्रिम एवं अन्य राशि की अथवा वस्तु अथवा उसक कीमत में वसूली 				
क) स्टाफ सदस्यों को अग्रिम	1,51,100		63,970	
ख) अन्य सरकारी विभागों से वसूली	-		159,18,288	
ग) अन्य — प्रतिभूति जमा	13,64,270		13,64,270	
घ) अन्य	7,680	15,23,050	5,714	
3. प्राप्त आय				
क) निर्धारित / इनडोवमेंट फंड से निवेश पर				
ख) अन्य निवेश पर	325,74,446		198,82,730	
ग) ऋण एवं अग्रिम पर	13258,20,435		12411,94,211	
घटा : ऋण माफी				
घटा : इक्विटी में परिवर्तन	-			
		13583,94,881		
4. वसूली योग्य दावा	-	-	-	
कुल (ख)		47603,13,985	47880,10,911	
कुल (क + ख)		58497,93,471	57884,95,422	

	Curr	Current Year	
SCHEDULE 11-CURRENT ASSETS, LO	ANS, ADVANCES	ETC. (Contd.)	•
B. LOANS,ADVANCES AND OTHER AS	SSETS:		
1. Loans:			
a) Staff			
b) Other Entities engaged in activities/ objectivessimilar to that of the entity	-	-	-
c) Loan:Assistance to industrial concerns	35095,81,728		33427,99,359
Add: During the year	3226,94,000		5163,69,000
Less: Repayment of loan	(3993,79,674)		(3495,86,631)
Less: loan converted into equity	(325,00,000)		
Less: Written Off			
	-	34003,96,054	
Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or of value to be received			
a) Advance to staff members	1,51,100		63,970
b) Recov.from other Govt.deptts	-		159,18,288
c) Others - Security Deposit	13,64,270		13,64,270
d) Others	7,680	15,23,050	5,714
3. Income Accrued:			
a) On Investments from Earmarked/Endow.Funds			
b) On Investments - Others	325,74,446		198,82,730
c) On Loans and Advances	13258,20,435		12411,94,211
Less: written off			
Less: Converted into equity	-		
		13583,94,881	
4. Claims Receivable	-	-	-
TOTAL (B)		47603,13,985	47880,10,911
TOTAL (A+B)		58497,93,471	57884,95,422

31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

(राशि रु. में)

	वर्तमान व	वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसूची 12 – बिकी / सेवाओं से आय	अनुसूची 12 — बिकी / सेवाओं से आय		
1. बिकी से आय			
क) तैयार माल की बिकी			
ख) कच्चे सामग्री की बिकी			
ग) कबाड़ की बिकी	-	-	-
2. सेवाओं से आय			
क) श्रम एवं संसाधित प्रभार			
ख) व्यावसायित / परामर्शी सेवाएं			
ग) एजेंसी कमीशन और दलाली			
घ) रखरखाव सेवाएं (उपस्कर / संपत्ति)			
ड) अन्य (निर्दिष्ट करें)			-
कुल			

	वर्तमान व	वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसूची 13 — अनुदान / सब्सिडी (गैर वसूलीयोग्य अनुदान एवं वसूली गई सब्सिडी)			
1) केन्द्र सरकार			500,00,000
2) राज्य सरकार (रें)			
3) सरकारी एजेंसियां			
4) संस्थान / कल्याण बोर्ड	1	ı	-
5) अंतर्राष्ट्रीय संगठन			
6) अन्य (निर्दिष्ट करें)			
कुल			500,00,000

Schedule Forming Part of Income and Expenditure For The Year Ended 31st March, 2012

(Amount in Rupees)

	Current	Year	Previous Year
SCHEDULE 12 - INCOME FROM SALES/SEI	RVICES		
1. Income from Sales			
a) Sales of Finished Goods			
b) Sale of Raw Material			
c) Sale of Scraps	-	-	-
2. Income from Services			
a) Labour and Processing Charges			
b) Professional/Consultancy Services			
c) Agency Commission and Brokerage			
d) Maintenance Services (Equipment/Property)			
e) Others (Specify)			-
TOTAL			

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 13–GRANTS/SUBSIDIES (Irrevocable Grants & Subsidies Received)			
1) Central Government			500,00,000
2) State Government (s)			
3) Government Agencies			
4) Institutions / Welfare Bodies	-	-	-
5) International Organizations			
6) Others (Specify)			
TOTAL			500,00,000

31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

(राशि रु. में)

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 14 — शुल्क /अंशदान			
1) प्रवेश शुल्क	-	-	-
2) वार्षिक शुल्क / अंशदान			
3) सेमिनार / कार्यक्रम शुल्क	-	-	-
4) परामर्शी शुल्क	-	-	-
कुल			

टिप्पणी : प्रत्येक मद की बताई जाने वाली लेखा नीतियों का निर्धारित फंड से निवेश

	निर्धारित फंड से निवेश		अन्य निवेश
	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	वर्तमान वर्ष
अनुसूची 15 — निवेश से आय (फंड में हस्तांतरित किया गया निर्धारित / इनडोवमेंट फंड से निवेश पर आय)			
1. ब्याज			
क) सरकारी प्रतिभूति पर			
ख) अन्य बॉन्ड्स / डिबेन्चर			
2. लाभांस			
क) शेयर पर			
ख) म्यूचूअल फंड प्रतिभूति पर			
3. किराए	-	-	-
4. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-
कुल			
निर्धारित / इनडोवमेंट फंड में हस्तांतरित			

Schedule Forming Part of Income and Expenditure For The Year Ended 31st March, 2012

(Amount in Rupees)

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 14 - FEES/SUBSCRIPTINS			
1) Entrance Fees	-	-	-
2) Annual Fees/Subscriptions			
3) Seminar/Program Fees	-	-	-
4) Consultancy Fees	-	-	-
TOTAL			

Note: Accounting Policies towards each item are to be disclosed

	Investment from Earmarked Fund		Investment - Others
	Current Year	Previous Year	Current Year
SCHEDULE 15- INCOME FROM INVESTMENTS (Income on Invest. From Earmarked/ Endowment Funds transferred to Funds)			
1) Interest			
a) On Govt. Securities			
b) Other Bonds/Debentures			
2) Dividends			
a) On Shares			
b) On Mutual Fund Securities			
3) Rents	-	-	-
4) Other (Specify)	_	-	-
TOTAL			
TRANSFERRED TO EARMARKED/ EN	NDOWMENT FUN	DS	

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

(राशि रु. में)

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 16 — राजस्व, प्रकाशन इत्यादि से आय			
1) राजस्व से आय	-	8,32,016	58,20,551
2) प्रकाशनों से आय			
3) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-
কু ল		8,32,016	58,20,551

(राशि रु. में)

	वर्तमान	ा वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसूची 17 – अर्जित ब्याज			
1. आवधिक जमा पर:			
क) सूचीगत बैंकों के साथ	949,62,351		701,67,086
ख) गैर – सूचीगत बैंकों के साथ	-		-
ग) संस्थाओं के साथ	-		-
घ) अन्य	-	949,62,351	-
2. बचत खातों पर			
क) सूचीगत बैंकों के साथ	46,82,182		15,59,025
ख) गैर – सूचीगत बैंकों के साथ	-		-
ग) डाक घर बचत खाता	-		-
घ) अन्य	-	46,82,182	-
3. ऋण पर			
क) कर्मचारी / स्टाफ			
ख) औद्योगिक इकाई को ऋण सहायता		2082,11,683	3796,12,806
4. राजस्व पर ब्याज		1,868	41,860
5. अनुदान पर ब्याज		44,08,060	7,82,805
कुल		3122,66,144	4521,63,582

टिप्पणी: स्त्रोत पर कर कटौती को दर्शाया गया है।

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule Forming Part of Income and Expenditure For The Year Ended 31st March, 2012

(Amount in Rupees)

	Current	Previous Year	
SCHEDULE 16 – INCOME FROM ROYAL			
1) Income from Royalty	-	8,32,016	58,20,551
2) Income from Publications			
3) Others (Specify)	-	-	-
TOTAL		8,32,016	58,20,551

(Amount in Rupees)

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 17- INTEREST EARNED			
1) On Term Deposits:			
a) With Scheduled Banks	949,62,351		701,67,086
b) With Non- Scheduled Banks	-		-
c) With Institutions	-		-
d) Others	-	949,62,351	-
2) On Savings Accounts:			
a) With Scheduled Banks	46,82,182		15,59,025
b) With Non- Scheduled Banks	-		-
c) Post Office Savings Accounts	-		-
d) Others	-	46,82,182	-
3) On Loans:			
a) Employees/Staff			
b) Loans assistance to industrial concerns		2082,11,683	3796,12,806
4) Interest on royalty		1,868	41,860
5) Interest on grants		44,08,060	7,82,805
TOTAL		3122,66,144	4521,63,582

Note - Tax Deducted as source to be indicated

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

(राशि रु. में)

	वर्तमान	वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसूची 18 — अन्य आय			
1. संपत्तियों की बिकी / निपटान से लाभ	-	-	-
क) प्राप्त संपत्ति – यूटीआई की यूनिटें			
ख) अनुदान से प्राप्त अथवा निःशुल्क प्राप्त संपत्ति			
2. यूनिटों के विमोचन से लाभ			23,09,921
3. लाभांश	-	4,385	3,35,109
4. विविध आय	-	18,493	58,942
5. विविध सेवाओं का आय			
6. दान		9,999	
7. वेन्चर फंड से आय		21,53,531	
কু ল		21,86,408	27,03,972

(राशि रु. में)

	वर्तमान	वर्तमान वर्ष			
अनुसूची 19 — तैयार माल और चल रहे कार्य की वृद्धि / घटाव					
	<u> </u>		<u> </u>		
क) बंद स्टॉक					
– तैयार माल					
– चल रहा कार्य					
ख) घटा : ओपनिंग स्टॉक					
– तैयार माल					
– चल रहा कार्य					
निवल वृद्धि / (घटाव) (क — ख)					

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule Forming Part of Income and Expenditure For The Year Ended 31st March, 2012

(Amount in Rupees)

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 18-OTHER INCOME			
1) Profit on Sale/disposal of Assets:	-	-	-
a) Owned assets - UTI			
b) Assets acquired out of grants or received free of cost			
2) Profits on redemption of units			23,09,921
3) Dividend	-	4,385	3,35,109
4) Miscellaneous Income	-	18,493	58,942
5) Fees of Miscellaneous Services			
6) Donations		9,999	
7) Income from Venture Fund		21,53,531	
TOTAL		21,86,408	27,03,972

(Amount in Rupees)

	Current	Current Year		
SCHEDULE 19 – INCREASE/(DECREASE) STOCK OF FINISHED GOODS & WOKR IN PROGRESS				
a) Closing Stock:				
- Finished Goods				
- Work – in - progress				
b) Less: Opening Stock				
- Finished Goods				
- Work – in - progress				
NET INCREASE / (DECREASE) [a-b]				

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

(राशि रु. में)

	वर्तमान	वर्तमान वर्ष	
अनुसूची 20 — स्थापना व्यय			
क) वेतन और मजदूरी	110,86,437		125,33,190
ख) भत्ते और बोनस	16,229		32,032
ग) भविष्य निधि में अंशदान	5,90,782		8,32,056
घ) अन्य फंड में अंशदान			
ड) कर्मचारी कल्याण खर्च	21,000		1,93,500
च) कर्मचारियों के सेवानिवर्षत्ते और टर्मिनल लाभों पर व्यय	3,23,089		8,29,345
छ) चिकित्सा प्रभारों की प्रतिपूर्ति	1,40,614		3,43,173
ज) ग्रेच्यूटी	49,807		38,000
कुल		122,27,958	148,01,296

(राशि रु. में)

		वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुर	अनुसूची 21 — अन्य प्रशासनिक व्यय इत्यादि			
क)	राष्ट्रीय पुरस्कार	20,00,000		36,00,000
ख)	विधि प्रभार	32,43,693		12,83,126
ग)	संपत्ति प्रबंधन शुल्क	81,73,420		122,39,379
ਬ)	बिजली और पावर			-
ਫ)	जल प्रभार			-
च)	बीमा			-
छ)	टूट फूट और रख – रखाव	3,75,934		4,16,483

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule Forming Part of Income and Expenditure For The Year Ended 31st March, 2012

(Amount in Rupees)

		Current	Year	Previous Year
SC	HEDULE 20-ESTABLISHMENT EXPE	NSES		
a)	Salaries and Wages	110,86,437		125,33,190
b)	Allowances and Bonus	16,229		32,032
c)	Contribution to Provident Fund	5,90,782		8,32,056
d)	Contribution to Other Fund			
e)	Staff Welfare Expenses	21,000		1,93,500
f)	Expenses on Employees' Retir. and terminal Benefits	3,23,089		8,29,345
g)	Reimbursement of medical charges	1,40,614		3,43,173
h)	Gratuity	49,807		38,000
ТО	TAL		122,27,958	148,01,296

(Amount in Rupees)

		Current	Year	Previous Year
SCI	SCHEDULE 21 – OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC.			
a)	National Award	20,00,000		36,00,000
b)	Legal charges	32,43,693		12,83,126
c)	Assets Management Fees	81,73,420		122,39,379
d)	Electricity and power			-
e)	Water charges			-
f)	Insurance			-
g)	Repairs and maintenance	3,75,934		4,16,483

(राशि रु. में)

		वर्तमान	वर्ष	पिछला वर्ष
ज)	डाक एवं टिकट	1,11,779		1,39,943
誀)	किराया, दर और कर			
ण)	वाहन चालन और रखरखाव	1,12,085		1,35,264
ਟ)	टेलीफोन और संचार प्रभार	3,69,175		5,13,850
ਰ)	प्रिटिंग, स्टेशनरी एवं उपभोज्य	15,59,034		22,73,696
ਫ)	यात्रा और वाहन भत्ता			
क.	घरेलु 29,66,699			
ख.	विदेश 4,64,312			
ग.	विशेषज्ञ 24,27,307	58,58,318		50,43,212
ਗ)	सेमिनार / कार्यशालाओं पर व्यय	10,922		3,273
থ)	पुस्तकालय की किताबें एवं आवधिक	3,200		44,300
द)	लेखा परीक्षा शुल्क	1,13,945		67,266
ਬ)	आवभगत व्यय	30,55,550		2,36,753
न)	व्यवसायिक प्रभार	13,62,169		8,34,500
ਧ)	क) ब्याज की माफी			28,61,031
ख)	ऋण की माफी			3,000
फ)	राशि की माफी	159,18,288		6,775
घटा	ः वसूली			-
ৰ)	विविध व्यय	13,02,923		12,21,037
भ)	अखबार एवं पत्रिका	11,269		8,962
म)	विज्ञापन एवं प्रचार	104,96,049		120,90,487
घटा	ः अन्य सरकारी विभागों से वसूली योग्य	-		-
ਧ)	बोर्ड के खर्चे	91,306		17,832
कुल		541,69,059		430,40,169

(Amount in Rupees)

		Current	Year	Previous Year
h)	Postage & stamps	1,11,779		1,39,943
i)	Rent, Rates and Taxes			
j)	Vehicles Running and Maintenance	1,12,085		1,35,264
k)	Telephone and Communication Charges	3,69,175		5,13,850
1)	Printing, Stationary & Consumables	15,59,034		22,73,696
m)	Travelling and Conveyance Expenses			
a)	Domestic 29,66,699			
b)	Abroad 4,64,312			
c)	Experts 24,27,307	58,58,318		50,43,212
n)	Expenses on Seminar / Workshop	10,922		3,273
o)	Library books and periodical	3,200		44,300
p)	Auditors Remuneration	1,13,945		67,266
q)	Hospitality Expenses	30,55,550		2,36,753
r)	Professional Charges	13,62,169		8,34,500
s)	a) Interest written off			28,61,031
b) I	Loan written off			3,000
t)	Assets written off	159,18,288		6,775
Les	s: Recovery			-
u)	Misc. Expenses	13,02,923		12,21,037
v)	Newspaper & Magazine	11,269		8,962
w)	Advertisement and Publicity	104,96,049		120,90,487
Les	s: Recoverable from other Govt. deptts.	-		-
x)	Board Expenses	91,306		17,832
ТО	TAL	541,69,059		430,40,169

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

(राशि रु. में)

	वर्तमान	वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसूची 22 — अनुदान पर व्यय	1		
1) संस्थानों / संगठनों को दिया गया दान	-		
(i) इन्क्यूबेटर्स			
(ii) अन्य एजेंसियां	1040,00,000		391,90,629
2) संस्थानों / संगठनों को दी गई सब्सिडी			
कुल	1040,00,000		391,90,629

(राशि रु. में)

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसूची 23 – ब्याज		
क) अचल ऋण पर		
ख) अन्य ऋण पर (बैंक प्रभार सहित)		
ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल		

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule Forming Part of Income and Expenditure For The Year Ended 31st March, 2012

(Amount in Rupees)

		Current	Year	Previous Year
SC	HEDULE 22 – EXPENDITURE ON G	RANTS		
1)	Grants given to Institutions / Organizations	-		
	(i) Incubators			
	(ii) Other agencies	1040,00,000		391,90,629
2)	Subsidies given to Institutions / Organizations			
	TOTAL	1040,00,000		391,90,629

(Amount in Rupees)

	Current	Year	Previous Year
SCHEDULE 23 – INTEREST			
a) On Fixed Loans			
b) On Other Loans (including Bank Charges)			
c) Others (Specify)			
TOTAL			

अनुसूची - 24

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

लेखा संबंधी प्रमुख नीतियां एवं लेखाओं पर टिप्पणी - 2011-12

क. लेखा संबंधी नीतियां

- पावितयों एवं भूगतानों से संबंधित लेखा को नकद प्राप्ति जर्नल से तैयार किया जाता है और यह विभिन्न शाीर्षों के अंतर्गत नकद लेन-देन का एक सारांश है। इसमें पूंजी तथा राजस्व दोनों प्रकार की आवितयों और भूगतानों का रिकॉर्ड रखा जाता है।
- अाय एवं व्यय लेखा वर्ष में हुए आय और व्यय का सारांश है। यह नकद तथा उपार्जन दोनों आधार पर तैयार किया जाता है। यह केवल राजस्व प्रकृति के आय एवं व्यय का रिकॉर्ड रखता है। संवितरित ऋण राशि पर उपार्जित ब्याज का लेखा, जिस वर्ष ऋण की किस्त जारी की जाती है, के लिए रखा जाता है तथापि ब्याज को वास्तव में तब प्राप्त किया जा सकता है जब परियोजना संबंधित ऋण करारों की शर्तों एवं निबंधनों के अनुसार पूरी कर ली गई है।
- 3. अवमूल्यन को ह्रासमान (डिमिनिशिंग) बैलेंस प्रणाली पर वित्तीय वर्ष के समय निर्धारित परिसंपित्तयों (फिक्स्ड एसेट्स) के आरंभिक जमा (ओपिनंग बैलेंस) पर 10 प्रतिशत की दर से निर्धारित किया जाता है। केवल कार्यालय पिरसर में, यहां पर टूट-फूट को 25 प्रतिशत लागत मूल्य पर प्रदान किया गया है, के आंतरिक कार्य को छोड़कर वित्तीय वर्ष के दौरान प्राप्त/ बेची गई/ स्थानांतरित/ अलग की गई निर्धारित पिरसंपित्तयों (फिक्स्ड एसेट्स) पर कोई अवमूल्यन उपलब्ध नहीं किया जाता है। निर्धारित परिसंपित्तयों को अधिप्रापण की लागत पर लिया जाता है।
- 4. राजस्व संबंधी भुगतान आवती एवं भुगतान लेखा और तुलन पत्र (बैलेंस सीट) में प्राप्ति के आधार पर लिए जाते हैं।
- 5. सरकारी अनुदानों को आवती आधार पर मान्यता दी जाती है। व्यय नहीं की गई राशि को भारत सरकार को वापस नहीं किया जाता क्योंकि सरकार द्वारा जारी अनुदानों को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 की धारा 9 (1) (क) के अनुसार प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग हेतू निधि में जमा कर दिया जाता है और इस प्रकार किसी प्रकार की वापसी की कोई आवश्यकता नहीं है।
- 6. प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 की धारा (1) के अनुसार प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग हेतू निधि द्वारा प्रदत्त राशियों की अधिवसूली, ऋणों पर ब्याज की प्राप्तियों, राजस्व, अनुदानों और किसी अन्य स्त्रोत से प्राप्त राशि को इस निधि में जमा कर दिया जाता है। इस प्रावधान को ध्यान में रखकर तुलन पत्र (बैलेंस सीट) तैयार किया गया है।
- 7. आई डी बी आई द्वारा अनुरक्षित निर्धारित / स्थायी निधियों (उद्यम पूंजी निधि) के तुलन पत्र ने निम्नलिखित को दर्शाया है :-
 - (क) राजस्व, प्रबंधन शुल्क और उस पर पैनल ब्याज के संबंध में आय/ परिव्यय जिन्हें वास्तविक प्राप्तियों / भुगतान के रुप में माना गया है को छोड़कर तुलन पत्र को प्रोदभवन आधार पर तैया किया गया है।
 - (ख) तुलन पत्र में नकद और बैंक बैलेंस, आई डी बी आई के पास रखी अप्रयुक्त निधियों, जो लेखा समाधान के अधीन हैं, को दर्शाते हैं।
- 8. निधि की राशियों को राष्ट्रीयकृत बैंकों में अल्पाविध जमा योजना में रखा जाता है अल्पाविध जमा पर ब्याज को आवितयों एवं भुगतानों से संबंधित लेखों और तुलन पत्र में दर्शाया गया है।
- 9. कंपनियों में किए गए निवेश लागत मूल्य में वर्णित किए गए हैं।
- 10. स्टॉक का सत्यापन (वेरिफिकेशन) वार्षिक आधार पर किया जाता है।
- 11. आंकड़ों को निकटतम रुपए में पूर्वीकित (राउंडेड ऑफ) किया जाता है।

Schedule – 24

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Significant Accounting Policies and Notes on Accounts-2011-12

A. Significant Accounting Policies

- 1. Receipts and Payments Account is prepared from the cash receipt journal and is a summary of cash transactions under various heads. It records receipts and payments of both capital and revenue nature.
- 2. Income and Expenditure Account is the summary of incomes and expenditures of the year. It is prepared both on cash and on accrual basis. It records income and expenditure of revenue nature only. The accrued interest earned on the loan amount disbursed is accounted for in the year in which the loan instalment is released; however, the interest is actually receivable after the projects have been completed in accordance with the terms and conditions of the respective loan agreements.
- 3. Depreciation is quantified at the rate of 10 per cent on the opening balance of Fixed Assets as on the beginning of the financial year on diminishing balance method. No depreciation is provided on the fixed Assets acquired/sold/transferred/discarded during the financial year. Fixed Assets are taken at the cost of acquisition.
- 4. Royalty payments are taken on receipt basis in Receipts and Payments Account and Balance Sheet.
- 5. Government grants are recognized on receipt basis. Unspent balances are not to be refunded to the Government of India as the grants released by the Government are credited to the Fund for Technology Development and Application in terms of section 9(1)(a) of the Technology Development Board Act, 1995 and thus there is no such requirement of refund. No amount is, therefore, due for refund to the Government of India.
- 6. In terms of section 9(1) of the Technology Development Board Act, 1995, recoveries made of the amounts granted from the Fund for Technology Development and Application, receipt of interest on loans, royalty, donations and sums received from any other source are credited to the Fund. Keeping this provision in view, the Balance Sheet has been prepared.
- 7. The balance sheet of Earmarked/ Endowment funds (Venture Capital Funds) maintained by IDBI has indicated the following:
 - a) The balance sheet is prepared on accrual basis except for income/expenditure in respect royalty, management fee and penal interest thereon, which are recognized on actual receipt/payment.
 - b) Cash and bank balance in the balance sheet represents unutilized funds lying with IDBI which is subject to reconciliation.
- 8. Fund balances are kept in short term deposits in nationalized banks. Interest on short term deposits is reflected in the Receipts and Payments Account and Balance Sheet.
- 9. The investments in companies are stated at cost price.
- 10. Stock verification is done on annual basis.
- 11. Figures are rounded off to the nearest rupee.

अनुसूची - 25

लेखाओं पर टिप्पणी

- वित्तीय वर्ष 2011-12 के दौरान टी डी बी को अनुदान के रुप में कुछ भी प्राप्त नही हुआ (पिछले वर्ष 5.00 करोड़ रु.)।
- 2. प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की 31 मार्च, 2012 तक 11,254.95 लाख रु. (पिछले वर्ष 11,250.83 लाख रु.) तक की अतिदेय ऋण भुगतान राशि (राशि जो देय है पर प्राप्त नहीं हुई) है। इसके अतिरिक्त, 2318.05 लाख रु. (पिछले वर्ष 2088.48 लाख रु.) का साधारण ब्याज, 6363.15 लाख रु. (पिछले वर्ष 5792.00 लाख रु.) के बराबर ऋण पर आधारित अतिरिक्त ब्याज और साधारण ब्याज पर अतिरिक्त ब्याज के रुप में 1027.79 लाख रु. (पिछले वर्ष 997.07 लाख रु.) भी देय है।
- 3. (i) यू टी आई उद्यम पूंजी प्रबंधन कम्पनी लिमिटेड (यू टी आई वी एफ), बैंगलोर द्वारा प्रशासित भारत प्रौद्योगिकी उद्यम यूनिट स्कीम (आई टी वी यू एस) में बकाया निवेश 31 मार्च, 2012 तक 0.25 करोड़ रु. है। निधि का लेखा परीक्षित एन ए वी 31 मार्च 2012 तक 100/- रु. पर 1929.25 रु. प्रति यूनिट था।
 - (ii) यू टी आई उद्यम पूंजी प्रबंधन कम्पनी लिमिटेड (यू टी आई वी एफ), बैंगलोर द्वारा प्रशासित एसेंट इंडिया फंड (ए आई एफ) में बकाया निवेश 31.03.2012 तक 36.28 करोड़ रु. है। यू टी आई एसेंट इंडिया फंड की यूनिटों के विमोचन से 3.30 करोड़ रु. की राशि प्राप्त हुई। निधि की लेखा परीक्षित एन ए वी 31 मार्च, 2012 तक 100/- रु. पर 77.09 रु. प्रति यूनिट थी।
 - (iii) वेंचर ईस्ट फंड एडवाजरर्स प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई द्वारा संचालित वेंचरइस्ट टीनेट फंड प्र, चेन्नई में बकाया निवेश 31.03.2012 तक 11.42 करोड़ रु. है। निधि की लेखा परीक्षित एन ए वी 31 मार्च, 2012 तक 772.93/- रु. प्रति यूनिट थी (वास्तवित वैल्यू 1000/- रु. प्रति यूनिट)।
 - (iv) टी डी बी ने दिनांक 16.08.2004 के सह-निवेश करार के अनुसार ए पी आई डी सी वेंचर कैंपिटल लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा प्रशासित एवं प्रबंधित ए पी आई डी सी के साथ 'टी डी बी ट्रस्ट' (जैव प्रौद्योगिकी उद्यम निधि के साथ सह निवेश स्कीम) में दिनांक 31.03.2012 तक 30 करोड़ रु. (1,00,000/- प्रति यूनिट मूल्य की पूर्व रुप से भुगतान की गई 3000 यूनिटें) निवेश किए हैं।
 - (v) मैसर्स गुजरात वेंचर फिनांस लिमिटेड (जी वी एफ एल), अहमदाबाद एस एम ई टेक्नोलॉजी वेंचर फंड में बकाया निवेश 31.03.2012 तक 11.63 करोड़ रु. है। निधि की लेखा परीक्षित एन ए वी 31 मार्च, 2012 तक 1,07,334/- रु. प्रति युनिट थी (वास्तवित वैल्यु 1,00,000/- रु. प्रति युनिट)।
 - (vi) मैसर्स राजस्थान वेंचर कैपिटल फंड (आर वी सी एफ), जयपुर ''एस एम ई टेक्नोलॉजी वेंचर फंड'' में बकाया निवेश 31.03.2012 तक 7.72 करोड़ रु. है। निधि की अनंतिम एन ए वी 31 मार्च, 2012 तक 100/- रु. पर 105.12 रु. प्रति यूनिट थी।
 - (vii) मैसर्स एस आई डी बी आई ट्रस्टी कम्पनी लिमिटेड में बकाया निवेश 31.03.2012 तक 1.00 करोड़ रु. है। निधि की लेखा परीक्षित एन ए वी 31 मार्च, 2012 तक 650.24/- रु. प्रति यूनिट थी (वास्तवित वैल्यू 1000/- रु. प्रति यूनिट)।
- 4. टी डी बी ने, परिस्थितीकी तंत्र के सभी प्रमुख तत्वों को कवर करने के अधिदेश के साथ, जो इन्डस्ट्री एवं तकनीकी शुरुआतकर्ताओं को लाभान्वित करेगा, डी एस टी एवं अन्य संस्थानों के साथ, सी आई आई के साथ संयुक्त वेंचर में कमश: 51:49 की इक्विटी भागीदारी के साथ मैसर्स ग्लोबल इन्नोवेशन एंड टेक्नोलॉजी एलायन्स (जी आई टी ए) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किया। टी डी बी का जी आई टी ए में इक्विटी भागीदारी 7.35 करोड़ रु. की है। 31 मार्च, 2012 तक टी डी बी ने 49.00 लाख रु. जारी किया है।

Schedule – 25

Notes on Accounts

- 1. TDB received nil (P.Y. Rs. 5.00 crore) as grant during the financial year 2011-12.
- 2. Technology Development Board has an overdue loan repayment (amount due but not received) amounting to Rs. 11,254.95 lakhs (P.Y. Rs.11, 250.83 lakhs) as on 31st March, 2012. In addition, simple interest of Rs. 2318.05 lakhs (P.Y. Rs.2,088.48 lakhs), additional interest on loan amounting to Rs. 6,363.15 lakhs (P.Y. Rs.5,792 lakhs) and Rs 1,027.79 lakhs (P.Y. Rs.997.07 lakhs) as additional interest on simple interest, were also due.
- 3. i. The outstanding investment in the India Technology Venture Unit Scheme (ITVUS) administered by the UTI Venture Funds Management Company Limited, (UTIVF) Bangalore is Rs 0.25 crores as on 31st March 2012. The audited NAV of the fund was Rs 1929.25 per unit of Rs 100/- on 31st March 2012.
 - ii. The outstanding investment in the Ascent India Fund (AIF) administered by the UTI Venture Funds Management Company Private Limited (UTIVF), Bangalore is Rs 36.28 crores as on 31.03.2012. An amount of Rs 3.30 crores have been received towards redemption of units of UTI-Ascent India Fund during the year. The audited NAV of the fund was Rs 77.09/- per unit of Rs. 100/- on 31st March 2012.
 - iii. The outstanding investment in the Ventureast Tenet Fund II, Chennai operated by Venture East Fund Advisors Pvt. Ltd., Chennai is Rs 11.42 crores up to 31.3.2012. The audited NAV of the fund was Rs 772.93/- per unit (face value of Rs 1000/- per unit) on 31st March 2012.
 - iv. TDB has invested in Rs 30 crore (3000 fully paid units of Face Rs 1, 00,000/- per units) up to 31.3.2012 in "TDB trust" (Co-Investment Scheme with Biotechnology Venture fund) with APIDC administered and managed by APIDC Venture Capital Limited, Hyderabad as per co-investment agreement dated 16.08.2004.
 - v. The outstanding investment in M/s Gujarat Venture Finance Limited (GVFL), Ahmedabad SME Technology Venture Fund is Rs 11.63 crores up to 31st March 2012. The audited NAV of the fund was Rs 1, 07,334/- per unit (face value 1, 00,000) on 31st March 2012.
 - vi. The outstanding investment in M/s Rajasthan Venture Capital Fund (RVCF), Jaipur "SME Technology Venture Fund" is Rs 7.72 crores as on 31.03.2012. The provisional NAV of fund was Rs 105.12 per unit of Rs. 100/- on 31st March 2012.
 - vii. The outstanding investment in M/s SIDBI Trustee Company Limited is Rs. 1.00 crore as on 31.3.2012. The audited NAV of the fund was Rs. 650.24 per unit (face value Rs. 1000) on 31st March 2012.
- TDB has signed agreement with M/s Global Innovation & Technology Alliance (GITA), in joint venture with CII, in equity contribution of 51:49 respectively with a mandate to cover all key elements of innovation ecosystem that benefit industry and technology start-ups, with DST and other organizations. The equity participation of TDB in GITA is Rs. 7.35 crore. TDB release Rs. 49.00 lakhs upto 31st March 2012.

- 5. मैसर्स नेशनल केमिकल लैबोरेटरीज, मैसर्स कोंगू टेक्नोलॉजी, मैसर्स आई आई टी एम एस रुरल टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस, मैसर्स एस जे सी ई एस टी ई पी, मैसर्स टेक्नोपार्क टेक्नोलॉजी बिजनेस एवं मैसर्स एमिटी टेक्नोलॉजी इन्क्यूबेटर को अनुदान के रुप में प्रत्येक को 30.00 लाख रु. की राशि जारी की गई। मैसर्स जे एस एस ए टी ई एस टी ई पी, मैसर्स नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैसर्स फाउन्डेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, मैसर्स एकता इन्क्यूबेसन सेन्टर, मैसर्स सी आई आई ई इनीसिएविटव, मैसर्स आई ए एन मेन्टिरंग एंड इन्क्यूबेसन सर्विसेज, मैसर्स साइंस एंड टेक्नोलॉजी बिजनेस पार्क एवं मैसर्स ई-हेल्थ टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेटर को अनुदान के रुप में प्रत्येक को 40.00 लाख रु. की राशि जारी की गई।
- 6. निम्निलिखित डिफॉल्ट्स के संबंध में, अतिदेय भुगतान पर अतिरिक्त ब्याज, अदालतों में निपटान, मध्यस्थता लंबित विवादों के कारण खाते में नहीं लिया गया है। अदालतों के निर्णयों, पंचायतों एवं धन की प्राप्ति के आधार पर खातों में आवश्यक लेखों का उपचार किया जाएगा। 1) मैसर्स श्रीराम इनर्जी (मूल 18.85 करोड़ रु.) 2) मैसर्स सेल्को इन्टरनेशनल (मूल 20.63 करोड़ रु.)। इस खाते पर वित्तीय प्रभाव 67.00 करोड़ रु. की कमी आंका गया है। क्या इसे अधिशेष में 67. 00 करोड़ रु. की वृद्धि के लिए जिम्मेदार माना जाएगा।
- 7. मैसर्स समुद्रा बायोफार्मा से प्राप्त 3.00 करोड़ रु. अदालत के द्वारा लंबित निपटान की दिशा में मौजूदा देनदारियों के लिए जमा किया गया है।
- 8. मैसर्स फ्रन्टीयर लाईफ लाईन के 325.00 लाख के बकाया ऋण को साल के दौरान इक्विटी में परिवर्तित कर दिया गया।
- 9. पिछले वर्षों में अर्जित 548.83 लाख रु. की ब्याज को अर्जित ब्याज में समायोजित कर दिया गया है।
- 10. भारत सरकार द्वारा अनुदानों से संबंधित उद्यत पूंजी निधि (वी सी एफ) लेन देन के मद के भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आई डी बी आई) के दस्तावेजों के बकायें राशियों की प्राप्तियों और देनदारियों को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधि नियम 1995 की धारा 10 के अनुसार 1 सितम्बर 1996 को बोर्ड को हस्तांतरित करने की आवश्यकता है। 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए बोर्ड के तुलन पत्र में शामिल किया गया है। तुलन पत्र में आई डी बी आई के वी सी एफ से संबंधित पिछले वर्ष के आंकडों को भी दर्शाया गया है।

(नीरज केला) निदेशक प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (हरकेष मित्तल) सचिव प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (डॉ. टी रामासामी) अध्यक्ष प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

- An amount of Rs 30.00 lakh each has been released as grant to M/s National Chemical Laboratory, M/s Kongu Technology, M/s IITMs Rural Technology & Business, M/s SJCE-STEP, M/s Technopark Technology Business, and M/s Amity Technology Incubator. An amount of Rs 40.00 lakh each has been released as grant to M/s JSSATE-STEP, M/s TBI National Institute of Technology, M/s Foundation for innovation & Technology Transfer, M/s EKTA Incubation Centre, M/s CIIE Initiatives, M/s IAN Mentoring and incubation Services, M/s Science And Technology Business Park, M/s e-Health Technology Business Incubator under Seed support scheme.
- In respect of following defaults, additional interest on overdue payments had not been taken into accounts, on account of disputes pending settlement in courts, arbitration. Necessary accounting treatments would be made in the accounts on the basis of decisions of courts, arbitrations and receipt of money. 1) M/s Shriram Energy (principal Rs. 18.85 crores 2) M/s Selco International (principal Rs. 20.63 crores). The financial impact on this account has worked out to reduction of surplus by Rs.67 crores. Had this been accounted for surplus would have been increased by Rs.67 crores.
- Amount of Rs. 3.00 crore received from M/s SamundraBiopharma has been credited to current liabilities towards pending settlement by court.
- 8 An amount of Rs. 325 lakhs outstanding loan of M/s Frontier Life Line has been converted into equity during the year.
- An amount of Rs. 548.83 lakhs towards interest earned in previous years has been adjusted against the interest accrued.
- The transfer of money receipts and liabilities outstanding in the books of the Industrial Development Bank of India (IDBI) on account of Venture Capital Fund (VCF) transactions pertaining to grants released by Government of India are required to be transferred to the Board as on 1st September 1996 in terms of section 10 of the Technology Development Board Act, 1995. The Balance Sheet of Venture Capital Fund of IDBI, vested with the Board, for the year ended 31st March 2012 has been incorporated in this year's Balance Sheet. The Balance Sheet also reflects previous year's figures relating to VCF of IDBI.

31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के लेखा पर भारत के लेखा नियंता एवं महालेखापरीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने 31 मार्च, 2012 को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टी डी बी), नई दिल्ली के संलग्न तुलन पत्र (बैलेंस शीट), उसी तिथि को समाप्त आय एवं व्यय लेखा और प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 (1995 की सं. 44) के अनुच्छेद 13(2) के साथ पठित लेखा नियंता एवं महालेखापरीक्षक (दायित्व, शिक्तियां एवं सेवा की शर्तें, अधिनियम 1971 के 19(2) के अन्तर्गत लेखा परीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण बोर्ड के प्रबंधन का दायित्व है। हमारा दायित्व, अपनी लेखा परीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय देना है।

- 2. इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में भारत के लेखा नियंता एवं महालेखापरीक्षक (सी एंड एजी) की वर्गीकरण, उत्तम लेखा नीतियों के सदृश लेखा मानक, प्रकटीकरण मानदंड इत्यादि से संबंधित लेखा प्रतिपादनों पर टिप्पणी शामिल है। वित्तीय लेनदेनों पर विधि अनुपालन सिहत लेखा परीक्षा टिप्पणीयाँ, नियम एवं विनियम (प्रोपराइटी और रेग्यूलेटरी) और दक्षता सह निपादन पहलू इत्यादि यदि कोई है तो इसे निरीक्षक रिपोर्ट / सी ए जी की लेखा परीक्षा के माध्म से रिपोर्ट किया गया।
- 3. हमने यह लेखा परीक्षा, भारत में सामान्यत: अपनाए गए मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों में यह अपेक्षित होता है कि हम लेखा परीक्षा को इस तरह योजनागत और निष्पादित करें कि इस बात का उचित आश्वासन प्राप्त किया जा सके के वित्तीय विवरण सामग्री, गलत विवरणों से मुक्त हो। लेखा परीक्षा में जांच के आधार पर वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत की गई राशियों के समर्थन में प्रमाणों और प्रकटीकरण की जांच शामिल है। लेखा परीक्षा में प्रयोग किए गए लेखा सिद्धांतों और प्रबंध न द्वारा महत्वपूर्ण आकलनों का मूल्यांकन शामिल है। हमारा विश्वास है कि हमारा लेखा परीक्षा विचारों को एक औचित्यपूर्ण आधार प्रदान करेगा।
- 4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर हम यह रिपोर्ट देते हैं कि:
- (i) हमने सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो कि हमारी जानकारी और विश्वास में लेखा परीक्षा के उद्देश्य के लिए अनिवार्य है।
- (ii) इस रिपोर्ट में दिए गए तुलन पत्र और आय एवं व्यय लेखा / प्राप्ति एवं भुगतान लेखा को भारत सरकार द्वारा स्वीकृत फॉर्मेट में तैयार किया गया है।
- (iii) हमारे विचार से अपेक्षित लेखों की समुचित बहियों और अन्य संबंधित रिकॉर्डों को अनुरक्षित किया गया है जैसा कि हमारी ऐसी बहियों की जांच से पता चलता है।
- (iv) हमने यह भी रिपोर्ट किया कि:

Separate Audit Report of the Comptroller and Auditor General of India on the accounts of Technology Development Board, New Delhi for the year ended 31 March2012

We have audited the attached Balance Sheet of Technology Development Board (TDB), New Delhi as at 31st March 2012, the Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account for the year ended on that date under 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 13(2) of the Technology Development Board Act., 1995 (No.44 of 1995). These financial statements are the responsibility of the Board's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

- 2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller and Auditor General of India on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/ Comptroller and Auditor General's Audit Reports separately.
- 3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.
- Based on our audit, we report that:
- i We have obtained all the information and explanations except those stated in this report, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;
- The Balance Sheet, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account dealt with by this report have been drawn up in the format approved by the Government of India
- In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Board, as required, in so far as it appears from our examination of such books.
- iv. We further report that:

क) लेखा का संशोधन

हमारी लेखा परीक्षा के दौरान, टी डी बी ने 16 अप्रैल, 2013 को वर्ष 2011-12 के लिए अपने लेखा में संशोधन किया जिसके परिणामस्वरुप, परिसम्पत्तियां एवं देयताए 713.87 लाख रु. तक बढ़ गयी।

ख) तुलन पत्र (बैलेंस शीट)

1. देयताएं

1.2 देयताओं को कम दिखाना (अंडर स्टेटमेंट)

सितम्बर, 2011 से मार्च, 2012 की अविध के पिरसम्पित्त प्रबंधन शुल्क 54.78 लाख रु. का भुगतान पिरसम्पित्त प्रबंधकों को नहीं किया गया। टी डी बी ने 31 मार्च, 2012 के तुलन पत्र से जुड़ी अनुसूची-7 'चालू देयताएं एवं प्रावधान' में इसका प्रावधान भी नहीं किया। इसके फलस्वरुप चालू देयताएं एवं प्रावधान (पिरसम्पित्त प्रबंधन हेतू प्रावधान) एवं खर्च 54.78 लाख रु. तक कम दिखाया गया।

2. परिसम्पत्तियां

2.1 ईयरमार्क्ड / इन्डाउमेंट निधियों से निवेश को बढ़ाकर दिखाना (ओवर स्टेटमेंट)

टी डी बी के तुलनपत्र (31 मार्च, 2012) की अनुसूची 9: ईयरमार्क्ड निधि से इन्वेस्टमेंट (वी सी एफ - आई डी बी आई) से जूड़ी वी सी एफ - आई डी बी आई के तुलनपत्र में 31 मार्च, 2012 को इन निवेशों का मूल्य 22,571.01 लाख रु. दिखाया गया है जो कि नकद / बैंक जमा, निवेशों (ऋण एवं इक्विटी का मूलधन) एवं बकाया प्राप्यों (ब्याज / एफ आई डी एस) के रुप में है। 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए वी सी एफ - आई डी बी आई के तुलनपत्र को मैसर्स सोराब एस इंजीनियर एवं कम्पनी द्वारा प्रमाणित किया गया है।

2.1.1: 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए वी सी एफ - आई डी बी आई के तुलनपत्र पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट का पुनरीक्षण कहता है :

वी सी एफ - आई डी बी आई के तुलनपत्र पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर सत्य एवं सही होगी -

- (i) तुलनपत्र में दर्शाया गया नकद एवं बैंक जमा का आई डी बी आई के पास उपयोग नहीं हुई निधि के रुप में लेखा समाध ान होना था।
- (ii) तुलनपत्र में दर्शाये गये निवेश की राशि और प्राप्य का उनको वास्तविक वसूली योग्यता के आधार पर मूल्यांकन होना था। साथ अनुसूची-2 इक्विटी के नोट का संदर्भ ग्रहण करें।

अनुसूची-2 में नोट में वर्णित है कि सत्यापन हेतू शेयर उपलब्ध नहीं है। इन इक्विटी शेयर्स की लागत 105.25 लाख रु. आंकी गयी है।

2.1.2: यह मानते हुए कि नकद एवं बैंक जाम (3.16 लाख रु. ओवर ड्राफ्ट), ऋण में निवेश एवं इक्विटी (1,210.24 लाख रु.) एवं प्राप्य ब्याज तथा एफ आई एल डी (आगे निवेश एवं लिक्वीडेटेड हानियां 21392.37 लाख रु.) में वी सी एफ निधि का कुल निवेश शामिल है और इन वी सी एफ - आई डी बी आई निधि की 22,571.01 लाख रु. टी डी बी की 94,171.

¹ मैसर्स डायमेन्सन एवं मैसर्स आई टी सी ओ टी कन्सलटेन्सी

(A) Revision of Accounts

At the instance of audit, TDB on 16 April 2013 revised its accounts for the year 2011-12. As a result of revision of accounts, Assets and Liabilities were increased by ₹713.87 lakh.

- (B) Balance Sheet
- Liabilities

1.2 Understatement of Liabilities

An amount of ₹ 54.78 lakh of Assets Management Fees for the period from September 2011 to March 2012 was not paid to Assets Managers¹, as of 31 March 2012. TDB did not make the provision of the same in Schedule 7: 'Current liabilities and Provisions' appended to Balance Sheet of TDB as at 31 March 2012. As a result, Current Liabilities and Provision (Provision for Assets Management Fees) and Expenditure was understated by ₹ 54.78 lakh each.

Assets

2.1 Overstatement of Investment from Earmarked/ Endowment funds

Balance Sheet (assets side) of VCF-IDBI appended as Schedule 9: 'Investment from Earmarked Fund (VCF-IDBI)' to TDB's Balance Sheet (as at 31 March 2012) stated the value of these investments as ₹22,571.01 lakh as on 31 March 2012 in the form of cash/ bank balance, investments (Principal amount of loan and equity) and outstanding receivables (interest/ FILDs). The Balance Sheet of VCF-IDBI for the year ending 31 March 2012 were certified by M/s Sorab S Engineer & Co.

2.1.1 Scrutiny of the Auditor's report on the Balance Sheet of VCF-IDBI for the year ending 31 March 2012 revealed:

The Auditor's Report while certifying the Balance sheet of the VCF-IDBI to be true and correct subject to -

- cash and bank balance in the balance sheet represented as unutilized fund lying with IDBI was subject to reconciliation;
- (ii) the balance of investment and receivables as stated in the balance sheet were subject to an assessment as to their actual recoverability. Also refer to note in Schedule 2 – Equity.

Note in Schedule 2- stated that Shares not available for verification. These equity shares were valued at ₹102.25 lakh.

2.1.2 Considering that cash and bank balances (₹3.16 lakh over draft); Investments in loan and equity (₹1,210.24 lakh) and Receivables of interest and FILD (Further interest and Liquidated damages - ₹21392.37 lakh) comprise the total investments of VCF-Fund and that these

M/s Dimension and M/s ITCOT Consultancy

73 लाख रु. की कुल परिसंपत्तियों का 24: सिम्मिलित है। हमारी राय है कि लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट में दिये गए प्रेक्षण (ओवजर्वेशन) महत्वपूर्ण और इन निवेशों के मूल्यांकन और अस्तित्व के सम्बंध में वस्तुपरक है। इसलिए हमने इस सम्बंध में आश्वस्त होने के लिए पूरक परीक्षण किय। इन पूरक परीक्षणों का विवरण निम्नलिखित है:-

i) निवेशों के मूल्यांकन के लिए लेखांकन नीतियां

चिह्नित (ईयरमार्क्ड) निधियों (वी सी एफ - आई डी बी आई) के निवेशों के मूल्यांकन हेतू विशेष लेखांकन नीति का तुलनपत्र में उल्लेख नहीं किया गया। केवल एक सामान्य लेखांकन नीति की उल्लेख है कि तुलन पत्र को प्राप्ति आधार (एक्डुअल बेसिस) पर तैयार किया गया है सिवाय राजस्व, प्रबंधन शुल्क ओर उस पर दण्ड ब्याज के मामले में आय/व्यय के, जो कि वास्तवित प्राप्ति/भुगतान आधार पर मानी गयी है, का लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में उल्लेख हुआ है।

ii) प्राप्य - ब्याज (एफ आई एल डी)

लेखांकन मानक निर्दिष्ट करता है कि ब्याज, राजस्व एवं लाभांस के रुप में अर्जित राजस्व को तभी मान्यता देनी चाहिए जब मापन अथवा संग्रहण की कोई खास अनिश्चितता न हो। यदि किसी दावे (क्लेम) को करते समय, उचित निश्चितता के साथ अन्तिम वसूली के मूल्यांकन की क्षमता का अभाव हो रहा है तो जब तक अनिश्चितता है, राजस्व मान्यका को स्थिगत कर देना चाहिए। ऐसे मामलों में यह उचित होगा कि राजस्व को तभी माना जाये जब यह निश्चित हो कि पूरी वसूली कर ली गयी है। इस मामले में एक उचित प्रकटन (डिस्क्लोजन) दिये जाने की आवश्यकता है जिससे परिस्थितियों का विवरण दिया जाये जिनमें राजस्व मान्य हुआ। विशेष अनिश्चितताओं आदि के कारण स्थिगत हुआ। जबिक, लेखांकन नीति जिसके आधार पर राजस्व (ब्याज / एफ आई एल डी) को आई डी बी आई द्वारा मान्य किया गया, वह वर्ष 1988-89 से 2011-12 की वी सी एफ - आई डी बी आई के तुलनपत्र में संलग्न नहीं था। टी डी बी / आई डी बी आई ने, लेखांकन नीति लेखापरीक्षकों के लिए उपलब्ध नहीं कराई जबिक इसके लिए प्रबंधन से लिखित में मांग की गई थी।

21,392.37 लाख रु. की एक राशि के 14 कम्पिनयों से 'प्राप्य:ब्याज एवं एफ आई एल डी' की मद में होने की सूचना मिली है जिसमें सात कंपिनयों सितम्बर, 1997 से जून, 2006 के बीच बन्द हो चुकी थी और एक कम्पिनी के खिलाफ लिम्बत बकाया राशि की वसूली के कानूनी मामले को अगस्त, 2007 में हीं हटा लिया गया। यद्यपि टी डी बी ने कम्पिनी से लगातार ब्याज / एफ आई एल डी चार्ज की और उसे वर्ष 1997-98 से 2011-12 की खाता बिहयों में अर्जित आय के रुप में बुक किया (अनुलग्नक - 2)।

iii) निवेश - ऋण एवं इक्विटी

क) ऋण

31 मार्च, 2012 को 15 कम्पनियों पर मूलधन के रुप में 1,107.99 लाख रु. की राशि बकाया है। इनमें शामिल है :-

² मैसर्स फिनिक्स लैम्पस प्राईवेट लिमिटेड

investments from VCF-IDBI fund of ₹22,571.01 lakh comprise 24 per cent of the total assets of TDB of ₹94,171.73 lakh, we are of the opinion that the observations made in the Auditor's report are significant and material with regard to the valuation and existence of these investments. Hence we conducted supplemental tests to seek assurance in this regard. The results of the supplemental tests are given below:

(i) Accounting policy for valuation of investments

Accounting policy specifically for valuation of Investments from Earmarked Fund (VCF-IDBI) was not stated in the balance sheet. Only a general accounting policy that the balance sheet is prepared on accrual basis except for income/expenditure in respect of royalty, management fee and penal interest thereon, which are recognized on actual receipt/payment basis was stated in the Auditor's Report.

(ii) Receivables - Interest/FILD

Accounting Standard-9 stipulates that revenue earned as interest, royalties and dividends should only be recognised when no significant uncertainty as to measurability or collectability exists. If the ability to assess the ultimate collection with reasonable certainty is lacking at the time of raising any claim, revenue recognition should be postponed to the extent of uncertainty involved. In such cases, it may be appropriate to recognise revenue only when it is reasonably certain that the ultimate collection will be made. In this connection, a suitable disclosure was required to be given indicating the circumstances in which revenue was recognized/ postponed pending the resolution of significant uncertainties etc. However, accounting policy on the basis of which revenue (interest/ FILD) was recognized by IDBI was not appended to Balance Sheets of VCF-IDBI for the year 1998-99 to 2011-12. TDB/ IDBI did not provide the accounting policy to audit, though called for as a management's written representation.

An amount of ₹21,392.37 lakh was reported as 'Receivables: Interest and FILD' from the 14 companies of which, seven companies were wound up between September 1997 and June 2006 and the legal case for recovery of outstanding dues pending against one company² was already withdrawn in August 2007, yet TDB charged interest/ FILD against the company continuously and booked the same as accrued income in its books of accounts for the year 1997-98 to 2011-12 (Annexure-2). As a result of this, TDB overstated the Investment from Earmarked/ Endowment funds (accrued interest and FILD) and the Endowment fund by ₹12,064.06 lakh each (Annexure-2).

(iii) Investments – Loans and Equity

(a) Loans

An amount of ₹ 1,107.99 lakh as principal amount of 'Loan' was outstanding from 15 companies, as of 31 March 2012. This included —

² M/s Phoenix Lamps Pvt. Ltd.

- टी डी बी द्वारा एक कम्पनी के खिलाफ बकाया राशि की वसूली के मामले को अगस्त, 2007 में वापस लिया गया जबिक कम्पनी पर लिम्बत 19.40 लाख रु. मूलधन को वर्ष 2007-08 से 2011-12 के लिए लेखा बिहयों में बट्टे खाते नहीं डाला गया। इसके परिणामस्वरुप, आई डी बी आई / टी डी बी ने ऋण (अनुसूची 9: इयरमार्क्ड/इंडोमेंट निधियों से निवेश) और भारत सरकार की निधियों से आई डी बी आई द्वारा प्राप्त अंशदान (अनुसूची 3: इयरमार्क्ड/इंडोमेंट निधियां) को 19.40 लाख रु. प्रत्येक बढाकर दिखाया।
- सात कम्पनियां अदालती आदेश से सितम्बर, 1997 से जून, 2006 के बीच बन्द की गयी। जबिक 30.46 लाख रु. की राशि बंद कम्पनियों के निगरान एवं देखभाल, परिसम्पित्तयों का तरलीकरण (लिक्वटीफिकेशन) पर 31 मार्च, 2012 तक खर्च की गयी और उसे इन कम्पनियों को आगे दिये गये ऋण में दर्शाया गया।
- आगे चार कम्पनियों के रिकॉर्ड/सूचना जिसमें कुल बकाया राशि 6,593.97 लाख रु. थी और मामले ऋण वसूली अधि करण / न्यायालय में लिम्बत थे और एक कम्पनी जिसके खिलाफ सितम्बर, 2001 में प्राथिमक डिकी पारित की गयी थी, उसे लेखापरीक्षा के लिए उपलब्ध नहीं कराया गया (अनुलग्नक-2)

ख) इक्विटी

लेखांकन मानक के अनुसार, अस्थायी के स्थान पर अस्वीकृत की दशा में, जहां दीर्घ अविध निवेशों को लागत पर दीर्घ अविध निवेश (इिक्वटी) के मूल्य में लिया जाता है तो अस्वीकृति की पहचान के लिए राशि को घटाया जाता है। आगे, इसका प्रभाव वित्तीय विवरणों में दर्ज कराने के कारण राशि में परिणामी घटाव को लाभ एवं हानि में चार्ज किया जाता है। यदि निवेश के मूल्य में वृद्धि होती है तो इस राशि की घटौती वापस हो जाती है अथवा यह तब भी वापस होती है जब घटौती के कारण अधिक समय तक बने नहीं रहते। लेखांकन मानकों के सार को स्वायत्तशासी निकायों के मैनुअल वोल-II में लेखा के फार्मेट में निर्धारित किया गया है।

102.25 लाख रु. की एक राशि को सात कंपनियों में इक्विटी के रुप में निवेशित दिखाया गया है और लेखा बहियों में इसका मूल्य लागत दर पर दिखाया गया है। इनमें से दो कंपनियों (9.00 लाख रु.) न्यायालय ऋण वसूली अधिकरण के पास लंबित थे और एक कम्पनी के विरुद्ध (17.26 लाख रु.) प्राथमिक डिकी के आदेश सितम्बर, 2001 में हीं हो गये थे। टी डी बी ने अपनी खाता बहियों में ऐसे निवेशों में अस्वीकृत / घटौती के लिए खातों में निवेश का पुनर्मुल्यांकन नहीं कराया है।

इस सम्बन्ध में सभी कम्पनियों के वित्तीय विवरण से सम्बंधित रिकॉर्ड मांगे गये ताकि उनकी वित्तीय स्थिति का परीक्षण किया जा सके और निवेशों (इक्विटी शेयर) के सही मूल्य का मूल्यांकन किया जा सके। जबिक टी डी बी प्रबंधन ने न तो रिकॉर्ड उपलब्ध कराये और न हीं लिखित अभ्यावेदन जिनसे पता चलता कि प्रत्येक निवेश के मूल्य में अस्थायी कमी आई है।

³ मैसर्स फिनिक्स लैम्पस प्राईवेट लिमिटेड

⁴ मैसर्स केशू ऑयल एंड रेजिन्स प्रा. लि., यूरेका वायर्स प्रा. लि., मल्टी मोबाईल्स एंड मशीनरी प्रा. लि., शाइनवैल ग्रेनाइट एंड केमिकल प्रा. लि.

⁵ यथा. कम्पनियों के खिलाफ आवेदन पत्रा की प्रति न्यायालय ऋण वसूली अधिकरण में फाईल की गयी जिसमें दर्शाया गया कि कम्पनियों में कितनी वसूली (मूलधन, ब्याज और एफ आई एल डी) की जानी है, यदि पारित हुआ है तो अदालती आदेश की प्रति और कम्पनी के खिलाफ्र प्राथमिक डिकी की एक प्रति

⁶ मैसर्स बायो टिशुज लैब्स प्रा. लि.

⁷ इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स ऑफ इंडिया का लेखांकन मानक - 13

⁸ मैसर्स यूरेका वायर्स प्रा. लि. और मल्टी मोबाईल्स एंड मशीनरी प्रा. लि.

⁹ मैसर्स बायो टिशूज लैब्स प्रा. लि.

- Case against³ one company for recovery of outstanding dues was withdrawn by TDB in August 2007, yet the principal amount of ₹ 19.40 lakh pending against the company was not written off from its books of accounts for the year 2007-08 to 2011-12 (Annexure-2). As a result of this, IDBI/ TDB overstated the 'Loans' (Schedule 9: Investment from Earmarked/ Endowment funds) and 'Contribution received by IDBI from Govt. of India fund' (Schedule 3: Earmarked/ Endowment Fund) each by ₹19.40 lakh.
- Seven companies were wound up between September 1997 and June 2006 by courts' orders (Annexure-2). However, expenditure of ₹30.46 lakh incurred on watch & ward, liquidation of assets etc. of wound up companies after their winding up to 31 March 2012, was booked as 'loan' amount further disbursed to these companies.
- Further, records/ information⁴ in respect of four companies⁵ involving a total outstanding amount of ₹6,593.97 lakh, cases against which were pending in the Debt Recovery Tribunals/ Courts and one company⁶ against which preliminary decree was passed in September 2001 were not made available to audit. (Annexure-2).

(b) Equity

As per Accounting Standard⁷, where the long-term investments were carried at cost, in the event of decline, other than temporary, in the value of a long term investment (equity), the carrying amount was to be reduced to recognise the decline. Further, for giving effect to this in the financial statements, the resultant reduction in the carrying amount is charged to the profit and loss statement. The reduction in carrying amount is reversed when there is a rise in the value of the investment, or if the reasons for the reduction no longer exist. The substance of the Accounting Standard is also prescribed in the format of accounts prescribed in Autonomous Bodies Manual Vol. II.

An amount of ₹ 102.25 lakh was reported as invested in seven companies in a shape of 'Equity' and the value of the same was shown at cost price in the books of accounts. Out of this, cases against two⁸ companies (₹ 9.00 lakh) were pending in the Court/ Debt Recovery Tribunals and preliminary decree against one company⁹ (₹ 17.26 lakh) was already ordered in September 2001. However, TDB did not revalue the investments to account for any decline/ reduction in value of investments, if any, in its books of accounts.

In this connection, records relating to financial statements of all companies were called for so as to examine their financial status and assess the fair value of investments (equity share) made in these

M/s Phoenix Lamps Pvt. Ltd.

⁴ viz. copy of application filed against the companies in the Courts/ Debt Recovery Tribunals, indicating amount (Principal, Interest, FILD) to be recovered from the companies, copy of court judgment, if passed and a copy of preliminary decree against the company.

M/s Cashew Oil & Resins Pvt. Ltd., Eureka Wires Pvt. Ltd., Multimobiles & Machinery Pvt. Ltd., Shinewell Granites & Chemical Pvt. Ltd.

M/s Bio Tissues Labs Pvt. Ltd.

Accounting Standard 13 of Institute of Chartered Accountants of India

M/s Eureka Wires Pvt. Ltd. and Multimobiles & Machinery Pvt. Ltd.

⁹ M/s Bio Tissues Labs Pvt. Ltd.

ग) नकदी और बैंक जमा

31 मार्च, 2012 को टी डी बी के तुलन पत्र के साथ संलग्न अनुसूची-9: चिह्नित ईयरमार्क्ड / इनडौमेंट निधियों से निवेश (वी सी एफ-आई डी बी आई) में 31.60 लाख रु. की राशि की सूचना नकदी / बैंक जमा के रुप में की गयी जिसे टी डी बी से वसूली योग्य बताया गया। लेखापरीक्षक ने यह पाया कि 1998-99 में चार्टरित लेखाकारों ने अपनी प्रत्येक रिपोर्ट में टी डी बी के तुलनपत्र पर टिप्पणी की है कि आई डी बी आई के उपयोग में नहीं आयी निधियों के रुप में जो नकदी बैंक में जमा है, उसको तुलनपत्र में प्रकट किया जाये तािक उसका समाधान किया जा सके। जबिक 31 मार्च, 2012 तक टी डी बी / आई डी बी आई ने उसका समाधान नहीं किया है।

इस प्रकार लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट की टिप्पणियों को देखते हुए निवेशों और राजस्व मान्यता के मूल्यांकन में लेखांकन नीतियों की स्पष्ट अनुपस्थिति, इस सम्बंध में प्रबंधन की लिखित प्रस्तुतियों का अभाव और प्रबंधन द्वारा उपलब्ध कराये सीमित रिकार्डों पर आधारित पूरक कार्यों के जांच परिणाम, जो ऊपर उल्लेखित हैं इन सबके कारण हम यह आश्वासन देने में असमर्थ हैं कि वी सी एफ – आई डी बी आई निधि के निवेश और सादृश चिह्नित (ईयरमार्क्ड) और इनडौमेंट निधियां सत्य एवं सही मूल्य दर्शाती हैं। हमारी राय में इन्डौमेंट निधियों और निवेशों को 12,033.60 लाख रु. तक बढाकर दिखाया गया है।

2.2 निवेशों को बढ़ाकर दिखाना - अन्य

जैसा कि पहले कहा जा चुका है कि जहां दीर्घाविध निवेशों को लागत पर लाया गया है, अस्थायी की तुलना में अस्वीकृति, दीर्घ अविध निवेश (इक्विटी) को कम किया जाना था ताकि कमी (डिक्लाईन) की पहचान हो सके।

अनुसूची - 10: 'निवेश अन्य' जो कि वर्ष 2011-12 के टी डी बी के तुलनपत्र का संलग्नक है, यह प्रकट करती है कि तेरह कंपनियों में इक्विटी / वेंचर कैपिटल फंड्स (वी सी एफ एस) के रुप में 13,040.22 लाख रु. का निवेश किया गया। टी डी बी की लेखांकन नीति के अनुसार, इन निवेशों को, परीक्षण के दौरान लागत मूल्य पर दर्शाया गया है, लेखा परीक्षण ने पाया कि निम्नलिखित मामलों में, टी डी बी ने इक्विटी/वी सी एफ एव के मूल्य में अस्थायी की तुलना में कमी की गणना नहीं की है। इसके बावजूद कि -

क) इक्विटी

- एक कम्पनी, मैसर्स निक्कों कारापोरेशन, कोलकाता जिसमें 1,846.00 लाख रु. का निवेश 100/- रु. प्रत्येक के प्राथमिकता शेयर के रुप में किया गया, इस कम्पनी को औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड के आदेशों से सितम्बर, 2011 में सिक कम्पनी घोषित कर दिया गया।
- एक और कम्पनी मैसर्स ट्वेन्टी फर्स्ट सेंचुरी बैटरी, मोहाली जिसमें इक्विटी के रुप में 590.00 लाख रु. का निवेश किया गया, दिसम्बर, 2005 में बन्द हो गयी।

ख) उद्यम पूंजी निधियां

1,141.99 लाख रु. का निवेश वेंचर टीनेट फंड-II में किया गया था। यह पाया कि पिछले तीन वर्षों से निधि की एन
ए वी अपने समर्थन मूल्य से नियमित रुप से कम हुई है। वर्ष 2008-09 से 2011-12 के दौरान एसेंट इंडिया वेंचर

¹⁰ इक्विटी में 3162.18 लाख रु., वेंचर कैपिटल फंड्स में 9878.04 लाख रु.

^{11 2008-09} से पहले के एन ए वी के आंकड़े उपलब्ध नहीं है।

companies. However, the Management of TDB neither provided any records nor any written representation stating that no permanent diminution in the value of each investment has occurred.

(c) Cash and bank balance

An amount of ₹(-) 31.60 lakh was reported as cash/ bank balance in the Schedule 9: Investment from Earmarked/ Endowment funds (VCF-IDBI) appended to the Balance sheet of TDB as at 31 March 2012, which was stated to be recoverable from TDB. Audit observed that since 1998-99, Chartered Accountant in its every report on the Balance Sheet of IDBI repeatedly commented that the cash/ bank balance, which represented as unutilized funds lying with IDBI disclosed in the balance sheet was subject to reconciliation. However, no such reconciliation was ever made by TDB/ IDBI as of 31 March 2012.

Thus, in view of the comments in the Auditor's Report, absence of clearly stated accounting policies in valuation of investments and revenue recognition, lack of written management representations in this regard and the findings of the supplemental work based on limited records provided by the Management and reported above, we are unable to provide an assurance that the investments of the VCF-IDBI fund and the corresponding Earmarked/Endowment fund are reported at true and correct value. In our opinion the Endowment fund and the investments are overstated by ₹12,033.60 lakh at the least.

2.2 Overstatement of Investments – others

As stated earlier, where the long-term investments are carried at cost, the decline other than temporary, in the value of a long term investment (equity) was to be reduced to recognise the decline.

Schedules 10: 'Investments – others' appended to Balance sheet of TDB for 2011-12 disclosed an investment of ₹13,040.22 lakh¹⁰ made in thirteen companies in shape of 'Equity/ Venture Capital Funds (VCFs)'. As per accounting policy of TDB, these investments were shown at cost price in the books of accounts During test check, audit observed that in the following cases, TDB did not take into account the decline, other than temporary in the value of a Equity/ VCFs, despite the fact that –

(a) Equity

- One company M/s NICCO Corporation, Kolkata in which an investment of ₹ 1,846.00 lakh was made in shape of preference share of ₹ 100/- each was declared as sick company in September 2011 by the orders of Board of Industrial and Financial Reconstruction.
- Further, another company M/s Twenty First Century Battery, Mohali in which investment of ₹ 590.00 lakh in shape of equity was made shut down in December 2005.

(b) Venture Capital Funds

Investment of ₹ 1,141.99 lakh was made in the Venture TeNet Fund –II. It was observed that since last three years¹¹ NAV of fund had been regularly below down to its face value. Similarly,

¹⁰ In equity: ₹3162.18 lakh, in Venture Capital Funds: ₹9878.04 lakh

¹¹ As the figure of NAV prior to 2008-09 is not available.

कैपिटल फंड नीचे जाते रहे हैं। सिवाय इसके कि वर्ष 2009-10 में फंड के समर्थन मूल्य में 24: का उछाल आया था। इसके बावजूद टी डी बी ने वी सी एफ एस में किये गये निवेशों का मूल्यांकन नही किया।

• टी डी बी ने ए पी डी आई सी वेंचर कैपिटल लि. के कुल परिसम्पित्त मूल्य की गणना नहीं की जिसमें 2007-08 से पहले 3,000.00 लाख रु. का निवेश किया गया था। लेखापरीक्षा ने पाया कि वी सी एफ की कुल वसूली नहीं गयी राशि जो कि 2009-10 में 2,653.00 लाख रु. थी, वह 2010-11 में घटकर 1,756.21 लाख रु. और 2011-12 में घटकर 254.72 लाख रु. रह गयी है। यह वी सी एफ के मूल्य में स्थायी ह्रास को दर्शाता है। जबिक टी डी बी ने न तो अपने आप वी सी एफ के एन ए वी का मूल्यांकन किया और ना ही निधि प्रबंधन से इसें प्राप्त किया जबिक निवेश के बाद चार साल बीत चुके हैं।

उपरोक्त तथ्य और आंकड़े स्पष्ट दर्शाते हैं कि निवेशों के मूल्य में स्थायी कमी आई है, जबिक टी डी बी ने निवेशों के मूल्यांकन के समय इन पर ध्यान नही दिया। इस सम्बंध में टी डी बी से एक लिखित अभ्यावेदन मांगा गया जिसमें दर्शाया गया हो कि प्रत्येक निवेश के मूल्यांकन में कोई स्थायी कमी नहीं आई है, लेकिन टी डी बी ने लेखापरीक्षा को इसे उपलब्ध नहीं कराया।

इस प्रकार लेखा परीक्षा यह आश्वस्त करने में असमर्थ है कि अनुसूची 10 : 'निवेश-अन्य' में दर्शाई गयी 13040.22 लाख रु. की राशि के निवेशों के मूल्य को सही से मूल्यांकन किया गया है।

ग) आय और व्यय लेखा

- 1. आय
- 1.1 5.58 लाख रु. तक आय को कम दिखाना

31 मार्च, 2012 के तुलनपत्र के साथ संलग्न अनुसूची- 11: चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि में 13,258.00 लाख रु. की एक राशि को 31.03.2012 को अर्जित ब्याज / उद्योगों से वसूली योग्य के रुप में दिखाया गया है। जबिक टी डी बी ने पांच उद्योगों के सम्बंध में ऋण के बकाया मूलधन राशि के सही आंकड़े, वर्ष 2011-12 के अर्जित ब्याज की गणना के समय प्रस्तत नहीं किये हैं।

इसके फलस्वरुप टी डी बी ने अपनी आय (वर्ष 2011-12 के दौरान अर्जित ब्याज) और चालू परिसम्पत्तियां (अर्जित ब्याज) प्रत्येक को 5.58 लाख रु. तक कम दर्शाया है।

घ) महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

जैसा कि पहले कहा जा चुका है, लेखांकन मानक-9 दर्शाता है कि ब्याज, राजस्व और लाभांशों के रुप में अर्जित ब्याज को केवल तभी मान्यता दी जाये जब मापन और संग्रहण के मामले में कोई महत्वपूर्ण अनिश्चितता न हो। यदि किसी दावे की प्रस्तुति के समय उचित निश्चितता के साथ अन्तिम वसूली के मूल्यांकन की क्षमता का अभाव दिखता है तो राजस्व की मान्यता को अनिश्चितता की मात्रा तक स्थिगित किया जा सकता है। ऐसे मामलों में, यह उचित होगा कि राजस्व को केवल तभी माना जाये जब वह उचित रुप से निश्चित हो यानी अन्तिम वसूली कर ली गयी है।

चूंकि टी डी बी ने कंपनियों पर बकाया ऋण राशि की राजस्व मान्यता जैसे ब्याज, पैनल ब्याज आदि के लिए कोई लेखांकन नीति नहीं बनाई है, इस कारण कंपनियां ऋण/ब्याज का लगातार पुनर्भूगतान नहीं कर रही है और ऐसे मामले अदालतों / विवाचनों में लम्बित पड़े हैं।

¹² (i) मैसर्स इंडस्विफ्रट लैव लिमिटेड, (ii) मैसर्स युनाइटेड नैनोटेक, (iii) मैसर्स एस बी पी एक्वाटेक प्रा लि., (iv) मैसर्स स्मार्ट बिजनेस सोल्यूसन्स एवं (v) मैसर्स ओसीमम बायो—सोल्यूसन्स लिमिटेड

during 2008-09 to 2011-12 the NAV of Ascent India Venture Capital Fund (₹ 3,627.73 lakh) had also been continuously down to its face value, except a rise of 26% in NAV to its face value made by the fund in the year 2009-10. Despite this, TDB did not make valuation of its investments made in these VCFs.

TDB did not have the figure of Net Asset Value of VCF of APDIC Venture Capital Ltd. in which
investment of ₹3,000.00 lakh was made prior to 2007-08. Audit observed that Net Unrealised
Appreciation of VCF which was ₹ 2,653.99 lakh in 2009-10 was reduced to ₹ 1,756.21 lakh in
2010-11 and further reduced to ₹ 254.72 lakh in 2011-12, indicating permanent diminution in
the value of VCF. However, TDB neither valued the NAV of the VCF at its own nor obtained the
same from the Fund Manager, though more than four years have been elapsed since the
investment was made.

Above facts and figures clearly indicate permanent diminution in the value of investments, yet TDB did not take these into account while valuing its investments. In this connection, a written representation was sought from the TDB indicating that no permanent diminution in the value of each investment was occurred, but the same was not provided to audit.

Thus, Audit is unable to assure that the value of investments of ₹13,040.22 lakh shown in Schedules 10 : 'Investments – others' have been correctly valued.

(C) Income & Expenditure Account

Income

1.1 Understatement of Income by ₹ 5.58 lakh

In Schedule 11: Current Assets, Loans, Advance etc. appended to Balance Sheet as at 31 March 2012, an amount of ₹ 13,258.20 lakh was shown as Interest accrued/ recoverable from industries as of 31 March 2012. However, TDB while calculating the accrued interest for the year 2011-12 did not take correct figures of outstanding principal amount of loan in respect of the five industries¹².

As a result of this, TDB understated its Income (interest earned during the year 2011-12) and current assets (accrued interest) each by ₹ 5.58 lakh.

(D) Significant accounting policy

As stated earlier, Accounting Standard 9 stipulates that revenue earned as interest, royalties and dividends should only be recognised when no significant uncertainty as to measurability or collectability exists. If the ability to assess the ultimate collection with reasonable certainty is lacking at the time of raising any claim, revenue recognition should be postponed to the extent of uncertainty involved. In such cases, it may be appropriate to recognise revenue only when it is reasonably certain that the ultimate collection will be made.

However, TDB did not formulate any accounting policy for revenue recognition i.e. interest, penal interest etc. due on loan amount, in case of companies continuously defaulting the repayment of loan/ interest and cases against which were pending in the courts/ arbitrations.

¹² (i) M/s Indswift Lab Ltd., (ii) M/s United Nanotech, (iii) M/s SBP Aquatech P.Ltd., (iv) M/s ismart Business Solutions and (v) M/s Ocimum bio Solutions Limited

लेखांकन मानक-9 के विपरीत जबिक कंपिनयों के खिलाफ बकाया राशि की वसूली के लिए मुकदमें अदालतों / विवाचनों में लिम्बित पड़े हैं, तब भी टी डी बी ने उन पर बकाया ब्याज / अितरिक्त ब्याज की राशि को प्रतिबंधित / रोक नहीं लगाई है। 31 मार्च, 2012 को तुलनपत्र के साथ संलग्न अनुसूची 11: 'चालू पिरसंपित्तयां, ऋण, अग्रिम आिद' में दर्शाया गया है कि 13,258.20 लाख रु. की राशि 'निवेश-अन्य' पर उपार्जित आय के अन्तर्गत कंपिनयों को वितरित ऋणों पर उपार्जित ब्याज के रुप में देय है। इसमें 1,139.61 लाख रु. की एक राशि शामिल है जो दो कम्पिनयों पर बकाया अर्जित आय के रुप में है जिनके विरुद्ध टी डी बी द्वारा बकाया राशि की वसूली के मामले विवाचनों में 2009-12 में डाले गये। लेखापरीक्षा ने यह पाया कि यद्यपि 31 मार्च, 2012 को ये केस लिम्बत थे, फिर भी टी डी बी ने अपने लेखा में 714.22 लाख रु. की विवाचकों को दर्शायी गयी राशि को कंपिनयों के पास लिम्बत ब्याज की राशि को लेखा में डालने से न तो प्रतिबंधित किया, न हीं रोका। आगे के वर्षों में भी उन पर लगातार ब्याज /अितरिक्त ब्याज लगाया गया और उसे खाता बिहयों में उपार्जित ब्याज के रुप में बुक किया।

आगे, एक और मामले में माननीय न्यायालय ने अक्टूबर, 2005 में मैसर्स एक्मे मेटल के खिलाफ, ब्याज के भुगतान के साथ नौ प्रतिशत वार्षिक की दर से, ऋण देने की तिथि से भुगतान की तिथि तक मूलधन की वसूली हेतू डिक्री आदेश पारित किया। जबकि यह पाया गया कि टी डी बी ने ऊंची दरों पर ब्याज चार्ज किया। इसके परिणामस्वरुप यह हुआ कि –

- चालू परिसम्पत्तियों (उपार्जित ब्याज एवं अतिरिक्त ब्याज) और चालू वर्ष की आय (ब्याज एवं अतिरिक्त ब्याज) प्रत्येक 216.73 लाख रु. तक बढ़ाकर दर्शाई गयी।
- चालू परिसम्पत्तियों (उपार्जित ब्याज एवं अतिरिक्त ब्याज) और पूर्वाविध आय (ब्याज एवं अतिरिक्त ब्याज) प्रत्येक को 334.87 लाख रु. तक बढ़ाकर दर्शाया गया।

राजस्व ब्याज और अतिरिक्त ब्याज की मान्यता के लिए कोई विशेष लेखांकन नीति न होने के कारण, लेखापरीक्षा यह आश्वस्त करने में असमर्थ है कि टी डी बी ने लाभभोगी कंपनियों से ब्याज / अतिरिक्त ब्याज की सही तरह पहचान की है और 'निवेशों पर उपार्जित आय-अन्य' तथा कम्पनियों को वितरित ऋण पर उपार्जित ब्याज के रुप में दर्शाई गयी 13,258.20 लाख रु. की राशि को सही तरह से दर्शाया है।

ड) अभिलेखों का ठीक से रख-रखाव न करना

- (i) परिसम्पत्ति रजिस्टर बनाये जाने की आवश्यकता थी ताकि तुलनपत्र की अनुसूची-8 'नियत परिसंपत्तियों' में दर्शाये गये आंकड़ों (मद-वार) का मद-वार प्रगामी योगों से मिलान किया जा सके। 31 मार्च, 2012 के वार्षिक लेखा के अनुसार टी डी बी के पास विभिन्न मदों में 111.13 लाख रु. की नियत परिसम्पत्ति है। जबिक टी डी बी ने मद-वार परिसम्पत्ति रिजस्टर नहीं रखा है। इसके परिणामस्वरुप, वर्ष 2011-12 के वार्षिक लेखा में दर्शाई गयी 111.13 लाख रु. की राशि का सत्यापन नहीं हो सका।
- (ii) 31 मार्च, 2012 को टी डी बी के तुलनपत्र के साथ संलग्न अनुसूची-11: चालू परिसम्पत्तियां ऋण, अग्रिम आदि में टी डी बी ने 31 मार्च, 2012 को विभिन्न उद्योगों पर ऋण के रुप में बकाया 34,003.96 लाख रु. की एक राशि को दर्शाया है। जबिक टी डी बी द्वारा रखे गये ऋण रिजस्टर में यह राशि 36,441.76 लाख रु. दिखाई गयी है। इस प्रकार लेखापरीक्षा द्वारा 34,003.96 रु. के बकाया ऋणों को प्रामाणिक रुप से सत्यापित नहीं किया जा सकता।

¹³ मैसर्स आई एक्सिस : 257.06 लाख रु. और मैसर्स गुजरात ओलियो : 882.55 लाख रु.

¹⁴ मैसर्स आई एक्सिस : 184.23 लाख रु. और मैसर्स गुजरात ओलियो : 529.99 लाख रु.

¹⁵ मैसर्स आई एक्सिस : 72.83 लाख रु., मैसर्स गुजरात ओलियो : 111.59 लाख रु. और मैसर्स एक्मे मेटल : 32.31 लाख रु.

¹⁶ मैसर्स गुजरात ओलियो : 240.97 लाख रु. और मैसर्स एक्मे मेटल : 93.90 लाख रु.

Contrary to Accounting Standard 9, though cases for recovery of outstanding dues were pending against companies in the courts/ arbitrations, TDB did not restrict/ freeze the amount of interest/ additional Interest outstanding against them to the extent reported to court/ arbitration. Schedules 11: Current Assets, Loans, Advance etc. appended to Balance sheet of TDB as of 31 March 2012 disclosed an amount of ₹ 13,258.20 lakh as 'Income accrued on Investments – others' i.e. interest accrued on Loan disbursed to companies. This included an amount of ₹ 1,139.61 lakh of accrued interest outstanding from two companies¹³, against which cases for recovery of outstanding dues were filed by TDB in 2009-12 in Arbitrations. Audit observed that though cases were pending as of 31 March 2012, TDB did not restrict/ freeze the amount of outstanding interest pending against companies in its accounts to the extent of ₹714.22¹⁴ lakh reported to Arbitrators. It further continuously charged interest/ additional interest for subsequent years and booked the same as accrued income in its books of accounts.

Further, in one case decree order against M/s Acme Metal was passed by Hon'ble Court in October 2005 for recovery of principal amount alongwith payment of interest at the rate of nine per cent per annum from the date of advancement of loan to till the date of payment. However, it was observed that TDB charged the interest at higher rates. This had resulted -

- Overstatement of Current Assets (accrued interest and addl. interest) and current year's income (interest and addl. interest) each by ₹216.73 lakh¹⁵.
- Overstatement of Current Assets (accrued interest and addl. interest) and prior period's income (interest and addl. interest) each by ₹ 334.87¹⁶ lakh.

In the absence of any specific accounting policy for recognition of revenue interest and additional interest, audit is unable to assure that TDB correctly recognized the interest/ additional Interest due from the beneficiary companies and the figure of $\[Tilde{\}]$ 13,258.20 lakh shown as 'Income accrued on Investments – others' i.e. interest accrued on Loan disbursed to companies was correctly stated.

(E) Improper maintenance of records

- (i) Asset Register was required to be maintained indicating head-wise progressive totals to be tallied with the figures (head-wise) reflected in Schedule-8 'Fixed Asset' of the Balance Sheet. As per the annual accounts as of 31 March, 2012 TDB held the fixed Asset of ₹ 111.13 lakh under various heads. However, TDB did not maintain head wise Assets register. As a result, figure of ₹ 111.13 lakh depicted in the Annual accounts for the year 2011-12 could not be verified.
- (ii) Schedule 11: Current Assets Loans, Advances etc. appended to Balance Sheet as at 31 March 2012 of TDB disclosed an amount of ₹ 34,003.96 lakh of loan as outstanding from the different industries as on 31 March 2012. However, Loan Register maintained by TDB depicted the same as ₹ 36,441.76 lakh. Thus, authenticity of ₹ 34,003.96 lakh of outstanding loans could not be verified in audit.

¹³ M/s iAxis: ₹ 257.06 lakh and M/s Gujarat Oleo: ₹ 882.55 lakh

³⁴ M/s iAxis: ₹ 184.23 lakh and M/s Gujarat Oleo: ₹ 529.99 lakh

¹⁵ M/s iAxis: ₹ 72.83 lakh, M/s Gujarat Oleo: ₹ 111.59 lakh and M/s Acme Metal: ₹ 32.31 lakh

¹⁶ M/s Gujarat Oleo: ₹ 240.97 lakh and M/s Acme Metal: ₹ 93.90 lakh

च) अनुदान सहायता

टी डी बी को आर एंड डी सेस लेवी के अन्तर्गत, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से अनुदान प्राप्त होता है जिसे प्रौद्योगिकी के आयात के लिए 5 प्रतिशत की भुगतान दर पर सरकार द्वारा वसूल किया जाता है। टी डी बी को वर्ष 2011-12 के दौरान विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से कोई अनुदान नहीं मिला।

- (v) पूर्ववर्ती पैराग्राफों में दिये गये हमारे प्रेक्षणों के आधार पर हम रिपोर्ट देते हैं कि तुलनपत्र और आय एवं व्यय लेखा / प्राप्ति एवं भुगतान लेखा, इस रिपोर्ट में लेखा बहियों के साथ मेल नही खाता है।
- (vi) हमारी एवं हमारी सूचना तथा हमे दिये स्पष्टीकरणों के आधार पर क्योंकि पूर्व पैराओं में विचारित प्रेक्षणों के प्रभावों के कारण, हम लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुलग्नक-1 उल्लेखित लेखा नीतियां एवं लेखाओं पर टिप्पणियों एवं अन्य मामले, भारत में सामान्य तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धान्तों के साथ समरुपता में सत्य एवं सही दृष्टि नही देत हैं।
 - क) अब तक यह 31 मार्च, 2012 को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के तुलनपत्र और मामलों से सम्बंधित है।
 - ख) अब तक यह इसी तारीख को समाप्त वर्ष हेतू आय और व्यय के अधिशेष से सम्बंधित है।

भारत सरकार के सी ए जी के लिए और उनकी ओर से

स्थान:

दिनांक:

मुख्य लेखा परीक्षा निर्देशक (एस डी)

(F) Grant-in-aid

TDB receives grants from Department of Science and Technology out of the R&D Cess levy and collected by the Government at the rate of five per cent on payments made towards import of technology. TDB did not receive any grant from the Department of Science and Technology during 2011-12.

- (v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet and Income & Expenditure account/ Receipt & Payment account dealt with by this report are not in agreement with the books of accounts.
- (vi) In our opinion and to the best of our information and according to the explanation given to us, because of the effects of the observations discussed in the preceding paragraphs, the financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts and other matters mentioned in Annexure-1 to this Audit Report do not give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in india.
 - (a) In so far as it relates to the Balance Sheet and the state of affairs of the Technology Development Board as at 31 March 2012.
 - (b) In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the Surplus for the year ended on that day.

For and on behalf of CAG of India

Place

Date

Principal Director of Audit (SD)

अनुलग्नक - 1

आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली

- आन्तरिक लेखा प्रणाली की पर्याप्तता : वर्ष 2011-12 के लिए टी डी बी की आन्तरिक लेखा परीक्षा का कार्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के वेतन एवं लेखा अधिकारी द्वारा पूरा किया गया।
- 2. आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता : आन्तरिक नियंत्रण किसी भी संगठन के कार्यों को सुचारु रूप से निपटाने की एक अभिन्न प्रकिया हैं यह प्रणाली इस प्रकार डिजाइन किया जाता है कि वह संगठनात्मक उद्देश्यों की उपलब्धियों का आर्थिक, दक्षता एवं प्रभावपूर्ण ढंग से उचित आश्वासन प्रदान करे। जबिक टी डी बी की लेखापरीक्षा के दौरान, आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली में निम्नलिखित विसंगतियां पाई गयी –

क) सह मूल्य पर निवेशों का मूल्यांकन न किया जाना

31 मार्च, 2012 को टी डी बी / आई डी बी आई द्वारा, विभिन्न कंपनियों में इक्विटी/ वेंचर पूंजी निधि के रुप में 13,142.47 लाख रु. की राशि का निवेश किया गया। लेखा परीक्षा में यह पाया गया कि इनमें से कुछ कंपनियां पहले ही या तो बंद हो चुकी है / बीमार घोषित की जा चुकी है अथवा उनके खिलाफ वसूली के लिए अदालतों के अदालती/डिकी आदेश लिम्बत हैं, इसके बाबजूद टी डी बी इन निवेशों को सही बाजार मूल्य के स्थान पर दिखाने की बजाय लेखा बिहयों में इन्हें लागत मूल्य पर दिखा रहा है।

इस सम्बंध में, टी डी बी द्वारा किये गये निवेशों की समीक्षा और मूल्यांकन से सम्बंधित रिकार्ड / सूचनाएं मांगी गयी पर अब तक उन्हें लेखापरीक्षा को उपलब्ध नही कराया गया जो कि यह दर्शाता है कि टी डी बी में निवेशों के मूल्यांकन की कोई प्रणाली नहीं है।

ख) ऋण शेषों का निपटान न होना

टी डी बी के स्थायी आदेशों के मैनुअल का चैप्टर 5.19 दर्शाता है कि जैसे ही वित्तीय वर्ष के खाते बन्द होते हैं, ऋण रिजस्टर में दिखाये गए ऋण शेषों की संपुष्टि ऋण लेने वालों से प्राप्त की जाये और इसे एक अलग फाइल में रखा जाये। लेखा परीक्षा ने यह पाया कि बकाया ऋण राशि की सही राशि के सम्बंध में, ऋण लेने वालों से ऋण शेषों की अपेक्षित संपुष्टि प्राप्त नहीं की गयी जिसके कारण संपुष्टि की अनुपस्थित में टी डी बी 31 मार्च, 2012 के तुलनपत्र में दर्शाई गयी ऋण लेने वालो की ऋण बकाया के वास्तविक आंकडों को लेखा परीक्षा में प्रमाणित नहीं किया जा सका।

ग) संसद के समक्ष लेखा परिक्षित रिपोर्ट / लेखा का लेखा परीक्षित विवरण प्रस्तुत करने में असामान्य देरी

टी डी बी अधिनियम का अनुच्छेद 14 इंगित करता है कि प्राप्ति के तुरंत बाद केन्द्र सरकार वार्षिक रिपोर्ट और लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। जी एफ आर के अनुसार, वित्तीय वर्ष की समाप्ति के नौ महीनों के भीतर लेखापरीक्षित रिपोर्ट और लेखा का लेखा परीक्षित विवरण संसद पटल पर प्रस्तुत किये जाने की आवश्यकता है। लेखा परीक्षा ने यह पाया कि टी डी बी के मामले में, वर्ष 2010-11 की लेखा परीक्षित रिपोर्ट और खातों का लेखापरीक्षित विवरण संसद पटल पर नही रखा गया। लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट और खातों के लेखापरीक्षित विवरण को संसद के प्रत्येक सदन में रखे जाने में की गयी असामान्य देरी यह दर्शाती है कि टी डी बी के आन्तरिक नियंत्रण प्रिकृया असफल रही है।

Annexure - I

Internal Control System

- Adequacy of internal Audit System- Internal audit of TDB for the year 2010-11 has been completed by PAO of Department of Science and Technology.
- 2. Adequacy of Internal control system- Internal Control is an integral process for the efficient discharge of an organization's functions. It is a system designed to provide reasonable assurance for the achievement of the organizational objectives economically, efficiently and effectively. However, during the audit of TDB, the following deficiencies in relation to internal control system were observed:

(a) Non-evaluation of investments at fair price

As of 31 March 2012, an amount of ₹13,142.47 lakh was invested by TDB/IDBI in different companies in shape of equity/ Venture Capital Fund. Audit observed that among them there were some companies, which were already wound up/ declared sick/ cases for recovery against which were pending in the courts/ decree order against which had been passed by Courts, yet TDB instead of showing the value of these investments at fair market price, depicted the same at cost price in its books of accounts.

In this regard records/ information relating to review and valuation of investments made by TDB were called for, yet same were not made available to audit indicating non-existence of mechanism for evaluation of investments in TDB.

(b) Non-reconciliation of loan balances

Chapter 5.19 of Manual of Standing Orders of TDB provided that as soon as the accounts of the financial year are closed, confirmation of loan balances as indicated in the loan register shall be obtained from the borrowers and kept in a separate file. Audit observed that the required confirmation of loan balances from the borrowers regarding the exact amount of loan outstanding were not obtained with the result that in the absence of confirmation, the actual figure of loan outstanding against the borrowers shown in the Balance Sheet of TDB as at 31 March, 2012 could not be vouched in audit.

(c) Abnormal delay in laying of Audited report/ Audited statement of Accounts before the Parliament

Section 14 of the TDB Act provided that the Central Government shall cause the Annual Report and Auditor's report to be laid, as soon as may be after they are received, before each House of Parliament. As per GFR, the Audited reports and Audited Statement of Accounts are required to be laid on the table of Parliament within nine months of the close of the financial year. Audit observed that in the case of TDB Audited Report and Audited statement of Accounts for the year 2010-11 had not been laid down on the table of the Parliament. Thus, abnormal delay in laying of Audited report and Audited statement of Accounts before each House of the Parliament indicates the failure of internal control mechanism in TDB.

- 3. **नियत परिसम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली :** वर्ष 2011-12 के लिए नियत परिसम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन पूरा हो चुका है।
- 4. **सामान सूचियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली :** वर्ष 2011-12 के लिए सामान सूचियों के भौतिक सत्यापन पूरा हो चुका है।
- 5. **सांविधिक टिप्पणियों के भुगतान में नियमितता:** भुगतान हेतू कोई सांविधिक देय बकाया नहीं है।

Director (Inspection)

- System of physical verification of fixed assets- Physical verification of fixed assets for the year 2011-12 has been completed.
- System of physical verification of inventories- Physical verification of inventories for the year 2011-12 has been completed.
- 5. Regularity in payment of statutory dues- No statutory dues was outstanding for payment.

Director (Inspection)

भे

अनुलग्नक - 2

डी. फार्मफूट टेक्नोलॉजी प्रा. लि., के ई आई सिस्टम्स प्रा. लि., मैग्नों माइनिंग कं. लि., पर्मावती डी की फालतू चार्जिंग। न्य पैनल बोर्ड्स प्रा. लि., श्वेताद्रि स्पेशलियटि पेपर्स प्रा. लि., त्रावणकोर सल्फेट्स लि. – मूलधन, ब्याज एवं एफ आई सात कंपनियों, मैसर्स बिजनेस फार्म्स लि., जे.

	कंपनी का नाम	17		विमीय	विमीय वर्ष की ३१ म	मानी को बकाया जब कंपनी	क कंपनी	तुः ह्रद		31 03 2012	31 03 2012 को बकाया गणि		anti	क खातों में	फालत प	जातिक खातों में फालन प्रभागित गींश (लेखा के आकर	जा के आकरे
	= = = = = = =	होने की						-					ল ল	कंपनी बन्द	हुई (कम्)	जब कंपनी बन्द हुई (कम) 2011–12 के वार्षिक लेखा	वार्षिक लेखा
		तारीख													18	के आंकड़े	
				मूलधन	<u>ब्य</u> ाज	एफआई इर्व एलडी	इक्विटी	म् भे	मूलक्ष्म	<u>ब्य</u> ाज	एफआई इकि एलडी वटी	क की	मूलधन		ब्याय	एफआई इकि एलडी टी	મુલ
	बिजनेस फार्म्स लि.	30.09.97	31.03.99* को स्थिति	000'000'6	7,211,009	4,431,758	2	20,642,767	000,000,6	29,079,531	196,057,318	234,136,849		21,868,522		191,625,560	213,494,082
7	बे. डी. फार्मफूट टेक्नोलॉजी प्रा लि.	19.03.04	31.03.04* को स्थिति	3,800,000	6,747,705	13,738,660	7	24,286,365	3,829,500	12,375,557	85,888,289	102,093,346	29,500	0 5,627,852		72,149,629	77,806,981
ю	के ई आई सिस्टम्स प्रा. लि	14.10.04	31.03.05* को स्थित	2,160,000	3,877,088	7,891,450	-	13,928,538	2,160,000	6,063,145	28,602,584	36,825,729	- 66	2,186,057		20,711,134	191, 798, 22
4	मैग्नों माइनिंग कं. लि	09.07.99	31.03.00* को स्थित	32,515,000	15,910,300	7,263,656	5	95688956	33,064,796	92,707,387	479,026,675	604,798,858	58 549,796	780, 767, 37		471,763,019	549,109,902
S	पद्मावती पैनल बोर्ड्स प्रा. लि.	29.06.06	31.03.07* को स्थित	3,777,428	9,574,479	40,087,912	5	53,439,819	4,691,840	12,745,498	106,459,328	123,896,666	914,412	3,171,019		66,371,416	70,456,847
9	श्वेताद्रि स्पेशलिबटि पेपर्स प्रा. लि	15.09.06	31.03.07* को स्थिति	5,690,552	13,504,603	47,760,989	9	66,956,144	6,802,431	19,192,815	139,635,694	165,630,940		212,889,212		91 874,705	98 674,796
7	त्रावणकोर सल्फेट्स लि	06.03.06	31.03.06* को स्थिति	13,062,146	25,285,540	59,245,540	6	97,593,653	13,502,446	36,995,329	182,926,861	233,424,636	36 440,300	00 11,709,789		123,680,894	135,830,983
				70,005,126	82,110,126	180,420,392	3	332 536 242	75,051,013 2	209,159,262	218,596,749	1,500,807,024	3,024	3,045,887 127,048,538		1,038,176,357	1,168,270,782
				700.05	821.11	1,804.20	ю	3,325.36	730.51	2,091.59	12,185.97	15,008.07	30.46	1,270.49		10,381.76	11,682.71

स्थिति . बकाया की व <u>।</u> मार्च मोट: चूंकि कंपनी के बन्द होने की तारीख़ को देय बकाया की स्थिति उपलब्ध नही थीं, अत: कंपनी के बन्द होने के वर्ष के 31 खातों में लिया गया है।

Annexure-2

Padmavathy Panelboards Pvt. Ltd., Shwetadri Speciality Papers Pvt. Ltd., Tranvancore Sulphates Ltd.- Excess charging of Principal, interest and FILDs Details of seven companies viz. M/s Business Forms Ltd., JD Farmfood Technology Pvt. Ltd., KEI Systems Pvt. Ltd., Magno Mining Company Ltd.,

			P4	n	ч	~	v	1		L
Name of the Company		Budiness Ferms Utd	JD Farmfood Technology Pvt Ud	KE Systems Put tid	Mageo Mang Company Ud	Padmanathy Part Ltd	Speciality Papers Pvt Ind	Tranvancore Sulphates Utd		
dn Supe of		secured up on 30.09.1997	weard up on 19 March 2004	wound up on 14.10.2004	wound up on 09 July 1999	wound up on 19 June 2006	wound up on 15.09,2006	an on 06 An of March 2005		
		31.03.1999*	31.03.2004*	Matus of 31 03 2005*	31.03.2000*	status of 31.03.2007*	31.63.2007*	status of 31 March 2006**		
Amount ou	PRINCIPAL	080'000'6	3,800,000	2,166,000	32,515,000	3,77,428	5,690,552	13,062,145	70,005,126	30000
tstanding as on	NTEMEST	7,211,009	6,747,795	8,877,088	15,910,300	9,534,439	13,504,603	25,285,540	82,310,724	821.11
Amount outstanding as on 31 March of FY, when company wound up	11,0	4,431,758	13,738,660	7,891,450	7,163,656	40,087,912	47,760,389	59,245,967	180,420,392	1,804.20
spen compa	think									
do puro e	Total	10,642,767	24,286,365	19.928,533	35,888,956	53,419,519	66,936,144	97,593,653	332,536,242	3,325.36
	PRINCIPAL	000'000'6	3,829,500	2,160,000	33,064,795	4,691,840	6,832,431	13,502,446	73,053,033	730.51
490410	INTEREST	29,079,531	12,375,557	6,063,145	92,707,387	12,745,498	19,192,815	36,995,319	209,159,262	2,091.59
Amount outstanding as on 31,03,001.	6110	196,057,318	85,888,289	28,602,584	479,026,675	106,459.328	139,615,494	182,926,861	1,218,596,749	12,185.97
03-0014	Equity									
	Total	234,136,849	102,093,346	36,825,729	604,798,858	123,896,666	165,630,940	233,424,636	1,500,807,024	15,008.07
August and	PRINCIPAL		29,500		549,796	914,412	1,111,879	440,300	3,045,887	30.46
ount charged in a was wound up (le	INTEREST	21,068,522	5,627,852	2,186,057	76,797,087	3,171,019	5,688,212	11,709,789	127,048,538	1,270.49
Excess amount charged in annual accounts (figures of accounts, when company was wound up (less) figures of annual accounts of 2011-12)	FLO	191,625,560	72,149,629	20,711,134	471,763,019	66,171,416	91,874,705	127,680,894	1,038,176,357	30.381.76
gunts of acc	Equity									
of 2011-12]	Tetal	213,494,082	77,806,981	22,897,191	549,109,502	30,456,847	98,674,796	135,830,983	1,168,270,782	11,682.71

NOTE: * as status of dues outstanding as on date of winding up of company was not available, therefore, status of outstanding dues as on 31 March of year of winding up of company was taken in to account.

सार

	मूलधन	ब्याज	एफआईएलडी	इक्षिवटी	कुल
 क. सात कंपनियों, मैसर्स विजनेस फार्म्स लि., जे. डी. फार्मफूट टेक्नोलॉजी प्रा. लि., के ई आई सिस्टम्स प्रा. लि., मैग्नों माइनिंग कं. लि., पद्मावती पैनल बोर्ड्स प्रा. लि., श्वेताद्रि स्पेशलियटि पेपर्स प्रा. लि., त्रावणकोर सल्फेट्स लि. – मूलधन, व्याज एवं एफ आई एल डी की फालतू चार्जिंग।	 मफूट टेक्नोलॉजी प्रा. लि., के ई आई सिस्टम्स प्र व्याज एवं एफ आई एल डी की फालतू चार्जिंग।	हिं सिस्टम्स प्रा. लि., मैग्नों [:] लितू चार्जिंग।	 माइनिंग कं. लि., पद्मावती	पैनल बोर्ड्स प्रा. लि.	, श्वेताद्रि स्पेशलियटि
ख. एक कंपनी मैसर्स फीओनिक्स लैम्प्स प्रा. लि मूलधन, ब्यांज एवं एफ आई एल डी की फालतू चार्जिंग।	ान एनं एफ आई एल डी क	ी फालतू चार्जिंग।			
	19.40	53.40	308.55	0.00	381.35
मुल (क + ख)	49.86	1,323.89	10,690.31	1	12,064.06

SUMMARY

/ Total	rt. Ltd., Magno re Sulphates Ltd		0.00	- 12,064.06
Equity	systems Pv Franvanco	FILDs		
FILD	y Pvt. Ltd., KEI s apers Pvt. Ltd.,	al, interest and	308.55	10,690.31
INTEREST	nfood Technolog adri Speciality P	arging of Princip	53.40	1,323.89
PRINCIPAL	is Ltd., JD Farr vt. Ltd., Shwet	td Excess ch	19.40	49.86
	 A. Details of seven companies viz. M/s Business Forms Ltd., JD Farmfood Technology Pvt. Ltd., KEI Systems Pvt. Ltd., Magno Mining Company Ltd., Padmavathy Panelboards Pvt. Ltd., Shwetadri Speciality Papers Pvt. Ltd., Tranvancore Sulphates Ltd Excess charging of Principal, interest and FILDs 	B. Details of one company M/s Pheonix Lamps Pvt. Ltd Excess charging of Principal, interest and FILDs	excess charged upto 31.03.2012	Total (A+B)

अनुलग्नक - 3

31.03.2012 को इन पांच कंपनियों पर 6,593.97 लाख रु. की राशि का विवरण।

कंपनी का नाम		31.03.20	31.03.2012 को बकाया राशि	गश्च	
	मूलधन	ब्यान	एफआईएलडी	इक्विटी	भेष
नायो टिशूज प्रा. लि.	8,300,000	23 342 275	121,199,744	1,726,000	154,568,019
केशु ऑयल्स एंड रेजिंस प्रा. लि.	4 ,142 ,702	12,286,771	80,925,337		97,354,810
यूरेका वायर्स प्रा. लि.	000′ 000′ 6	26,574,513	159,975,282	500,000	196,049,795
मल्टीमोबाईल्स एंड मशीनरी प्रा. लि.	5,625,000	16,515,534	96,924,105	400,000	119,464,639
शाइनवेल ग्रनिटीस एंड केमिकल्स प्रा. लि.	3,490,000	10,455,901	78,014,241		91,960,142
	30,557,702	89,174,994	537,038,709	2,626,000	659,397,405
	305.58	891.75	5,370.39	26.26	6,593.97

Annexure - 3

Details of amount of ₹ 6,593.97 lakh stated to be outstanding from these five companies as of 31 March 2012

i,	Name of the Company		Amount	Amount outstanding as on 31.03.2012	1.03.2012	
No.		PRINCIPAL	INTEREST	FILD	Equity	Total
-	Bio Tissue Labs Pvt. Ltd.	8,300,000	23,342,275	121,199,744	1,726,000	154,568,019
2.	Cashew Oils & Resins Pvt. Ltd.	4,142,702	12,286,771	80,925,337		97,354,810
mi	Eureka Wires Pvt. Ltd.	000'000'6	26,574,513	159,975,282	200,000	196,049,795
4	Multimobiles & Machinery Pvt. Ltd.	5,625,000	16,515,534	96,924,105	400,000	119,464,639
ιή	Shinewell Granites & Chemicals Pvt. Ltd.	3,490,000	10,455,901	78,014,241		91,960,142
	TOTAL	30,557,702	89,174,994	537,038,709	2,626,000	659,397,405
		305.58	891.75	5370.39	26.26	6593.97



Technology Development Board

Department of Science and Technology

A-Wing, Ground Floor, Vishwakarma Bhawan, Shaheed Jeet Singh Marg, New Delhi-110016
Telephone No.: 26537349, 26540100 | Fax No.: 26531862, 26540141

Website: www.tdb.gov.in